इंटरनेट पर देखें
www.dainikdawa.com

संस्कारधानी से प्रकाशित मध्यभारत व छत्तीसगढ़ अंचल का सर्वप्रसारित लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र

भारत सरकार व छत्तीसगढ़ शासन से विज्ञापन के लिए अधिकृत

दैनिक प्रातः संस्करण

"यो आत्मानं वेत्ति, सर्वं स वेत्ति"।।

दावा

सम्पादक - दीपक कुमार बुद्धदेव

आर.एन.आई.नं. 58841/93
डाक पंजीयन छ.ग./दुर्ग/14/2024-26

धमाका
ई रिक्शा के क्षेत्र में आलफाईन लाए है...
SINE WAYE TECHNOLOGY से
प्रति चार्जिंग 200 KM चलने वाला
भारत का पहला ई-रिक्शा
7 वर्षो से ई रिक्शा बैटरी, स्पेयर्स पार्ट्स एवं बेहतरीन गुणवत्ता के लिए.....

गणेश ट्रेडिंग, रामाधीन मार्ग, राजनांदगांव, 70004 70280
★ नंदई मोहारा रोड़ 7999898741 ★ खैरागढ़ (धमधा रोड़) 9425500166

वर्ष- 43 अंक -273 राजनांदगांव, गुरूवार 22 अगस्त 2024 पृष्ठ - 8 मूल्य - 4.00 रुपए

भारत बंद का दिखा मिला-जुला असर

नयी दिल्ली। अनुसूचित जाति-जनजाति आरक्षण वर्ग में क्रीमीलेयर लागू करने के संबंध में उच्चतम न्यायालय के फैसले के विरोध में आयोजित 'भारत बंद' का मिला जुला असर बुधवार को देखने को मिला।

राष्ट्रीय राजधानी-एनसीआर में बंद बेअसर रहा। राजधानी के बाजार खुले रहे और सड़कों पर यातायात भी आमदिनों की तरह सामान्य रहा। दिल्ली के बाजार संगठनों ने पहले ही साफ कर दिया था कि वह इस बंद का समर्थन नहीं करते हैं।

चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) के चेयरमैन बृजेश गोयल ने कहा कि किसी भी आंदोलनकारी संगठनों ने भारत बंद के संबंध में दिल्ली के बाजार संगठनों से संपर्क नहीं किया था इसलिए राजधानी के सभी 700 बाजारों के साथ 56 औद्योगिक क्षेत्रों में गतिविधियां सामान्य रहीं।

उत्तर प्रदेश में भारत बंद का कोई असर नहीं दिखा,हालांकि बंद समर्थकों ने जुलूस निकाल कर और संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष झंडे बैनर लहरा कर अपने विरोध का इजहार किया।

बंद के दौरान लखनऊ, कानपुर और

प्रयागराज समेत अधिसंख्य जिलों में दुकानें और व्यापारिक प्रतिष्ठान समय से खुले वहीं सड़क और रेल यातायात पर भी बंद का कोई असर नहीं दिखा। स्कूल कालेज खुले हुये थे और सड़कों पर भीड़भाड़ सामान्य दिनो की तरह दिखी।

मध्यप्रदेश में देशव्यापी बंद के आह्वान काआंशिक असर दिखायी दिया और स्थिति पूरी तरह शांत है। विभिन्न जिलों के प्रशासन ने ऐहतियाती आवश्यक कदम उठाए हैं और कहीं से अप्रिय खबर की सूचना नहीं है। राज्य की राजधानी भोपाल के अलावा ग्वालियर चंबल अंचल, विंध्य अंचल, मालवांचल, निमाड़, महाकौशल, बुंदेलखंड क्षेत्र में भी पूरी तरह से शांति है। अलबत्ता कुछ जिलों और कस्बों में दुकानें आदि ऐहतियातन बंद रहीं और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने स्थानीय प्रशासन को ज्ञापन सौंपे, जिसमें आरक्षण संबंधी मुद्दों को लेकर विभिन्न बातें रखी गयी हैं।

भारत बंद पंजाब में बेअसर रहा, यहां नवांशहर, अबोहर में बाजार खुले रहे। जालंधर में दलित संगठनों ने रोष प्रदर्शन किया। लुधियाना, पटियाला, अमृतसर, बठिंडा और होशियारपुर जैसे प्रमुख शहरों में बंद का आह्वान बेअसर रहा हालांकि, बंद को देखते हुये एहतियात के तौर पर पंजाब के कई जिलों में स्कूल-कॉलेजों में छुट्टियां घोषित कर दी गयी हैं। राज्य भर में दुकानें सामान्य रूप से खुली हैं, सड़क यातायात भी सामान्य रूप से चल रहा है। व्यापारिक इकाइयां, बाजार सामान्य दिनों की तरह खुले हैं। बस यातायात भी सामान्य दिनों की तरह चल रहा है।

इसी तरह चंडीगढ़ में भी स्थिति लगभग सामान्य रही। बैंकिंग सेवायें और शैक्षणिक संस्थानों तथा व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का संचालन सामान्य रहा। राज्य में कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की कोई खबर नहीं है। आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को नाकेबंदी से छूट दी गयी थी। पंजाब के जालंधर और होशियारपुर जिलों में कार्यकर्ता व्यापारियों से विरोध के समर्थन में अपनी दुकानें और व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रखने के लिए कहते देखे गये।

बिहार की राजधानी पटना में भारत बंद के दौरान पुलिस प्रशासन और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़पें हुई। पटना में पुलिस को लाठीचार्ज करनी पड़ी वहीं प्रदर्शनकारियों ने आरा, दरभंगा और मधुबनी में ट्रेन को रोककर प्रदर्शन किया।

पटना में प्रदर्शनकारी महेंद्रू से डाकबंगला चौराहा पहुंचे, जहां पुलिस ने उन्हें आगे जाने से रोकने के लिए बैरिकेडिंग की थी लेकिन (शेष पृष्ठ 6 पर...)

पूर्व सीएम चंपई सोरेन ने दिया सीएम हेमंत सोरेन को झटका, नई पार्टी बनाकर विस चुनाव में बगावत से बिगाड़ेंगे खेल

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने आखिरकार बगावत कर दी है। कोल्हान टाइगर के नाम से मशहूर चंपई ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सारे रिश्ते तोड़ दिए हैं। इससे अब साफ हो गया है कि इस बार झारखंड विधानसभा का चुनाव झारखंड मुक्ति मोर्चा के लिए सरल नहीं होने जा रहा है। विधानसभा का चुनाव दिसंबर के अंत तक है और इससे पहले मुकाबला त्रिकोण हो गया है।

गौरतलब है कि जुलाई मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जेल से रिहाई मिली और ठीक 24 घंटे अंदर ही चंपई सोरेन को मुख्यमंत्री पद से हटाकर हेमंत सोरेन फिर से मुख्यमंत्री बन गई। चंपई हेमंत के जेल जाने के बाद मुख्यमंत्री बने थे और 3 जुलाई तक झारखंड के मुख्यमंत्री रहे। उन्हें शिबू सोरेन और हेमंत सोरेन का बहुत करीबी माना जाता था। अब चंपई ने नई पार्टी बनाने का ऐलान किया है। इसका नाम और सिंबल क्या होगा यह आने वाले दिनों में पता चलेगा।

इस्तीफे के बाद छलका था चंपई सोरेन का दर्द

कोल्हान टाइगर के नाम से मशहूर चंपई सोरेन का दर्द झारखंड के सीएम पद से हटने पर छलक पड़ा था। सीएम पद से इस्तीफा देने के बाद चंपई सोरेन ने कहा था कि उन्हें थोड़ा और समय मिलता तो राज्य के विकास के लिए और भी बहुत कुछ करने की इच्छा थी। मीडिया से बात करते हुए चंपई सोरेन ने कहा था कि काम करने वाले व्यक्ति की सभी इच्छाएं कभी पूरी नहीं होतीं। मैंने सीएम के रूप में अच्छा काम करने का प्रयास किया। हमने सभी जाति, समुदाय के लोगों के लिए कई तरह की योजनाएं लाईं। मैं कम समय में जितना काम कर पाया, उससे संतुष्ट हूं।

शहरों के विकास पर खर्च होंगे 900 करोड़ : नगरीय निकाय मंत्री बोले- अधोसंरचना विकास मद और 15वें वित्त आयोग से दिए जाएंगे पैसे

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सरकार ने 27 जुलाई से 10 अगस्त तक जन समस्या निवारण शिविर चलाया था। जिसको लेकर बुधवार को नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव ने इसे सफल बताया है। उन्होंने निकायों के विकास लिए 900 करोड़ रुपए खर्च करने की बात कही है। साथ ही 5 नगरीय निकाय में एसटीपी बनाने की घोषणा की है।

नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव ने जन समस्या निवारण शिविर को सफल बताते हुए कहा कि, शिविर में हमें एक लाख 30 हजार आवेदन मिले हैं। जिसमें से अब तक 48 हजार आवेदनों का निराकरण किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि, निकायों के विकास लिए खर्च 900 करोड़ रुपए होंगे। जिसमें से 450 करोड़ अधोसंरचना मद से दिए जायेंगे। ये 450 करोड़ रूपये 15वें वित्त आयोग से दिया जायेगा। साथ ही उन्होंने 5 नगरीय निकाय में एसटीपी बनाने की घोषणा की है।

वॉरसा पहुंचे पीएम मोदी ने भारतवंशियों को संबोधित किया, गर्मजोशी से स्वागत के लिए आभार जताया

वॉरसा (पोलैंड)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पोलैंड की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर पहुंच चुके हैं। पोलैंड में पीएम मोदी के आगमन को लेकर भारतीय प्रवासियों में खासा उत्साह है। बता दें कि यह 45 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली पोलैंड यात्रा है। वहीं भारतवंशियों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आप सभी पोलैंड के अलग-अलग हिस्सों से आए हैं। सबकी अलग-अलग भाषाएं हैं, बोलियां हैं, खान-पान है, लेकिन आप सभी भारतीयता के भाव से जुड़े हुए हैं। आपने यहां इतना शानदार स्वागत किया है, मैं आप सभी का, पोलैंड की जनता का इस स्वागत के लिए बहुत आभारी हूं।

आज का भारत सबके साथ है- मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि दशकों तक, भारत की नीति थी कि सारे देशों से समान दूरी बनाए रखो, जबकि आज के भारत की नीति है, सारे

देशों से नजदीकी बनाओ। आज का भारत सबसे जुड़ना चाहता है, आज का भारत सबके विकास की बात करता है, आज का भारत सबके साथ है, सबके हित की सोचता है। हमें गर्व है कि आज दुनिया, भारत को विश्व बंधु के रूप में सम्मान दे रही है।

जामनगर के महाराजा का किया जिक्र

पीएम मोदी ने कहा कि द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान, जब पोलैंड मुश्किलों से घिरा हुआ था, जब पोलैंड की हजारों महिलाएं और बच्चे शरण के लिए जगह-जगह भटक रहे थे, तक जामनगर के महाराजा दिग्विजय सिंह रणजीत सिंह जाडेजा आगे आए। उन्होंने महिलाओं और बच्चों के लिए एक विशेष कैंप बनवाया। बकौल पीएम मोदी, जामनगर के तत्कालीन महाराज ने कैंप की महिलाओं और बच्चों से कहा था कि जैसे जामनगर के लोग मुझे बापू कहते हैं, वैसे मैं आपका भी बापू हूं।

भारतीय सैनिकों के बलिदान को याद किया

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज ही मुझे मोंटे कसीनो मेमोरियल पर श्रद्धांजलि देने का अवसर मिला है। ये मेमोरियल हजारों भारतीय सैनिकों के बलिदान को याद दिलाता है। इस बात का प्रमाण है कि कैसे विश्व के हर कोने में भारतीयों ने अपना कर्तव्य निभाया है।

भारतवंशियों को संबोधित करने से पहले पीएम मोदी ने वारसॉ में वलीवडे-कोल्हापुर शिविर के स्मारक पर (शेष पृष्ठ 6 पर...)

केमिकल फैक्ट्री में विस्फोट से अब तक 15 की मौत, 30 से अधिक घायल

अच्युतपुरम। आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली में एक केमिकल फैक्ट्री में हुए विस्फोट से मरने वालों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है। समाचार एजेंसी पीटीआई ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से जानकारी दी। रिपोर्ट के अनुसार जिला कलेक्टर विजया कृष्णन ने कहा कि अनाकापल्ली जिले के अचुतापुरम में एस्किंतिया एडवांस्ड साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड में दोपहर 2:15 बजे आग लग गई।

कलेक्टर ने कहा, फैक्ट्री दो शिफ्ट में 381 कर्मचारियों के साथ संचालित होती है। यह विस्फोट दोपहर के भोजन के समय हुआ। इसलिए, कर्मचारियों की उपस्थिति कम थी। जिला कलेक्टर ने संदेह जताया है कि विस्फोट की वजह बिजली संबंधित समस्या हो सकती है।

इधर, विस्फोट के चलते कम से कम 33 लोगों के घायल होने की खबर है, जिन्हें अनकापल्ली और अच्युतपुरम के विभिन्न अस्पतालों में स्थानांतरित किया गया है। घटनास्थल पर अग्निशमन विभाग की छह अग्निशमन (शेष पृष्ठ 6 पर...)

आईएमए ने स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा को लिखा पत्र, डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए की कानून बनाने की मांग

नई दिल्ली। कोलकाता महिला हत्याकांड के विरोध में देशभर में जारी डॉक्टरों की हड़ताल के बीच इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने बुधवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा को पत्र लिखकर कई अहम मांगें की हैं। आईएमए ने स्वास्थ्य मंत्री को लिखे पत्र में डॉक्टरों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया और इसके लिए अधिनियम बनाने का अनुरोध किया।

आईएमए ने जेपी नड्डा से मांग की कि मसौदा विधेयक 2019 में महामारी रोग संशोधन अधिनियम, 2020 के संशोधित भाग और केरल सरकार के कोड ग्रे प्रोटोकॉल को शामिल किया जाए। आईएमए ने लिखा, हम मांग करते हैं कि मसौदा विधेयक 2019 में महामारी रोग संशोधन अधिनियम, 2020 के संशोधित भाग और केरल सरकार के कोड ग्रे प्रोटोकॉल को शामिल करते हुए भारत के डॉक्टरों के मन में विश्वास पैदा करने के लिए एक अध्यादेश के रूप में घोषित किया जाए।

केंद्र सरकार का जताया आभार

पत्र में आईएमए ने डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए सरकार की ओर से उठाए गए कदमों का उल्लेख करते हुए केंद्र के प्रति आभार भी जताया है। हालांकि, एसोसिएशन ने कहा कि इन उपायों के बावजूद अभी भी देश में डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है। पत्र में पिछले चार डॉक्टरों की मौत का भी जिक्र किया गया है, जिन्होंने ड्यूटी के दौरान अपनी जान गंवाई है। पत्र में सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले की भी प्रशंसा की गई, जिसमें डॉक्टरों की सुरक्षा, रेजिडेंट डॉक्टरों के काम करने और रहने की स्थिति एवं आरजी कर मेडिकल कॉलेज की घटना की आवश्यक कार्रवाई के लिए एक राष्ट्रीय टास्क फोर्स (एनटीएफ) को जिम्मेदारी सौंपने का आदेश दिया गया था।

छत्तीसगढ़ के जनजातियों से पीएम मोदी करेंगे सीधी बात, सरकार की योजनाओं का लेंगे फीडबैक

रायपुर। विशेष पिछड़ी जनजातियों के लिए चल रही सरकारी योजनाओं का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी फीडबैक लेंगे। इसके लिए वे सितंबर में जनजातियों से सीधे बात करेंगे। राज्य में विशेष पिछड़ी जनजाति समूह (पीवीटीजी) परिवारों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए 23 अगस्त से 10 सितंबर तक लाभार्थी संतृप्ति शिविर लगेंगे। इन शिविरों में आधार कार्ड, जनधन खाता, आयुष्मान कार्ड, वन अधिकार पत्र राशन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र पीएम किसान सम्मान निधि, पीएम मातृत्व वंदना योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, सिकल सेल की जांच और मूलभूत स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी दी जाएगी।

आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने बताया कि 18 जिलों में सितंबर में बड़े आयोजन होंगे। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय आयोजन में शामिल होंगे, जो झारखंड में हो रहे हैं। देश के सभी पीवीटीजी बसाहट वाले जिलों को संबोधित करते हुए दू वे कनेक्टिविटी के माध्यम से संवाद स्थापित करेंगे। प्रदेश में विशेष पिछड़ी जनजाति वाले किसी एक जिले में राज्य स्तरीय आयोजन के लिए चयनित किया जाएगा।

केंद्र सरकार का बड़ा फैसलाः महाराष्ट्र के पूर्व सीएम शरद पवार को मिली जेड प्लस सिक्योरिटी, सुरक्षा में तैनात रहेंगे सीआरपीएफ के 55 जवान

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) प्रमुख शरद पवार को जे प्लस की वीआईपी सुरक्षा प्रदान की है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल को महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री को यह बढ़ी हुई सुरक्षा प्रदान करने का निर्देश दिया है। आगामी विधानसभा चुनाव से पहले शरद पवार की सिक्योरिटी बढ़ाने जाने के बाद राजनीतिक गलियारों में भी चर्चा तेज हो गई है। राज्य में इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं।

एनसीपी-एसपी प्रमुख की सुरक्षा के लिए सीआरपीएफ के 55 सशस्त्र जवान की एक टीम को नियुक्त किया गया है। रिपोर्ट्स के

अनुसार, यह निर्णय केंद्रीय एजेंसियों द्वारा खतरे के आकलन की समीक्षा के बाद लिया गया है, जिसमें पवार के लिए सुरक्षा बढ़ाने की सिफारिश की गई थी। जेड प्लस कवर का प्रबंधन सीआरपीएफ वीआईपी सुरक्षा विंग द्वारा किया जाएगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, सिक्योरिटी व्यवस्था को लागू करने के लिए सीआरपीएफ की एक टीम वर्तमान में महाराष्ट्र में है।

पवार ने स्वीकार की सुरक्षा

सीआरपीएफ के कुछ अधिकारियों ने एनसीपी के क्षेत्रीय कार्यालय में शरद पवार से चर्चा की। इस मौके पर अधिकारियों ने सुरक्षा का जायजा लिया और शरद पवार से बातचीत की। इस चर्चा के बाद राज्य के घटनाक्रम को देखते हुए शरद पवार की सुरक्षा बढ़ा दी गई। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शरद पवार ने जेड प्लस की सुरक्षा स्वीकार कर ली है।

आपको बता दें कि, 'जेड प्लस' सुरक्षा सशस्त्र वीआईपी सिक्योरिटी की (शेष पृष्ठ 6 पर...)

खड़गे-राहुल जम्मू-कश्मीर के दो दिवसीय दौरे पर पहुचे

श्रीनगर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी बुधवार को जम्मू कश्मीर के दो दिवसीय दौरे पर यहां पहुंचे।

सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ चुनाव पूर्व गठबंधन को अंतिम रूप दे सकता है। श्री गांधी गुरुवार को पार्टी नेतृत्व से बातचीत करेंगे और कार्यकर्ताओं से जानकारी लेंगे। संभावना है कि नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला अथवा उनके पुत्र उमर अब्दुल्ला भी उनसे मुलाकात कर गठबंधन पर चर्चा कर सकते हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम अहमद मीर ने कहा, कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व कल यहां बैठक करेगा। राहुल जी और खड़गे जी की यात्रा की योजना एक महीने पहले ही बना ली गयी थी। पार्टी नेतृत्व के साथ सभी बैठकें गुरुवार को निर्धारित हैं।

जम्मू-कश्मीर कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष तारिक कर्रा ने हाल ही में कहा कि कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनाव में समान विचारधारा वाले दलों के साथ गठबंधन के लिए तैयार है। उन्होंने कहा था कि नेशनल कांफ्रेंस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) संभावित चुनाव पूर्व गठबंधन के बारे में कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व से बातचीत कर रहे हैं। नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस विपक्षी इंडिया समूह के घटक हैं और उन्होंने (शेष पृष्ठ 6 पर...)

मोदी कैबिनेट में शामिल इस मंत्री ने जताई पद छोड़ने की इच्छा, कहा - 'फिल्मों के बिना नहीं रह सकता'

नई दिल्ली। अभिनेता से नेता बने सुरेश गोपी ने बुधवार को एक बयान देकर हलचल तेज कर दी है। केरल से भाजपा के एकमात्र लोकसभा सदस्य सुरेश मोदी सरकार में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस और पर्यटन विभागों में राज्य मंत्री हैं। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें मंत्री पद से मुक्त कर दिया जाता है तो उन्हें खुशी होगी। सुरेश गोपी ने बयान में कहा है कि अभिनय उनका जुनून है और वह फिल्मों के बिना नहीं रह सकते। उन्होंने कहा, अगर मुझे राज्यमंत्री के पद से हटा दिया जाता है, तो मुझे बहुत खुशी होगी।

अभिनय शुरू करूंगा- गोपी

गोपी बुधवार को यहां एक फिल्म निकाय की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, मंत्री बनने से पहले मैंने अपने नेताओं से यह बात कही थी। मैं अमित शाह से मिला था और

उन्होंने मुझसे पूछा था कि मेरे पास कितनी फिल्में हैं। मैंने उनसे कहा कि मेरे पास करीब 25 स्क्रिप्ट और 22 फिल्में हैं। गोपी ने कहा कि उन्हें अभिनय फिर से शुरू करने की अनुमति मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, हालांकि, एक बात मैं आपको बता सकता हूं, मैं 6 सितंबर को फिल्म 'ओट्टाकोम्बन' के लिए अभिनय शुरू करूंगा।

अगर मुझे मंत्री पद से मुक्त कर दिया जाता

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एक मंत्री के रूप में इस जिम्मेदारी के साथ वह त्रिशूर में अपने मतदाताओं को वक्त नहीं दे पा रहे हैं। उन्होंने कहा, अगर मुझे मंत्री पद से मुक्त कर दिया जाता है, तो मैं अभिनय कर सकता हूं और अपने निर्वाचन क्षेत्र के मतदाताओं के साथ भी रह सकता हूं। अपने करियर में 250 से अधिक फिल्में करने वाले गोपी ने 80 के दशक के मध्य में करियर की शुरुआत की थी। उन्हें 'मलयालम के एंग्री यंग मैन' के रूप में जाना जाता है। गोपी का राजनीति से रिश्ता चार बार मुख्यमंत्री रहे कांग्रेस के के. करुणाकरण के साथ उनकी नज़दीकियों के बाद शुरू हुआ। हालांकि, बाद में उन्होंने कांग्रेस को अलविदा कह दिया।

महादेव बेटिंग ऐप : जांच सीबीआई को सौंपने की तैयारी में सरकार, गृहमंत्री शर्मा ने दिए संकेत

रायपुर। प्रदेश में बहुचर्चित महादेव सट्टा ऐप घोटाले की जांच सीबीआई कर सकती है। बुधवार को गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि, छत्तीसगढ़ सरकार महादेव बेटिंग ऐप का मामला सीबीआई को सौंपने जा रही है। करीब 70 थानों में अलग-अलग एफआईआर दर्ज है। इस पर प्रक्रिया जारी है और कुछ समय में निर्णय हो जाएगा।

बिरनपुर और सीजी पीएससी स्कैम के बाद ये तीसरा मामला होगा, जो साय सरकार सीबीआई को सौंपने जा रही है। ईडी के मुताबिक केस में प्रदेश के कई सीनियर नेता, अधिकारियों और कारोबारियों के नाम दर्ज हैं। ऐप के जरिए क्रिकेट, बैडमिंटन, टेनिस, फुटबॉल और चुनाव जैसे खेलों में भी अवैध सट्टा लगाया जाता है। अवैध सट्टे के नेटवर्क के जरिए ऐप का जाल तेजी से फैला। सबसे ज्यादा खाते छत्तीसगढ़ में खोले गए।

अमित शाह आकांक्षाओं के अनुरूप हुआ काम

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दौरे को लेकर गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि, विभिन्न विषयों पर चर्चा होनी है। लॉ एंड ऑर्डर और विशेष रूप से नक्सल मामलों पर चर्चा होगी और संयुक्त रणनीति के आधार पर काम करेंगे।

प्रदेश में अमित शाह के आकांक्षाओं के अनुरूप काम हुआ है। उनके आगमन से जनता और अधिकारी गण उत्साहित है।

हल षष्ठी व्रत के लिए तैयारियों में जुटी संतानवती महिलाएं

राजनांदगांव(दावा)। भादो मास के कृष्ण पक्ष की षष्ठमी तिथि को संतानवती माताएं-बहनों द्वारा खम्हर छठ (हलषष्ठी) का पर्व धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। माताएं-बहनों द्वारा इसकी तैयारियां शुरू कर दी गई है। बाजार में हलषष्ठी पर्व पर उपयोग आने वाले पूजा सामग्रियों की दुकानें सज गई है। बता दे कि हलषष्ठी जिसे छत्तीसगढ़ी में खम्हरछठ कहा जाता है इस दिन अपने बाल-बच्चों की लम्बी आयु व स्वस्थ जीवन की कामना से महिलाएं पसहर चांवल से बने दूध भात की प्रसादी खाकर उपवास तोड़ती है। इसके चलते बाजार में उक्त पसहर चांवल की डिमांड बढ़ गई है। बाजार में यह चावल डेढ़ सौ से दो सौ रूपए किलो दाम पर बिक रहा है। वही थोक में सौ से एक सौ बीस रूपए किलो बेचे जा रहे है।

हलषष्ठी व्रत

बता दे कि कृषि प्रधान प्रांत छत्तीसगढ़ अंचल में खम्हर छठ के नाम से जाना जाने वाले पर्व हलषष्ठी को भगवान श्री कृष्ण के बड़े भ्राता हलधर बलराम जी से जोड़ा जाता है। उनका जन्म भादो मास कृष्ण पक्ष की तिथि को माता रोहिणी के गर्भ से हुआ था। इसके ठीक दूसरे दिन बाद भादो मास की अष्ठमी तिथि को अर्ध रात्रि में भगवान श्रीकृष्ण जी अवतरित हुए थे।

नगर के सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पंतजलि बाजपेयी ने बताया कि चूंकि कृषि कार्यो के संपोषक बलराम जी हलधारी है। इसीलिए खम्हर छठ पर्व को हल षष्ठी के रूप में जाना जाता है। बिहार में इसे लल षष्ठी या ललही षष्ठी कहा जाता जाता है। जिसका अर्थ शिशु या बालक होता है। वही यूपी में इसे हर या हल षष्ठी कहा जाता है, जिसका भी संबंध भगवान बलराम जी के हल से ही है।

0 बाजार में बिकने आए पसहर चांवल

कुल मिलाकर देखा जाए तो भादो मांस के कृष्ण पक्ष की षष्टमी तिथि को संतानों के लिए रखा जाने वाला व्रत हलषष्ठी के पीछे हलधारी बल्देव भैया बलराम जी की जयंती ही प्रमुख है। इसे आधार मानकर माताएं-बहनें अपने संतानों को हलधारी भगवान बलराम जैसे बलिष्ट व उनकी निरोगमयता व दीर्घ जीवन की कामना से हल षष्ठी या खम्हर छठ का कठिन व्रत रखती है।

पूजा सामग्रियों की बनी मांग

हलषष्ठी का व्रत रखने वाली माताएं-बहने इस दिन अपने संतानों की दीर्घायु के लिए निर्जला कठिन व्रत रखती है। एक दिन पहले से रात के समय से लेकर दिनभर बगैर कुछ खाए-पिए कठिन व्रत का पालन करती है। इस दिन सुबह से एक जाति विशेष के लोग एक पान का पत्तल व खम्हार व महुआ वृक्ष का दातौन व दोना, लाई आदि सहित महुआ फल, बटरा चना, गेहू, जौ आदि दे जाते है बदले में उन्हें नगद राशि दान दी जाती है।

इस दिन व्रती महिलाएं सुबह खम्हार का दातौन करती है। इसलिए ?संभवत- इस व्रत का नाम आम्र छठ पड़ गया। इन पूजा सामग्रियों में बगैर जूते स्थान का यानिकि बगैर हल चलाए हुए स्थान में उगे पसहर चांवल का विशेष स्थान है। इस दिन गाय के दूध के बजाए भैस के दूध व दही आदि का उपयोग किया जाता है। वही शाम के समय पंडित-पुजारियों की उपस्थिति में समुद्र (सागर) का प्रतीक सगरी खुदवा कर उसे झांड-झंखाडियों से सज्जित किया जाता है और बच्चों के खेलने में उपयोग आने वाले मिट्टी की गोलियां, नाव, गऊ माता, नदी, शिवलिंग आदि बनाकर उसकी पूजा की जाती है व पड़ितों के मुंह से कथा श्रवण किया जाता है। इस दिन संतानवती महिलाओं द्वारा नए वस्त्र परिधानों सहित सोलहो श्रृंगार से युक्त होकर सगरी देवता षष्ठी माता मां पार्वती व प्रकारांतर से छह कृतिकाएं की पूजा करती है। इसके बाद बड़े-बूढ़ों का आशीर्वाद ग्रहण कर पसहर चांवल, दही व दूध से बने प्रसादी सेवन कर व्रत का समापन करती है। शहर के बाजार में जयस्तंभ चौक रोड जूनी हटरी, हाट बाजार, मुख्य मार्केट गोल बाजार, शनि मंदिर रोड आदि जगहों पर पूजा सामग्री सहित पसहर चांवल की दुकाने सजी हुई है, जहां महिलाओं व उनके घर परिवार के लोगों द्वारा खरीदारी की जा रही है। बाजार में व्रत को लेकर वस्त्राभूषणों के दुकानों में भी नए वस्त्र परिधानों की खरीदारी बढ़ गई है। इससे बाजार में रौनक बिखरी हुई है।

भाजपा महिला मोर्चा ने पुलिस जवानों एवं डॉक्टरों को बांधी राखी

राजनांदगांव(दावा)। भाजपा महिला मोर्चा घुमका मंडल की बहनों ने घुमका थाना पहुंचकर पुलिस अधिकारियों कर्मचारियों को राखी बांधी इसके बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर सभी डॉक्टरों को भी रक्षा सूत्र बांधे।

इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रतीक्षा सूर्यकांत भंडारी के नेतृत्व में सभी बहनों ने पुलिस जवानों और चिकित्सकों का मुंह मीठा करते हुए उन्हें रक्षाबंधन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर जिला भाजपा महिला मोर्चा प्रवक्ता राजेश्वरी साहू, भाजपा घुमका मंडल महिला मोर्चा अध्यक्ष शांति निर्मलकर, नूतन साहू, सरिता साहू, जयश्री साहू, संगीता यादव, नगीना निर्मलकर एवं क्षेत्र के जनपद सदस्य दिलीप पटेल, अजय सिंह ठाकुर, रेखराम साहू, सुरेश शर्मा सहित भाजपा महिला मोर्चा घुमका मंडल के पदाधिकारी एवं सदस्य में उपस्थित थे।

पहला कॉलम...

कोसरिया यादव समाज शोभायात्रा को अंतिम रूप देने 24 को बैठक

राजनांदगांव (दावा)। नगर कोसरिया यादव समाज राजनांदगांव की बैठक लगातार विभिन्न वार्डों में आयोजित की जा रही है। विभिन्न बैठक ईष्टदेव भगवान श्री कृष्ण जी के जन्मोत्सव की तैयारी को लेकर अंतिम बैठक 24 अगस्त दिन शनिवार को गौरीनगर स्थित सामुदायिक भवन में दोपहर 2 बजे आयोजित की जाएगी। इस बैठक में शोभायात्रा को अंतिम रूप प्रदान किया जाएगा। समस्त कोसरिया यादव बंधुओं, वरिष्ठजनों, गोटियागणों, महिला मंडल एवं युवा मंडल से अपील है कि इस बैठक में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने सहयोग प्रदान करेंगे। यह जानकारी गौरीनगर वार्ड अध्यक्ष मोहित यादव ने दी।

श्रावण के अंतिम सोमवार को समाजसेवी महिलाओं ने किया रुद्राभिषेक पूजन

राजनांदगांव (दावा)। शहर मे श्रावण मास के अंतिम सोमवार को जहां बाबा महाकाल की शाही सवारी निकली, बोल बम कांवरियों का हूजूम निकला व बोल बम के उच्चार सहित शिवलिंग में जल चढ़ाएं गए वहीं शहर की समाजसेवी महिलाओं ने भवानी नगर में रुद्राभिषेक कार्यक्रम आयोजित कर भगवान शिव की विधि - विधान से पूजा की।

पंडित मोहन शास्त्री के द्वारा उच्चारित वेद मंत्रों व शिव चालिसा पाठ एवं महामृत्युंजय मंत्र जपकर बीच भगवान शिव की दूध, दही घी खांडसारी, शहद, गंगा जल आदि विविध सामग्रियों द्वारा रुद्रा भिषेक किया गया। इस दौरान कस्तूरबा महिला मंडल की संरक्षिका श्रीमती शारदा तिवारी, श्रीमती रचना मिश्रा व मंडल की महिलाओं ने भगवान शिव को बड़ी मात्रा में फल-फूल, मेवा-मिष्ठान्न व पूजा सामग्रियों का चढ़ावा चढ़ाया और अपने घर-परिवार की सुख शांति व खुशहाली की कामना की। इस दौरान महिलाओं द्वारा भजन-कीर्तन के कार्यक्रम भी किए गए जिसमें भवानी नगर बसंतपुर की गृहिणी महिलाएं वह शहर की समाज सेवी महिलाएं उपस्थित थीं। पूजा उपरांत अंत मे महाप्रसादी का वितरण किया गया।

माया मेश्राम का निधन

राजनांदगांव (दावा)। संजय नगर लखोली निवासी नितेश डोंगरे की बहन श्रीमती माया मेश्राम ध.प. अमित मेश्राम का दिनांक 21 अगस्त को दोपहर 2 बजे आकस्मिक निधन हो गया है। श्रीमती मेश्राम की अंतिम यात्रा आज सत्यभामा डोंगरे के निज निवास संजय नगर लखोली से लखोली मुक्तिधाम के लिए 22 अगस्त गुरूवार को प्रातः 10 बजे निकाली जायेगी।

सचिव कचरा संग्रहण कार्य को गंभीरता से लें - जिपं सीईओ सुरुचि सिंह

सीईओ जिला पंचायत ने सचिवों की ली बैठक

राजनांदगांव (दावा)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह ने जिला पंचायत सभाकक्ष में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अन्तर्गत जनपद पंचायत राजनांदगांव में संचालित समस्त महत्वपूर्ण योजनाओं एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन एवं प्रगति की सचिवों की बैठक लेकर समीक्षा की। सीईओ जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह जनपद पंचायत राजनांदगांव अंतर्गत विभाग की प्राथमिकता वाली योजनाओं की प्रगति असंतोषजनक होने पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने ग्राम पंचायतवार स्वच्छ भारत अभियान की प्रगति के स्वीकृत कार्यों की समीक्षा की तथा सभी सचिवों को योजनान्तर्गत चल रहे कार्यों को एक सप्ताह के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए। सीईओ जिला पंचायत ने प्रत्येक शनिवार को आयोजित स्वच्छता त्यौहार को एक अभियान के रूप में चलाने कहा। उन्होंने सचिवों से कहा कि गांव में गली-महोल्ले, चौक-चौराहों तथा रोड के किनारे कचरा नहीं होना चाहिए।

सीईओ जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह ने ओडीएफ के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। जिन हितग्राहियों द्वारा व्यक्तिगत शौचालय का निर्माण करा लिया गया है, उनका भुगतान तत्काल सुनिश्चित कराएं। उन्होंने कहा कि इस संबंध में शिकायत प्राप्त होने पर सचिवों पर कार्रवाई की जाएगी। हितग्राहियों के शौचालय को सिंगल पीट के स्थान पर डबल पीट बनाया जाना है। इसके लिए हितग्राहियों का सर्वे कार्य एक सप्ताह के भीतर पूर्ण कर सूची उपलब्ध कराने के लिए कहा। जिन हितग्राहियों ने पक्की टैंक का निर्माण कराया है, उसी स्थान पर सोख्ता गड्ढा का निर्माण कराया जाना है, इसके लिए 15 सितम्बर की समय सीमा निर्धारित की गयी। उन्होंने कचरा संग्रहण अन्तर्गत चल रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सचिव कचरा संग्रहण कार्य को गंभीरता से लें तथा इस कार्य में लगे स्वच्छता दीदीयों का मजदूरी भुगतान समय पर सुनिश्चित कराएं। दुकानदारों से अनुबंध की कार्रवाई एवं अर्थदंड की वसूली अनिवार्य रूप से कराएं। बैठक में वाटरट्रीटमेंट प्लान, स्वच्छता एवं जल संवर्धन, आयुष्मान कार्ड, गौण खनिज वाले गांवों, महात्मा गांधी-नरेगा, समग्र विकास योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति की समीक्षा गई। बैठक में जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत के सभी संबंधित अधिकारीगण एवं सभी ग्राम पंचायत के सचिव उपस्थित थे।

स्वास्थ्य विभाग ने राजीव नगर में आयुष्मान कार्ड निःशुल्क शिविर का आयोजन किया

पार्षद और मितानीन के सहयोग से 46 लोगों ने बनवाया कार्ड

राजनांदगांव (दावा)। नगर निगम वार्ड नंबर 42 के श्रमिक बाहुल्य क्षेत्र राजीव नगर में पार्षद ऋषि शास्त्री एवं मितानिन दीदियों के प्रयास से आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग से अनुरोध किया गया था इसी संबंध में 21 अगस्त को सुबह 10:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक स्वास्थ्य विभाग की ओर से राजीव नगर महिला प्रशिक्षण केंद्र भवन में निशुल्क आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य किया गया जिसमें 46 परिवार के हितग्राहियों ने अपना आयुष्मान कार्ड बनाकर इस शिविर का लाभ उठाया।

पार्षद ऋषि शास्त्री ने बताया कि लगातार आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं मितानिन जान की सक्रियता और महिती भूमिका से अलग-अलग योजनाओं के शिविर आयोजन किए जाते आए हैं जिसका मुख्य उद्देश्य है कि जनता को शासकीय योजना का लाभ दिलाना साथ ही जनता के घरों तक मूलभूत सुविधा पहुंचाने का कार्य करना से है।

इस संबंध में आगे कहा कि आने वाले 25 अगस्त को वार्ड में पुनः मिताने योजना अंतर्गत आय जाति निवास गुमास्ता पैन कार्ड राशन कार्ड जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र एवं 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों के आधार कार्ड बनाने हेतु शासन द्वारा निर्धारित शुल्क देय के संबंध में शिविर हेतु अनुमति मांगी गई है अनुमति मिलने पर वार्ड के ही मितान कार्यालय में उक्त शिविर का लाभ मिल पाएगा।

वार्ड निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने सफाई व्यवस्था देख राजस्व वसूली की ली जानकारी

राजस्व वसूली के लिये भौतिक सत्यापन कर डिमाण्ड दुरूस्त कर वसूली के निर्देश

राजनांदगांव (दावा)। वार्ड निरीक्षण के लिये निगम आयुक्त अभिषेक गुप्ता आज सुबह तकनीकी, स्वास्थ्य व राजस्व अधिकारी के साथ स्टेशनपारा क्षेत्र के वार्ड नं. 11 व 12 तथा गौरीनगर वार्ड नं. 13 में सफाई, निर्माण का निरीक्षण कर राजस्व वसूली की जानकारी ली। उन्होने सफाई के साथ साथ राजस्व वसूली के लिये डिमाण्ड दुरूस्त करने के निर्देश दिये।

आयुक्त श्री गुप्ता स्टेशनपारा एवं गौरी नगर में सफाई व्यवस्था निरीक्षण के दौरान हाजरी रजिस्टर की जॉच किये और अनुपस्थित कर्मचारी की जानकारी लेकर अधिक दिनों तक अनुपस्थित रहने पर वेतन कटौती के निर्देश स्वास्थ्य अधिकारी राजेश मिश्रा को दिये। उन्होंने हाजरी रजिस्टर में सफाई कर्मी का फोटो नहीं चिपकाने तथा कर्मचारी की उपस्थिति ठीक से नहीं दर्शाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुये गौरीनगर के सुपरवाईजर को नोटिस जारी करने तथा भविष्य में पुनरावृत्ति पर वेतन काटने के निर्देश स्वास्थ्य अधिकारी को दिये। उन्होंने कहा कि श्रमिक बाहुल्य वार्ड में साफ सफाई में कोताही बर्दास्त नहीं की जावेगी। सफाई दरोगा, वार्ड प्रभारी एवं स्वच्छता निरीक्षक प्रतिदिन मानिटरिंग कर व्यवस्था दुरूस्त करें।

आयुक्त श्री गुप्ता ने वार्ड में राजस्व वसूली की संबंधित सहायक राजस्व निरीक्षक से जानकारी ली और डिमांड पंजी देख घरो की संख्या के अनुसार वसूली पूछा, संबंधित सहायक राजस्व निरीक्षक ने कहा कि 6 माह से इस वार्ड का प्रभार मिला है, ऐरिया अनुसार डिमाण्ड तैयार कर रहा हूँ। आयुक्त ने कहा कि 20 दिवस के भीतर मौका मुआयना कर डिमाण्ड दुरूस्त कर उसके अनुसार वसूली करें, लापरवाही पर कार्यवाही करने राजस्व अधिकारी श्री अशोक देवांगन को निर्देशित किये। उन्होंने कहा कि भौतिक सत्यापन कर सभी डिमाण्ड दुरूस्त करे और इस वित्तीय वर्ष के लक्ष्य के अनुरूप वसूली करे। उन्होंने वसूली में कडाई बरतने राजस्व अधिकारी को निर्देशित किये।

गौरीनगर में शीतला मंदिर सामुदायिक भवन निर्माण तथा प्रसन्नुदास गली में नाली निर्माण कार्य का निरीक्षण कर कार्यपालन अभियंता श्री यू.के. रामटेके से आयुक्त ने कहा कि सामुदायिक भवन के प्लींथ कार्य जल्द चालू कराये और समय सीमा में भवन निर्माण पूर्ण करावे जिससे इसका लाभ मिल सके। इसी प्रकार नाली निर्माण कार्य देख नाली का बेस मजबूत कर पर्याप्त ढाल देने के निर्देश देते हुये कहा कि नाली में पानी न रूके तथा नाली के अंदर पाईप लाईन न हो इसका विशेष ध्यान रखा जावे। उन्होंने वार्ड नं. 11 व 12 में निर्माण कार्य की जानकारी लेकर अपूर्ण कार्य जल्द पूर्ण कराने तथा अप्रारंभ कार्य प्रारंभ कराने के निर्देश दिये।

निरीक्षण के दौरान उप अभियंता डागेश्वर कर्ष, प्र.स्वच्छता निरीक्षक भूषण मेश्राम, सहायक उद्यान प्रभारी दिलीप गिरी, जिला समन्वयक एसबीएम देवेश साहू व कीर्तन साहू, प्र.पटवारी गणेश झा तथा स्वास्थ्य व राजस्व अमला उपस्थित था।

निलंबित आईएएस समीर, रानू और सौम्या के परिजनों को समन जारी

रायपुर। आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो ने कोयला घोटाले में जेल भेजे गए निलंबित आईएएस समीर विश्नोई, आईएएस रानू साहू, और राज्य सेवा की अधिकारी सौम्या चौरसिया के परिजनों, रिश्तेदारों और करीबी लोगों को उपस्थिति कराने के लिए समन जारी किया है। इसमें छापेमारी के दौरान उनके ठिकानों से बरामद किए गए इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और दस्तावेजों को जब्त किया गया है। इसमें संपत्तियों का ब्योरा मिला है। इन प्रॉपर्टियों में बेनामी संपत्तियों की जांच करने के लिए सभी से हिसाब मांगा है। इसका वेरिफिकेशन करने के बाद जब्त करने की कार्रवाई की जाएगी।

जांच एजेंसी ने 24 ठिकानों में तलाशी के दौरान करोड़ों रुपये की चल-अचल संपत्तियों के दस्तावेज मिले हैं। इसकी जांच करने के लिए दस्तावेजों को जब्त किया गया है। इन सभी का वेरिफिकेशन किया जाएगा। हिसाब नहीं देने पर जब्त किया जाएगा। बता दें ईओडब्ल्यू एवं एसीबी ने 16 अगस्त को छत्तीसगढ़ के रायपुर में पांच, दुर्ग में आठ, महासमुंद में तीन, रायगढ़ स्थित दो, कोरबा-गरियाबंद में 1-1, राजस्थान के अनूपगढ़ में दो, कर्नाटक के बेंगलूरू में एक और झारखंड के जमशेदपुर एक स्थान पर दबिश दी थी।

करोड़ों की प्रापर्टी

छापेमारी के जद में आने वाले रानू, समीर और सौम्या के परिजन, रिश्तेदारों और करीबी कारोबारियों के ठिकानों से प्रापर्टी के दस्तावेज मिले हैं। इसमें आवासीय एवं कृषि भूमि, फार्म हाउस, मकान सहित अलग-अलग योजनाओं में किए गए निवेश के पेपर शामिल हैं। इन का वेरिफिकेशन करने के लिए साक्ष्य मंगवाए गए है।

जोगी कांग्रेस ने बाईपास सड़क की मरम्मत करवाने संभाग आयुक्त तथा कार्यपालन अभियंता के नाम पीडब्लूडी विभाग को सौंपा ज्ञापन

राजनांदगांव (दावा)। जोगी कांग्रेस जिलाध्यक्ष इंजी. शमसुल आलम ने संभाग आयुक्त और लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता के नाम पेंड्री से सीआईटी कॉलेज तक बनी बाईपास सड़क तथा हरदी से सुरगी मार्ग के मुख्य मार्ग से लगे आसपास के गांव जाने वाली सड़क की मरम्मत करवाने ज्ञापन सौपा है। इंजी. शमसुल आलम ने कहा पूर्व में भी दो बार लोक निर्माण विभाग में आंदोलन कर बाईपास सड़क की मरम्मत जोगी कांग्रेस जिलाध्यक्ष शमसुल आलम द्वारा करवाई जा चुकी है, अब बाईपास में जगह जगह सड़कों में गढ्ढे दिखाई पड़ रहे हैं, तत्काल प्रभाव से मरम्मत करवाए। लोक निर्माण विभाग साथ ही साथ हरदी से सुरगी जाने वाली मुख्य मार्ग से कई गांव में सड़क जाती है, जिसकी स्थिति जर्जर है, कभी भी एक्सीडेंट का खतरा बना रहता है। पिछली बार जोगी कांग्रेस द्वारा प्रदर्शन किया गया था, जिसमें हरदी से सुरगी मार्ग सड़क मार्ग कागज में बन चुकी थी, पर वास्तविकता में सड़क गायब थी। शमसुल आलम ने पीडब्ल्यूडी के कार्यपालन अभियंता से मुलाकात कर संज्ञान में लाया है, जिसमें अभियंता ने तत्काल प्रभाव से निरीक्षण कर मरम्मत करवाने का अस्वासन दिया। मरम्मत जल्द नहीं करवाने पर उग्र प्रदर्शन की बात कही है। इस अवसर पर जोगी कांग्रेस जिलाध्यक्ष शमसुल आलम के साथ जिला महासचिव मिलाप बघेल, जिला महासचिव नमन पटेल, सोमेश साहू, सुरेंद्र कुमार देवांगन, आकाश साहू, संदीप सूर्यवंशी आदि दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

प्रयोगशाला तकनीशियन भर्ती परीक्षा 25 अगस्त को

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर द्वारा प्रयोगशाला सहायक भर्ती परीक्षा एवं प्रयोगशाला तकनीशियन भर्ती परीक्षा का आयोजन रविवार 25 अगस्त 2024 को दो पालियों में आयोजित किया गया है। जिला मुख्यालय में भर्ती परीक्षा के लिए कुल 16 परीक्षा केन्द्र बनाए गए है। परीक्षा में शामिल होने के लिए अभ्यर्थी को परीक्षा केन्द्र में अपने साथ फोटो युक्त प्रवेश पत्र एवं मूल पहचान पत्र साथ लेकर आना अनिवार्य होगा। परीक्षार्थी परीक्षा के 1 दिन पूर्व अपने परीक्षा केन्द्र का अवलोकन भी कर लें।

शुभांक

अनुमानित

बी. के
3-6-7
688-2 356-4
राजधानी
2-5-9
460-0 880-6

चेतावनी:-इस पत्र में प्रकाशित सर्वत्र शुभ राशियां ज्योतिष एवं ग्रह नक्षत्र के आधार पर धारणा मात्र है। इसका सट्टे आदि से कोई संबंध नहीं है, दुरूपयोग न करें। दुरूपयोग करने पर प्रकाशक की कोई जवाबदारी नहीं होगी। -सम्पादक

न्यायालय नायब तहसीलदार राजनांदगांव जिला राजनांदगांव (छ.ग.)

// उद्घोषणा // रा.मा.क्रं. - 202406090400010 अ/27 वर्ष 2023-24

क्योंकि मौजा/ग्राम-बोरी, प.ह.नं-31 रा.नि.मं.-सुकुलदैहान, तहसील व जिला राजनांदगांव के भूमिधारी/ आवेदक गोविंद पिता आरती दास सतनामी, वर्ग-अनुसूचित जाति, जाति-सतनामी, निवासी ग्राम बोरी, तहसील व जिला राजनांदगांव द्वारा ग्राम-बोरी, प.ह.नं.-31 रा.नि.मं.-सुकुलदैहान तहसील व जिला राजनांदगांव स्थित नीचे वर्णित सूची में दर्शित भूमि का छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 178 के तहत खाता विभाजन किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। अतः निम्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट खाते में स्थित वाद भूमि का बंटवारा किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है तथा क्योंकि उक्त खाते का बंटवारा किया जाना प्रस्तावित किया गया है. जिसकी सुनवाई दिनांक 30/08/2024 को स्थान-तहसील कार्यालय राजनांदगांव (कक्ष क्रमांक-07) पर 11:00 बजे नियत किया गया है। उक्त में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वे निश्चित सुनवाई दिनांक को या तो स्वयं या किसी अधिवक्ता अथवा मान्य अभिकर्ता द्वारा उपस्थित हो तथा अपनी आपत्तियों यदि कोई हो तो प्रस्तुत करें।

स.क्रं.	भूमि खाता क्रमांक	सर्वेक्षण अंक भूखण्ड क्रमांक	क्षेत्रफल	लगान
01	बी-1 खाता क्रं-347	खसरा नं. 353/2, 720/7, 720/8, कुल खसरा नं. 03	रकबा क्रमशः 0.336 हे., 0.684 हे., 0.409 हे. कुल रकबा 1.429 हे.	लगान 2.00 रू.

जारी दिनांकः-10/06/2024
सुनवाई दिनांकः-30/08/2024
नायब तहसीलदार, राजनांदगांव (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार राजनांदगांव जिला राजनांदगांव (छ.ग.)

// उद्घोषणा // रा.मा.क्रं. 202406090400011 अ/27 वर्ष 2023-24

क्योंकि मौजा/ग्राम बोरी, प.ह.नं.-31 रा.नि.मं. सुकुलदैहान, तहसील व जिला राजनांदगांव के भूमिधारी /आवेदक आरती दास पिता सीताराम सतनामी, वर्ग-अनुसूचित जाति, जाति-सतनामी, निवासी ग्राम बोरी, तहसील व जिला राजनांदगांव द्वारा ग्राम-बोरी, प.ह.नं.-31 रा.नि.मं-सुकुलदैहान तहसील व जिला राजनांदगांव स्थित नीचे वर्णित सूची में दर्शित भूमि का छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 178 के तहत् खाता विभाजन किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। अतः निम्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट खाते में स्थित वाद भूमि का बंटवारा किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है तथा क्योंकि उक्त खाते का बंटवारा किया जाना प्रस्तावित किया गया है. जिसकी सुनवाई दिनांक 30/08/2024 को स्थान-तहसील कार्यालय राजनांदगांव (कक्ष क्रमांक-07) पर 11 बजे नियत किया गया है। उक्त में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वे निश्चित सुनवाई दिनांक को या तो स्वयं या किसी अधिवक्ता अथवा मान्य अभिकर्ता द्वारा उपस्थित हो तथा अपनी आपत्तियाँ यदि कोई हो तो प्रस्तुत करें।

स.क्रं.	भूमि खाता क्रमांक	सर्वेक्षण अंक भूखण्ड क्रमांक	क्षेत्रफल	लगान
01	बी-1 खाता क्रं- 112	खसरा नं. 356/4, 390/4, 392/1, 596/11, 720/5 कुल खसरा नं. 05	रकबा क्रमशः 0.279 हे., 0.432 हे., 0.258 हे., 0.267 हे., 0.469 हे., कुल रकबा 1.705 हे.	लगान 3.00 रू.

जारी दिनांकः- 10/06/2024.
सुनवाई दिनांकः- 30/08/2024.
नायब तहसीलदार, राजनांदगांव (छ.ग.)

dts श्री कृष्णा (एयरकुल) में
रोजाना 4 खेलों में
समय : 12,3, 6 व 9 बजे रात्रि
बाल्कनी की एडवांस बुकिंग प्रारंभ है।
मोहन सुन्दरानी प्रस्तुत
का इही ला कइथे मया
छत्तीसगढ़ी भाषा में
कलाकार - मन कुरैशी ईशिका यादव, हेमलाल कौशल, पुष्पेन्द्र सिंह, प्रदीप शर्मा, उपासना वैष्णव आदि
पारिवारिक, सुमधुर गीत एवं संगीत से परिपूर्ण

ऑनलाईन बुकिंग paytm & bookmyshow.com

सेबी की निष्पक्षता और पारदर्शिता जरूरी : टीएस सिंहदेव

अंबिकापुर (दावा)। पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा कि सेबी की निष्पक्षता व पारदर्शिता बेहद जरूरी है।यह आरोप किसी व्यक्ति पर नहीं बल्कि व्यवस्था पर है। आम नागरिकों का पैसा शेयर मार्केट में होता है, ऐसे में सेबी यदि निष्पक्ष नहीं तो नागरिकों का पैसा डूब सकता है। निवेश करने वाले सेबी का हिस्सा नहीं हो सकते किंतु यहां देश की एक बड़ी कंपनी में काम करने वाले लोग सेबी के अधिकारी और सदस्य बन गए। इससे पारदर्शिता और निष्पक्षता प्रभावित हुई है। आने वाले दिनों में शेयर बाजार भी गिर सकता है, इसका अंदेशा है।

कांग्रेस ने सेबी में पारदर्शिता लाने इसकी जांच के लिए जेपीसी (संयुक्त संसदीय कमेटी) गठित करने की मांग कर रही है।इसको लेकर 22 अगस्त को देश के ईडी कार्यालयों का कांग्रेस घेराव करने जा रही है। उन्होंने कहा कि हर मामले में ईडी संज्ञान ले जांच के लिए आगे आती है किंतु सेबी के इतने बड़े मामले को लेकर अभी तक कोई संज्ञान नहीं लिया। सेबी की जांच भी काफी धीमी रही। सेबी ने स्वीकार किया है कि एक दीवार का मजबूत हिस्सा हमारे सामने जांच में है।अब यह मजबूत दीवार कौन है, सभी समझ सकते हैं। सिंहदेव बुधवार को जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजीव भवन में प्रेसवार्ता को संबोधित कर रहे थे।

पूर्व उपमुख्यमंत्री सिंहदेव ने आगे कहा कि नियमों को शिथिल कर 75 प्रतिशत से अधिक की राशि शेयर में लगाई गई जबकि बड़ी कंपनियों के लिए नियम है कि 75 प्रतिशत से अधिक राशि शेयर मार्केट में नहीं लगाई जा सकती। इसी मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सेबी को जांच करने कहा था किंतु एक दीवार ने जांच को ही प्रभावित किया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जिस बड़ी कंपनी की इन दिनों चर्चा है वह भी बेहद चौंकाने वाली है, जिस कंपनी के चार्टर्ड एकाउंटेंट को हिसाब किताब निष्पक्ष रखने की जिम्मेदारी थी वही चार्टर्ड एकाउंटेंट का निवास उस कंपनी का पता ठिकाना है, यह कैसे हो सकता है। उन्होंने कहा कि किसी कंपनी में निवेश करने वाला सेबी का हिस्सा नहीं हो सकता पर यहां ऐसा दिख रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि किसी भी कंपनी का 10 साल में 24 गुना धन कैसे बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि सेबी की निष्पक्षता और पारदर्शिता को समाप्त कर दिया गया। विडंबना तो यह है कि सेबी के चेयरपर्सन को देश की बड़ी कंपनी में काम करने का आफर था। सेबी में अबतक भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी चेयरमैन होते थे किंतु वर्तमान में जिन्हें बैठाया गया वह शेयर मार्केट की जानकारी होने के कारण हैं। प्रेस वार्ता के दौरान महापौर डा अजय तिर्की, सभापति अजय अग्रवाल, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शफी अहमद, डॉ. जेपी श्रीवास्तव, कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता, पीसीसी महासचिव द्वितेंद्र मिश्रा, हेमंत तिवारी, हेमंत सिन्हा, अनूप मेहता उपस्थित रहे।

विधायक देवेंद्र यादव की गिरफ्तारी का विरोध 24 को

रायपुर। बलौदाबाजार हिंसा मामले में भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया गया है। शनिवार को दिनभर के हाईवोल्टेज सियासी ड्रामे के बाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। 24 अगस्त को कांग्रेस प्रदेशव्यापी प्रदर्शन करने जा रही है। प्रदर्शन के पहले कांग्रेस सभी जिलों में प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगी। जिसके लिए बाकायदा सभी जिलों में लगाई नेताओं की ड्यूटी लगाई गई है। राजधानी रायपुर में सत्यनारायण शर्मा, धनेंद्र साहू और शिव डहरिया प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करेंगे। राजनांदगांव में विधायक दलेश्वर साहू प्रेस कॉन्फ्रेंस लेंगे।

रॉयल किड्स कान्वेंट में छात्रों को स्वावलंबी व आत्मनिर्भर बनाने हेतु कार्यक्रम

राजनांदगांव (दावा)। गुणवत्ता युक्त शिक्षण संस्थान रॉयल किड्स कान्वेंट में दिनांक 21 अगस्त को शहर के प्रसिद्ध जिला समन्वयक राकेश ठाकुर, जिला संयोजक राजकुमार शर्मा, प्रांत समन्वयक जगदीश पटेल, उपाध्यक्ष अशोक चौधरी द्वारा शाला के छात्रों को उद्यमिता दिवस की जानकारी दी गई।

सर्वप्रथम अतिथियों का स्वागत कर मां सरस्वती की पूजा व पापा जी एलएसबी सिंह और सोसाइटी के संस्थापक डॉ. जे बी सिंह सर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए किया गया। कार्यक्रम प्रभारी सुश्री तृप्ति मेश्राम कार्यक्रम की संयोजिका सुश्री पूजा खंडेलवाल ने शाला के विजनरी फाउंडर डॉ. जेबी सिंह की स्मृति में 2 मिनट का मौन रखकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को स्वावलंबी भारत अभियान की जानकारी देना है, स्वावलंबी भारत अभियान के तहत रॉयल किड्स कान्वेंट में यह कार्यशाला आयोजित कर छात्रों को स्टार्टअप और एंटरप्रेन्योरशिप के बारे में जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में छात्रों को अपने स्टार्टअप शुरू करने के लिए प्रेरित किया गया जिससे आने वाले समय में विद्यार्थियों के समक्ष रोजगार की बड़ी चुनौतियों के महत्व को जाने समझे और अमल करें, इस जागरूकता को बढ़ाना है। इसी कड़ी में रॉयल किड्स कान्वेंट के ही विभिन्न छात्र-छात्राओं के द्वारा शुरू किए गए स्टार्टअप का उदाहरण दिया गया जिसमें वे देश के विभिन्न बड़े शहरों में अपने उच्च प्रतिष्ठित व्यवसायों में तथा मल्टीनेशनल कंपनी में अपनी सेवाओं को विदेशों में भी प्रदान कर रहे हैं।

इसी कड़ी में शाला की अध्यक्षा डॉ. सविता जेबी सिंह, निदेशक संजय बहादुर सिंह, उपाध्यक्ष अशोक चौधरी, सावंत बहादुर सिंह, जन्मेजय बहादुर सिंह, श्रेयांश बहादुर सिंह, अकेडमिक डायरेक्टर अभिषेक खंडेलवाल, सीबीएसई प्राचार्य एकता खंडेलवाल, प्राचार्य सुषमा शुक्ला, उप प्राचार्य सुश्री ममता मिश्रा एवं सभी शिक्षकों ने अतिथियों को धन्यवाद देते हुए छात्रों को अपने समय एवं श्रम का महत्व समझने का आशीर्वाद दिया।

महाकाल यात्रा में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने की फूलों की बारिश

मो. इरफान शेख ने संस्कारधानी की गंगा जमुनी तहजीब फिर पेश की मिसाल

राजनांदगांव (दावा)। इस शहर का नाम यूं ही संस्कारधानी नहीं पड़ा है। यहां जाति धर्म से परे और मानवता की सेवा लोग तन मन धन से काम करते हैं। इसी कड़ी में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने महाकाल शोभा यात्रा पर जिला अध्यक्ष मोहम्मद इरफान शेख के नेतृत्व में गुलाब की पंखुड़ियां सहित अन्य फूल बरसा कर स्वागत किया। इससे बड़ी संख्या में महाकाल यात्री गदगद हो गए। उन्होंने पुष्प वर्षा करने वाले भाजपा पर अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारी सहित सभी सदस्यों को हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया।

ज्ञातव्य है कि भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष भाई मो इरफ़ान शेख के नेतृत्व में मोर्चा द्वारा 19 अगस्त को सावन के महापर्व के अंतिम सोमवार को महाकाल भक्तों द्वारा निकाली गयी महाकाल यात्रा में पंडाल लगाकर पुष्प वर्षाकर यात्रा का स्वागत किया गया। महाकाल यात्रियों पर फूलों की बारिश करने वालों में जिला अध्यक्ष मोहम्मद इरफान शेख सहित पूर्व राज्यमंत्री श्री नीलू शर्मा, प्रदेश मंत्री रफीक खान, ज़हीर अब्बास जिला महामंत्री अल्पसंख्यक मोर्चा, प्रदेश उपाध्यक्ष हैरी जोसेफ, असलम खान, मंडल अध्यक्ष नदीम बड़गुजर, सलीम खान, नासिर खान, मुस्ताक खान, भुरू बड़गुजर, आजु सोलंकी, अहमद खान, वसीम खान, अरशद खान, बबलू साहू, राहुल भोईर आदि उपस्थित थे।

उदयाचल में 7 दिवसीय एक्युप्रेशर शिविर

29 अगस्त से 4 सितंबर तक होगा शिविर

राजनांदगांव (दावा)। समाजसेवी संस्था उदयाचल महिला मंडल द्वारा बालाघाट, महासमुंद, बागबाहरा, दुर्ग, रायपुर, भाटापारा की आपार सफलता के बाद जनता की मांग पर अब अपने शहर राजनांदगांव में 7 दिवसीय एक्युप्रेशर शिविर जोधपुर के प्रसिद्ध एक्युप्रेशर विशेषज्ञों द्वारा राजनांदगांव के उदयाचल परिसर में दिनांक 29 अगस्त से 04 सितम्बर 2024 तक 7 दिवसीय एक्युप्रेशर चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में जोडों का दर्द, सिर दर्द, हार्ट, बी.पी., लकवा, बवासीर आदि समस्त प्रकार का इलाज बिना दवाई के एक्यूप्रेशर द्वारा किया जावेगा। रजिस्ट्रेशन उदयाचल रूम नं. 10 नेत्र चिकित्सालय में किया जा रहा है। 7 दिनों का फीस मात्र 100 रु. रखा गया है। सीमित लोगों की जांच व्यवस्था होने के कारण अग्रिम पंजीयन अवश्य करायें ताकि होने वाली असुविधा से बचा जा सके। उक्त जानकारी उदयाचल प्रचार प्रसार प्रभारी ने दी है।

वेस्ट जोन नेशनल कराटे प्रतियोगिता में राजनांदगांव ने मेडल प्राप्त किया

राजनांदगांव (दावा)। इंदौर, मध्यप्रदेश के बास्केटबाल इंदौर स्टेडियम में 16 से 18 अगस्त तक हुए वेस्ट जोन नेशनल कराटे टूर्नामेन्ट में अपने शहर राजनांदगांव कराटे अकादमी कराटे स्कूल ममता नगर एवं राजनांदगांव अकादमी ऑफ मार्शल आर्ट के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया व शानदार प्रदर्शन कर मेडल हासिल किये जिसमें कबीर साहू गोल्ड मेडल, दीपांशु सिन्हा सिल्वर मेडल, आराध्य दुबे सिल्वर मेडल, तरूण साहू सिल्वर मेडल, गीत मोटवानी ब्राउंज मेडल, अर्जुन सोनी ब्राउंज मेडल, मोनिका पाधि ब्राउंज मेडल, दुर्गेश साहू ब्राउंज मेडल, टिकेश्वर साहू ब्राउंज मेडल अर्जित किया व काजल यादव, आदित्य देवांगन, अपूर्वा नाथ व अन्य सभी खिलाड़ियों ने सराहनीय प्रदर्शन किया। उक्त सभी खिलाड़ियों को राजनांदगांव जिला कराटे संघ के अध्यक्ष नीलू शर्मा, उपाध्यक्ष सेनसाई, कमल पूजन व सचिव हेंसाई, मुरली भारद्वाज जीत की बधाई व आशीर्वाद तथा शुभकामनाएं दी।

दिव्यांगजनों को निःशुल्क सहायक उपकरण व कैलीपर्स एवं कृत्रिम अंग प्रदान करने शिविर का आयोजन

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर संजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में इंडियन रेलवे फाईनेंस कार्पोरेशन योजना अंतर्गत दिव्यांगजनों को निःशुल्क सहायक उपकरण व कैलीपर्स एवं कृत्रिम अंग प्रदान करने के लिए जनपद पंचायतवार सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक मूल्यांकन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत जनपद पंचायत भवन छुरिया में बुधवार 21 अगस्त 2024 को आयोजित मूल्यांकन शिविर में 66 हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। इसी तरह जनपद पंचायत भवन डोंगरगढ़ में गुरूवार 22 अगस्त 2024 को आयोजित मूल्यांकन शिविर में 98, जनपद पंचायत भवन डोंगरगांव में शुक्रवार 23 अगस्त 2024 को आयोजित मूल्यांकन शिविर में 117 एवं संयुक्त जिला कार्यालय भवन राजनांदगांव में आयोजित मूल्यांकन शिविर में 71 हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाएगा।

भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम जबलपुर के तकनीकी दल द्वारा मूल्यांकन व चिन्हांकन का कार्य किया जा रहा है। जिसके लिए हितग्राहियों को 40 प्रतिशत अथवा 40 प्रतिशत से अधिक चिकित्सा प्रमाण पत्र (यूडीआईडी), आय प्रमाण पत्र 15000 रूपए मासिक सहायक अथवा परिवार का सम्मिलित आय प्रति माह 20000 अधिक का न हो का आय प्रमाण पत्र (वार्षिक आय 250000 रूपए से कम हो का प्रमाण पत्र), पहचान पत्र जैसे आधार कार्ड, बीपीएल कार्ड, राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र एवं दो पासपोर्ट साईज फोटो जिसमें दिव्यांगता (दर्शित) दिखता हो, के साथ उपस्थित होना होगा।

श्रद्धा सुमन अर्पित ...

राजनंदगांव (दावा)। शहीद स्मारक स्थल पहुंच कर शौर्य चक्र विभूषित भाई श्री पूर्णानंद साहू (ग्राम जंगलपुर) को रक्षाबंधन पर्व पर राखी बांधकर श्रद्धा सुमन अर्पित करती बहिनें।

आरोपी बोला- खुद को गोली मारने दिए पैसे व ज्वेलरी, 3 पिस्टल व कारतूस जब्त

अंबिकापुर। शहर के मनेंद्रगढ़ मार्ग स्थित होंडा शो-रूम के पीछे सुभाषनगर निवासी करीब 25 वर्षीय एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। उसकी लाश शहर से लगे चठिरमा जंगल में कार के भीतर मिली। इस मामले में पुलिस ने संदिग्ध एक युवक को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने युवक को गोली मारने की बात स्वीकार की है। उसकी निशानदेही पर ही पुलिस को युवक का शव जंगल से बरामद करने में सफलता मिली है। पुलिस युवक से पूछताछ कर रही है, लेकिन वह पुलिस को गुमराह करता दिखा। उसने बताया कि अक्षत ने खुद को गोली मारने उसे पैसे व ज्वेलरी दिए थे।

पुलिस ने संदेह के आधार पर भगवानपुर निवासी जमीन कारोबारी भानू बंगाली नामक एक युवक को बुधवार की सुबह उसके घर से उठाया। वह उस वक्त सो रहा था। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने अक्षत अग्रवाल का शव चठिरमा जंगल स्थित उसकी ही कार के भीतर से बरामद किया। युवक ने हत्या करने की बात स्वीकार की है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

घटना की सूचना मिलते ही बुधवार की सुबह 8 बजे सरगुजा एसपी योगेश पटेल, सीएसपी के अलावा गांधीनगर टीआई प्रदीप जायवाल, फॉरेंसिक एक्सपर्ट कुलदीप कुजूर व डॉग स्क्वायड की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने मामले की जांच शुर कर दी है। बताया जा रहा है कि युवक के पास से 500-500 के करीब 100 नोट व ज्वेलरी मिले हैं। आरोपी के पास से बरामद सोने की चेन अक्षत के हैं।

आरोपी भानू बंगाली के पास से पुलिस ने 3 महंगी पिस्टल व जिंदा कारतूस भी बरामद किया है। ये पिस्टल उसके पास कहां से आए, इसकी पूछताछ भी पुलिस उससे कर रही है। सूत्रों के अनुसार पुलिस की अब तक की गई पूछताछ आरोपी ने बताया है कि अक्षत ने उसे खुद को गोली मारने के लिए 50 हजार रुपए व ज्वेलरी दी थी। इसके बाद उसने उसे गोली मार दी थी।

मृतक के शो-रूम में रह चुका है कर्मचारी

आरोपी संजीव मंडल उर्फ भानू बंगाली जमीन का ब्रोकर भी है। वह पूर्व में अक्षत अग्रवाल के अंबिका स्टील स्थित शो-रूम में कर्मचारी था। आरोपी ने बताया कि अक्षत अग्रवाल से उसने 50 हजार रुपए उधार लिए थे। उसे ही मांगने वह उसके पास आया था। यहां उसने रुपए व ज्वेलरी देकर उसे गोली मारने कहा।

बलदेव प्रसाद माध्यमिक शाला में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत हुआ पौधरोपण

शक्ति केंद्र प्रभारी कमल सोनी ने पौधों को जीवित रखने का लिया संकल्प

राजनांदगांव (दावा)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस की अपील पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में प्रदेश में ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान की शुरुआत की गई है। इसी तारतम्य में आज 21 अगस्त को बलदेव प्रसाद माध्यमिक शाला बसंतपुर दक्षिण मंडल में शक्ति केंद्र प्रभारी कमल सोनी ने पौधारोपण किया। श्री सोनी ने कहा कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य वर्तमान समय में बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग से निजात पाना एवं इस धारा के भविष्य को सुरक्षित रखना है। इसलिए आप सभी इस अभियान का हिस्सा बनें। अपने घर-आँगन, खेत में अपनी माता जी के साथ या माता जी की स्मृति में पौधा लगाते हुए अपनी तस्वीर लें। इस तस्वीर पर ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ प्रोफाइल पिक्चर फ्रेम लगाकर सोशल मीडिया पर डिस्प्ले के रूप में लगाएं।

श्री सोनी ने आगे कहा कि इस अभियान में अधिक से अधिक लोग शामिल होकर छत्तीसगढ़ को हरा भरा बनाने में अपना अमूल्य योगदान दें। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत आप सभी पौधारोपण करें। साथ ही पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन को बढ़ाने हेतु पौधों को जीवित रखने का संकल्प ले। इस दौरान शक्ति केंद्र प्रभारी कमल सोनी के साथ शाला परिवार सहित दक्षिण मंडल अध्यक्ष तरुण लहरवानी, जन भागीदारी अध्यक्ष शेखर यादव, पार्षद खेमिन राजेश यादव एवं बड़ी संख्या में स्कूल के छात्र-छात्राएं मुख्य रूप से उपस्थित थे।

पुलिस ने छेड़खानी के आरोपी को किया गिरफ्तार

राजनांदगांव (दावा)। बसंतपुर पुलिस ने अपने थाना क्षेत्र के पीड़िता के साथ छेड़छाड़ करने वाले आरोपी को धरदबोचा है और उसे जेल की सीखचों के पीछे भेज दिया है। आरोपी का नाम सन्नी यादव पिता सूरज यादव उम्र 25 वर्ष निवासी नंदई चौक वार्ड नं. 48 यादव पारा बताया जाता है।

बसंतपुर थाना प्रभारी सत्यनारायण देवांगन ने बताया कि उक्त घटना की पीड़िता प्रार्थियां ने थाने आकर लिखित शिकायत पेश की थी कि गत 19 अगस्त की रात्रि 7 बजे करीबन सन्नी यादव इनके ठेले में आया और बड़ा लिया, पैसा नहीं दिया जिस पर उससे बड़े की पैसे की मांगी की गई, तब वह गंदी नियत से उसे अपशब्द बोला और हाथ पकड़कर अपनी ओर खींचा। प्रार्थियां द्वारा हाथ को छुड़ाकर अपशब्द बोलने से मना किया तो वह अपनी ओर खींच के नीचे पटककर मारपीट करने लगा और उसका गला भी पकड़ लिया। मारपीट करने से दाहिने हाथ में चोंट आयी है। प्रार्थियां के उक्त रिपोर्ट पर आरोपी सन्नी यादव को तलाश कर तथा उसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा दिया गया है।

कलेक्टर ने निर्माण एजेंसियों की बैठक लेकर स्वीकृति एवं प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा की

संबंधित एजेंसियों के अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आज जिला पंचायत सभाकक्ष में निर्माण एजेंसियों की बैठक लेकर स्वीकृति, प्रगतिरत एवं अप्रारंभ कार्यों की विस्तार से समीक्षा की और संबंधित एजेंसियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक के दौरान कलेक्टर ने मनरेगा, मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना, जिला खनिज न्यास से संपादित होने वाले पूर्व एवं वर्तमान वित्तीय वर्ष के समस्त स्वीकृत कार्यों के प्रगति के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि स्कूल जतन योजना के तहत विभिन्न मदों में स्वीकृत कार्यों को शीघ्र पूरा करें। उन्होंने समग्र शिक्षा के तहत स्वीकृत कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कहा कि विद्यालयों में बच्चों को अध्ययन के लिए जितने बेहतर सुविधा हो सकती है, उन्हें उपलब्ध कराएं। इसके तहत छोटे-छोटे विभिन्न कार्य जैसे दिवाल निर्माण, फर्श निर्माण और अन्य कार्य स्वीकृत किए गए हैं, उन्हें तत्काल पूरा करें, इन सभी निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ पूरा करें। इसके अलावा विद्यालयों में रिनोवेशन से संबंधित किसी भी प्रकार के कार्यों को उनके प्राकलन तत्काल तैयार कर जिला कार्यालय को प्रेषित करें।

बैठक में समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने कहा कि विद्यालयों में शौचालय मरम्मत, फ्लोरिंग के कार्य एवं अन्य कार्यों को स्वीकृत किया गया है, इन कार्यों को समय पर पूरा करें। उन्होंने यह भी कहा कि मार्च 2023 तक जितने भी कार्य स्वीकृत किए गए हैं और प्रगतिरत है, उन्हें हर हालत में पूरा कर लिया जाए। इस दौरान श्री अग्रवाल ने निर्माण एजेंसियों से कहा कि वे कार्यों के प्रस्ताव बनाकर भेजते समय मौके पर पहुंचकर उनके प्राक्लन तैयार करें। इससे कार्यों को पूरा करने में आसानी होगी और कार्य समय पर पूर्ण हो सकेंगे। विभिन्न निर्माण एजेंसियों द्वारा अधोसंरचना, विधायक निधि, सांसद निधि, खनिज न्यास, मनरेगा के तहत स्वीकृत कार्यों को शीघ्र पूरा करने के साथ उनके फोटोग्राफर्स एवं यूसीसी तत्काल भेंजे। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ सुश्री सुरूचि सिंह सहित निर्माण एजेंसियों के अधिकारीगण उपस्थित थे।

सदस्यता अभियान को लेकर आज जिला भाजपा की बैठक

राजनांदगांव (दावा)। भाजपा आने वाले समय में पूरे देश-प्रदेश व जिले में सदस्यता का व्यापक अभियान चलाने वाली है। इस अभियान में पार्टी नये सदस्य बनाने का कार्य करेगी इसके लिये दिनांक 20 अगस्त को प्रदेश भाजपा की एक बड़ी बैठक कुशाभाऊ ठाकरे परिसर रायपुर में हुई है, जिसमें पार्टी के सदस्यता अभियान को गति प्रदान करने के लिये जिला भाजपा अध्यक्ष रमेश पटेल सहित बैठक में शामिल अन्य नेताओं को दिशा-निर्देश मिला है, इसी आधार पर आज दिनांक 22 अगस्त को जिला भाजपा कार्यालय में जिले की एक बड़ी बैठक आयोजित की गई है।

भाजपा मीडिया सेल द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जिला भाजपा अध्यक्ष रमेश पटेल, जिला भाजपा के महामंत्री द्वय राजेन्द्र गोलछा व रविन्द्र वैष्णव ने बताया कि सदस्यता अभियान को लेकर मंडल स्तर पर प्रभारी नियुक्त किये जा रहे है, जिले के बैठक के बाद इस अभियान को लेकर मंडल स्तर पर बैठकें की जाएगी ताकि कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर जाकर पार्टी के लिये नये सदस्य बना सकें। इसे लेकर जिला भाजपा की बैठक कल दिनांक 22 अगस्त को सुबह 11:00 बजे पार्टी कार्यालय जी.ई.रोड में आयोजित की गई है। इस बैठक में प्रदेश भाजपा की ओर से मार्गदर्शन करने के लिये महासमुंद के पूर्व सांसद चंदूलाल साहू उपस्थित रहेंगें।

अनमोल दावा

> इतिहास कहता है कि कल सुख था,
> विज्ञान कहता है कि कल सुख होगा,
> लेकिन धर्म कहता है, अगर मन सच्चा और
> दिल अच्छा हो तो हर रोज सुख होगा।

लेटरल एंट्री भर्ती को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच सियासत, यूपीएससी ने रद्द किया नोटिफिकेशन

मंत्रालयों में सीधी भर्ती का प्रावधान इसलिए किया गया था कि इस तरह निजी क्षेत्रों या दूसरे संस्थानों में काम कर रहे विशेषज्ञों की सेवाएं ली जा सकें। पहले भी सीधी भर्तियां होती रही हैं।

विभिन्न मंत्रालयों में सचिव, उपसचिव और निदेशक के लिए सीधी भर्ती यानी 'लेटरल एंट्री' को आखिरकार सरकार ने रोक दिया है। पिछले हफ्ते चौबीस मंत्रालयों में ऐसे पैंतालीस पदों पर भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग ने विज्ञापन निकाला था, जिसे उसने अब रद्द कर दिया है। विपक्ष ने आरोप लगाया था कि सरकार इस तरह अपने पसंदीदा लोगों को भर्ती करना चाहती है। इससे अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े समुदाय के लोगों के लिए संविधान में मिले आरक्षण के प्रावधान का उल्लंघन होगा। इस मसले पर सरकार के सहयोगी दलों ने भी विरोध में आवाज उठानी शुरू कर दी थी।

दो दिन तक इसके अलग-अलग पक्षों पर खूब बहस हुई। अब सरकार ने यूपीएससी को पत्र लिख कर कहा है कि इन भर्तियों में भी सामाजिक न्यायका ध्यान रखा जाना जरूरी है। जाहिर है, इसे विपक्ष अपनी विजय के रूप में रेखांकित कर रहा है, मगर हकीकत यह है इसे सत्तापक्ष की पराजय नहीं कहा जा सकता। सत्तापक्ष ने केवल पैंतरा बदला है। यूपीएससी को लिखी कार्मिक मंत्रालय की चिट्ठी से जाहिर है कि सीधी भर्तियां तो होंगी, मगर आरक्षण का ध्यान रखते हुए। ऐसे में इस सवाल का जवाब शायद ही मिल पाए कि आखिर मंत्रालयों में इतने बड़े पैमाने पर बाहर के लोगों की सीधी भर्ती का औचित्य क्या है!

मंत्रालयों में सीधी भर्ती का प्रावधान इसलिए किया गया था कि इस तरह निजी क्षेत्रों या दूसरे संस्थानों में काम कर रहे विशेषज्ञों की सेवाएं ली जा सकें। पहले भी सीधी भर्तियां होती रही हैं। ऐसे लोगों को तीन से पांच वर्ष तक की अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति या तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है। अब बदलती जरूरतों के मुताबिक अनेक क्षेत्रों में तकनीकी विशेषज्ञता की दरकार बढ़ी है। इसी तर्क पर नई भर्तियां विज्ञापित की गई थीं। मगर इन्हें लेकर विवाद इसलिए भी उठा कि पहले ही विभिन्न मंत्रालयों में अनेक सीधी भर्तियां की जा चुकी हैं। सीधी भर्ती का अर्थ यह नहीं माना जाना चाहिए कि नियमित आधार पर भर्ती लोगों की योग्यता को नजरअंदाज कर दिया जाए। मंत्रालयों का कामकाज नौकरशाही के बल पर ही चलता है और उसमें विभिन्न अनुशासनों के लोग होते हैं। तकनीकी क्षेत्रों के लोगों की भी उसमें कमी नहीं है। फिर, बदलती जरूरतों के मुताबिक इन अधिकारियों को कौशल विकास के लिए विदेशों में भेज कर प्रशिक्षण भी दिया जाता है। ऐसे में बड़ी तादाद में बाहर से लोगों को लाने पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

सीधी भर्तियों के मामले में स्वाभाविक रूप से यह आरोप लगाना आसान हो जाता है कि ऐसे लोग प्राय: सरकार की इच्छा के अनुरूप ही काम करते हैं। फिर, ऊंचे पदों पर बाहर से लोगों को लाने की वजह से नियमित प्रशासनिक अधिकारियों की पदोन्नति के अवसर काफी सिकुड़ जाते हैं। हर नौकरशाह चाहता है कि वह मंत्रालयों में अपनी सेवाएं दे, मगर सीधी भर्ती से लोगों को लिए जाने के कारण उन्हें वह मौका नहीं मिल पाता। इस बात को लेकर भी प्रशासनिक अधिकारियों में असंतोष देखा जाता है। कई महत्त्वपूर्ण विभागों में सचिव स्तर पर पदोन्नति के बजाय लंबा कार्य विस्तार देखा जाने लगा है। अच्छी बात है कि सरकार ने सीधी भर्ती की प्रक्रिया पर विराम लगा दिया है, मगर उससे ठहर कर इस पर भी विचार करने की अपेक्षा की जाती है कि नियमित प्रशासनिक अधिकारियों की योग्यता और अपेक्षाओं का पारदर्शिता के साथ मूल्यांकन हो।

कोलकाता रेप-मर्डर केस : सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर पुलिस पर क्यों उठ रहे हैं सवाल?

सलमान रावी

कोलकाता रेप और मर्डर केस को लेकर पूरे देश में विरोध प्रदर्शनों का दौर जारी है. सीबीआई मामले की जाँच कर रही है. प्रदेश में विपक्षी पार्टियाँ ममता बनर्जी की सरकार को घेर रही हैं, तो सुप्रीम कोर्ट ने भी इस मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए सख़्त टिप्पणी की है.लेकिन इस सबके बीच सोशल मीडिया पर भी आरोप प्रत्यारोप जारी है और दावे-प्रतिदावे किए जा रहे हैं.सोशल मीडिया में फैल रही ख़बरों और बयानों का संज्ञान लेते हुए कोलकाता की पुलिस ने अब तक 280 लोगों को नोटिस भेजा है, जबकि एक छात्रा को गिरफ़्तार भी किया गया था.

हालांकि छात्रा को बाद में ज़मानत मिल गई. जिन्हें कोलकाता पुलिस ने नोटिस भेजा है, उनमें सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद से लेकर वरिष्ठ हृदय विशेषज्ञ, छात्र, सिविल सोसाइटी के लोग, विभिन्न राजनीतिक दलों से जुड़े लोग और आम लोग भी शामिल हैं.नोटिस के बाद तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद सुखेंदु शेखर रॉय ने कोलकाता हाई कोर्ट में अग्रिम ज़मानत की याचिका भी दायर की है.कोलकाता पुलिस की जनसंपर्क शाखा से जुड़े एक अधिकारी का कहना है कि सोशल मीडिया साइट एक्स से लेकर इंस्टाग्राम और फेसबुक के साथ-साथ यूट्यूब पर जिन लोगों ने आपत्तिजनकपोस्ट डाली हैं, सिर्फ़ उन्हीं को नोटिस भेजे गए हैं.

उनका कहना था कि जिन लोगों ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल की मृतक छात्रा की तस्वीर और नाम साझा किए हैं, उनको भी नोटिस दी गई हैं. इसके अलावा पोस्टमार्टम की रिपोर्ट को सार्वजनिक करने से लेकर उसकी ग़लत व्याख्या करने वालों को भी नोटिस भेजे गए हैं.

ये नोटिस कोलकाता पुलिस की साइबर अपराध शाखा के उपायुक्त की ओर से भेजे गए हैं.जिन्हें नोटिस भेजे गए हैं, उन्हें या तो अपनी पोस्ट हटाने के निर्देश दिए गए हैं या फिर साइबर थाने में उपस्थित होने को कहा गया है. सुखेंदु शेखर रॉय ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर अपनी पोस्ट में लिखा था, सीबीआई को चाहिए कि वह कोलकाता पुलिस के कमिश्नर विनीत कुमार गोयल और मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल को हिरासत में लेकर पूछताछ करे.उन्होंने ये भी लिखा था, घटना के तीन दिनों तक कोलकाता पुलिस के खोजी कुत्तों को घटनास्थल पर नहीं लाया गया था.पुलिस ने इन आरोपों का खंडन किया था और कहा था कि पुलिस ने

प्रारंभिक जाँच में कोई कोताही नहीं बरती है.दूसरी ओर टीएमसी सांसद सुखेंदु शेखर रॉय का कहना था कि अगर किसी भी आम नागरिक को लगता है कि उसे पुलिस बिना बात के परेशान कर रही है, तो वह अदालत का दरवाज़ा खटखटा सकता है.ऐसा नोटिस भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद लॉकेट चटर्जी को भी भेजा गया है.वहीं, शहर के साल्ट लेक के इलाक़े की रहने वाली एक छात्रा पर आरोप है कि उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के ख़िलाफ़ हिंसा भड़काने वाली पोस्ट लिखी थी.छात्रा को गिरफ़्तार भी किया गया और बाद में एक हज़ार रुपए के निजी मुचलके पर ज़मानत दे दी गई. तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता तौसीफ़ ख़ान ने बीबीसी से बात करते हुए कहा कि जो भी सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट के ज़रिए फ़ेक न्यूज़ देकर शहर का माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहे थे, उन्हें ही नोटिस भेजे गए हैं.वो कहते हैं, चाहे वह तृणमूल कांग्रेस के नेता हों या किसी भी राजनीतिक दल के क्यों न हों, वे अगर सोशल मीडिया पर फ़ज़ी जानकारी लिखकर माहौल ख़राब करने की कोशिश कर रहे हैं, तो जवाबदेह होना पड़ेगा. इसीलिए नोटिस भेजे गए हैं.

सोमवार को जाने-माने डॉक्टर कुणाल सरकार और सुवर्ण गोस्वामी जब लाल बाज़ार स्थित कोलकाता पुलिस के मुख्यालय में पेश होने के लिए निकले, तो डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों का हुजूम उनके साथ-साथ निकला.दोनों ही डॉक्टरों ने बाद कहा कि उन्हें पुलिस ने मामूली सी बात पूछने के लिए बुलाया था.उनका कहना था, अगर मामूली बात पूछनी थी तो फिर नोटिस क्यों भेजा गया? यही हमने पुलिस के अधिकारियों से पूछा. ये बातें वह फ़ोन पर भी पूछ सकते थे. हम तो सिर्फ़ उस युवा चिकित्सक के लिए न्याय चाहते हैं. बस इतनी सी बात है.

जहाँ एक तरफ़ तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद साकेत गोखले ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखकर आरोप लगाया है कि आरजी कर की घटना के ख़िलाफ़ हो रहे प्रदर्शनों को भाजपा ने हाईजैक कर लिया है.

तो वहीं विधानसभा में विपक्ष के नेता और बीजेपी विधायक सुवेंदु अधिकारी का कहना है कि उनकी पार्टी सभी को क़ानूनी सहायता देने के लिए तैयार है.

पिछले दिनों उन्होंने कहा था कि सरकार के इशारे पर कोलकाता पुलिस दमन चक्र चला रही है.उनका कहना था, कोलकाता पुलिस हर किसी को तत्परता से नोटिस भेज रही है, उसके लिए जो उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है. इतनी तत्परता पुलिस को घटना की जाँच और आरजी कर अस्पताल की सुरक्षा के लिए दिखानी चाहिए थी.सुवेंदु अधिकारी का कहना है कि उन्होंने अपने कार्यालय में एक प्रकोष्ठ बनाया है, जहाँ पर ऐसे सभी लोगों को मुफ़्त क़ानूनी सहायता प्रदान की जाएगी जिन्हें इस तरह के नोटिस भेजे गए हैं.कोलकाता पुलिस ने सिर्फ़ कोलकाता या पश्चिम बंगाल में ही नोटिस नहीं भेजे हैं, बल्कि राजस्थान, उत्तर प्रदेश और देश के अन्य हिस्सों में रहने वाले सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को भी ऐसे नोटिस भेजे गए हैं.कोलकाता के एक अन्य मेडिकल कॉलेज की छात्रा को भी उनके सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर न सिर्फ़ नोटिस मिला है, बल्कि उनके घर पर स्थानीय थाने से भी फ़ोन आया था. नाम नहीं छापने की शर्त पर बीबीसी से बात करते हुए वे कहती हैं कि उनके घर के लोग अब डरे हुए हैं, जबकि उन्होंने सोशल मीडिया से घटना से संबंधित सभी पोस्ट को डिलीट कर दिया है.जो लोग छात्र संगठनों से जुड़े हुए हैं और जिन्हें नोटिस मिले हैं, उनके लिए तो उनके संगठन साथ खड़े हुए हैं. लेकिन जिन्होंने व्यक्तिगत हैसियत से पोस्ट किए हैं, अब वे परेशान हैं.ऐसी ही एक और छात्र से बातचीत हुई, तो उन्होंने बताया कि उन्हें ये पता ही नहीं था कि पीड़ित का नाम या तस्वीर सार्वजनिक तौर पर साझा नहीं किया जा सकता है.उनका कहना था, चूंकि सब शेयर कर रहे थे, मैं भी आहत था. इसलिए शेयर कर दिया था. अब मैंने डिलीट कर दिया है, मगर पुलिस ने डर का माहौल पैदा कर दिया है.पश्चिम बंगाल कांग्रेस कमेटी के महासचिव आशुतोष चटर्जी कहते हैं कि सबसे पहले अगर कोलकाता पुलिस के ख़िलाफ़ किसी ने अविश्वास प्रकट किया था, तो वो ख़ुद मुख्यमंत्री हैं.उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, ख़ुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा था कि सात दिनों के अंदर अगर कोलकाता पुलिस घटना की छानबीन पूरी नहीं कर लेती है तो वह ये मामला सीबीआई को सौंप देंगी. ये अविश्वास किसने जताया था? इसीलिए भी आम लोगों का विश्वास कोलकाता पुलिस में नहीं है, तो उनकी क्या गलती है?बीबीसी से बात करते हुए वो कहते हैं कि कोलकाता पुलिस को अपना घर पहले दुरुस्त करना चाहिए क्योंकि मामले का मुख्य अभियुक्त सिविल वॉलंटियर था, जो कोलकाता पुलिस के अधीन काम कर रहा था.वो कहते हैं, बिना किसी प्रशिक्षण के सिविल वॉलंटियर पुलिस में कैसे शामिल हो गए? इसका जवाब कोलकाता को सबसे पहले देना चाहिए. ये कौन लोग हैं जो सरकारी संरक्षण में वर्दी पहनकर पुलिस का काम कर रहे हैं? ये अपराध भी कर रहे हैं. पुलिस के बड़े अधिकारी खुलकर नहीं बोल पा रहे हैं लेकिन वे भी इससे क्षुब्ध हैं. मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने कोलकाता रेप और मर्डर मामले की सुनवाई के दौरान पश्चिम बंगाल सरकार और पुलिस से भी सवाल किए.मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने इस बात पर गहरी चिंता जताई कि पीड़िता का नाम, शव को दिखाने वाली तस्वीरें और वीडियो क्लिप पूरे मीडिया में फैल गई हैं.उन्होंने कहा, यह बेहद चिंताजनक है.पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने दलील दी कि पुलिस के पहुँचने से पहले ही तस्वीरें खींची गईं और प्रसारित की गईं.सुप्रीम कोर्ट ने मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल के आचरण, एफ़आईआर दर्ज करने में देरी और 14 अगस्त को सार्वजनिक विरोध प्रदर्शन के दौरान अस्पताल में हुई तोड़फोड़ पर भी राज्य से सवाल किए.कोर्ट ने एफआईआर के समय के बारे में भी सवाल किया. जिस पर कपिल सिब्बल ने कहा कि अप्राकृतिक मौत का मामला तुरंत दर्ज किया गया था.

विचार सरिता

मन में बसे हैं राम 237 भावुक हो गई माता कौशल्या को श्री राम और लक्ष्मण ने संभाला

डॉ. योगेंद्र कुमार पांडेय

श्री राम ने कहा, 'संभव है कि माता कैकेई को किसी से चर्चा का अवकाश ही न मिला हो। माता के कक्ष में आपात राजनैतिक चर्चा की स्थिति बनी होगी और फिर माता कैकेई की इच्छा का सम्मान करते हुए पिता विवश हो गए होंगे।'

क्या अब भी कोई उपाय नहीं है पुत्र? माता कौशल्या ने पूछा।

श्री राम ने उत्तर दिया, नहीं माता! मैं पिता और माता कैकेई की अनुमति लेकर ही आपसे भेंट के लिए आया हूं।

माता कौशल्या ने निराशा व्यक्त करते हुए कहा, तो इसका तात्पर्य यह है कि तुम्हारा वन जाना निश्चित है राम?

जी माता!और मुझे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि यही अयोध्या के हित में ही है। आप मुझे वन के एक बड़े राज्य का युवराज समझकर स्नेह और वात्सल्य से विदा करिए। श्री राम ने माता के सामने अनुनय करते हुए कहा।

माता कौशल्या ने प्रयत्न किया लेकिन अब वे सहज नहीं हो पाईं। भावावेश के कारण उनकी देह कांपने लगी। श्री राम ने शीघ्रता के साथ माता को संभाला। अब तक चुप रहे लक्ष्मण जी भी दौड़कर माता कौशल्या के पास पहुंचे और अपने भैया राम के साथ उन्हें सहारा देकर एक आसन पर बैठाया।

लक्ष्मण जी ने कहा, यह पूरी तरह से राजनैतिक निर्णय नहीं हो सकता है भैया! मैंने तो ऐसा कभी नहीं सुना कि एक समर्थ, सक्षम और लोकप्रिय राजकुमार को युवराज के पद से वंचित कर दिया गया हो। इसमें तो मुझे गहरा षड्यंत्र दिखाई दे रहा है।

ऐसा मत कहो अनुज! पिता महाराज और छोटी माता ने अगर विचार विमर्श के बाद इस तरह की स्थिति के सामने अपनी विवशता प्रकट की हो तो यह निश्चित है कि वनवास अयोध्या राज्य के लिए अपरिहार्य है और अब तुम्हें तथा अयोध्या के अन्य नागरिकों को प्रिय भरत के राजकाज में अपना हाथ बंटाना होगा। भरत की उचित प्रकार से सहायता करनी होगी।

क्या मुझे भी छोटी माता से इस तरह के निर्णय का उचित आधार पूछने का अधिकार नहीं है भैया? लक्ष्मण जी ने किंचित रोष से कहा।

(भगवान श्री राम की प्रेरक गाथा संस्कृत साहित्य में आदि कवि वाल्मीकि और हिंदी साहित्य में अवधी के महाकवि तुलसी से लेकर विश्व की अनेक भाषाओं की शताधिक रामायणों में लिखी गई है।लेखक ने इस रचना में श्री राम की महागाथा के विविध प्रसंगों से कथा प्रवाह की प्रेरणा प्राप्त की है।उन्होंने उन रचनाकारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए श्री राम के जीवन के विविध प्रसंगों में अनेक स्थानों पर एक साधारण भक्त की अपनी नवीन रचनात्मक कल्पनादृष्टि का भी सहारा लिया है और रामकथा की मौलिक साहित्यिक प्रस्तुति का प्रयत्न किया है।)

सू- दोकू क्र.154

	9		1	6		2		7
3								
		6					9	
7			5		1		3	
	8			9		6		2
		4					7	
	3				2	9		6
6		7	3					4
	4			1		7	8	

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है। 2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है। 3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.153का हल

2	6	3	9	8	7	1	5	4
8	5	1	3	2	4	6	7	9
9	4	7	1	5	6	8	2	3
3	9	8	6	7	1	5	4	2
6	1	2	5	4	3	9	8	7
5	7	4	8	9	2	3	1	6
1	2	6	7	3	5	4	9	8
4	8	5	2	6	9	7	3	1
7	3	9	4	1	8	2	6	5

शब्द सामर्थ्य -154

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. संघर्ष, दौड़धूप (उर्दू) 5. सुपुत्र, लायक पुत्र 7. ताकतवर, बलशाली 9. खुशबू, सुरभि, सुगंध 10. अकारण, व्यर्थ, बेवजह 12. गर्म तेल आदि में खाद्य वस्तु छोड़कर पकाना 13. मात्रा 15. मृत, जो मर गया हो 16. छोटे कद का, वामन, बौना 18. सांप का सिर, गुण, कला, कौशल 20. निरुत्तर, बेमिसाल 23. गोल हरे दानों वाला एक प्रसिद्ध पौधा, या इस पौधे की फली 24.माता, जननी 25. संतान, औलाद 26. अधीन, अधीनस्थ, कर्मचारी 27. चिड़िया, खग तरफदार।

ऊपर से नीचे
1.पानी में डूबा हुआ, जल प्लावित 2. पाकिटमार, जेब काटने वाला 3. समाधान, खेत जोतने का यंत्र 4. औषधालय 6. युक्ति, उपाय 8. गीला, तर, भीगा हुआ 11. झटके से मुंह से आवाज के साथ हवा बाहर आना, बलगम आदि का बाहर आना 14. तुरंत, झटपट 15. स्त्री, नारी, अबला 17. एक और एक चौथाई 19. आदमखोर 21. दुनिया, संसार, जग 22. वर्ष की छः ऋतुओं में एक ऋतु जिसमें मौसम सुहावना रहता है 23. बुद्धि, दिमाग।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 153 का हल

पी	छि	दं	ब	र	म	■	■	स
ट	■	भ	ला	ई	■	अ	स	म
ना	म	■	■	स	मा	धि	■	झ
■	ज	■	थे	■	न	का	र	ना
खा	खू	■	आ	च	क	र	■	■
■	र	की	ब	■	■	■	प्र	था
ज	■	■	रू	प	क	■	ज	न
हा	■	पा	■	ना	म	ची	न	■
ज	हां	प	ना	ह	■	ता	न	ना

सामयिक चर्चा

महंगाई राज में हमें परेशाँ न करो!

बानी बोले- ''आज नहीं आ सके गजाधर!
तो गिरधारी! आप ही सुनिए खबर -
''त्योहारी सीजन में
घर का बजट बिगड़ा
सब्जियों के भी बढ़ रहे दाम।
आलू-प्याज तो पहले से ही
रूला रहे है, अब तो गड़बड़ा रहे हैं,
हमारे सब काम।
हॉ! तो भैया गिरधारी!
अब आपकी बारी
आप अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करो!''
महंगाई पीड़ित गृहस्थ गिरधारी ने
बड़े दर्द भरे स्वर में कहा-
''हम पहले से बहुत परेशान है बानी!
हमें और परेशाँ न करो।
इस महंगाई के राज में हमें
अपनी शेष जिन्दगी दुक्खम-सुक्खम,
किसी तरह काटने दो।
हमें और परेशाँ न करो!''

-गिरीश बख्शी

कविता

हिंदुस्तान लिख दूंगा

लगो दिल से अगर तो पीठ पर निज नाम लिख दूंगा
करो बातें अगर दिल से तो सीताराम लिख दूंगा।
बढ़ाओ हाथ मिलने के लिए सचमुच तहे दिल से
कसम इंसानियत की एक नया पैगाम लिख दूंगा।
सिखा हूं इस धरा से बोलना मैं प्रेम की भाषा
कोई सीखें इसे दिल से तो मैं इंसान लिख दूंगा।
यहां कुछ लोग खाकर देश की कसमें ही जीते हैं
मुझे अधिकार दो उनके लिए बदनाम लिख
दूंगा। बहुत हैं लोग जो खा
करके गम, पी लेते आंसू को
कलम कहती है उनके नाम सुबह-ओ
शाम लिख दूंगा।वतन की
आबरू खातिर लुटाते हैं
जवानी जो कसम मिट्टी
की उनके नाम
हिंदुस्तान लिख दूंगा।

डॉ शंकर मुनि राय
विभागाध्यक्ष -हिंदी
शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)
कानाफूसी 9893863548

राशिफल

मेष — आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज परिवार के साथ समय बितायेंगें, इससे घर में खुशियों का माहौल बनेगा। आज आपकी कड़ी मेहनत से आसपास के लोग प्रभावित होंगे और आपका अनुसरण करेंगे। आज रोज की अपेक्षा व्यापार में अच्छा मुनाफा होगा। आर्थिक पक्ष पहले से मजबूत रहेगा।

वृषभ — आज के दिन भाग्य आपका पूरा साथ देगा। अगर आप नयी जमीन लेने का प्लान बना रहे हैं तो घर के बड़ों की राय जरूर ले । इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन संतोषजनक रहेगा कुछ नया सीखने को मिलेगा। आप जीवनसाथी से अपने दिल की बात शेयर करेंगे, इससे रिश्ते में मधुरता बनेगी।

मिथुन — आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा। आज आपको किसी बुजुर्ग की सेवा का अवसर मिलेगा, इसे आप सौभाग्य के रूप में समझे। आज आप हर तरह के काम निपटाने के लिए तैयार रहेंगे। आपको सोचे हुए कामों से फायदा हो सकता है। कोशिश करेंगे तो आपको सफलता मिल सकती है।

कर्क — आज आपका दिन आपके लिए नई खुशियां लाया है। राजनीति से जुडे लोगो के लिए दिन अच्छा है समाज हित में किये गये कामों की तारीफ़ हो सकती है। आज आपको उच्चाधिकारी के सामने बात रखने पर.. पॉजीटिव रिस्पॉन्स मिलेगा। आज आपको रोजगार में नई उपलब्धि मिलने के योग हैं।

सिंह — आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है जिन्हे आप बखूबी निभायेंगे। आप जिस काम को करने का प्रयास करेंगे, उस काम में आपको कामयाबी मिलेगी। आज आपको मेहनत का फल मिलेगा इससे आपका हौसला बढ़ेगा। आस-पास के कई लोग आपको सलाह देगें।

कन्या — आज का दिन सामान्य रहेगा। आज आपके सामने चुनौतियां भी आएंगी आप इनका डटकर मुकाबला करेंगे सफलता हासिल होगी। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन थोड़ा सामान्य रहेगा। करियर संबंधी चुनाव आपको थोड़ी परेशानी में डाल सकता है, लेकिन सही पॉइन्ट का चुनाव करना बेहतर रहेगा।

तुला — आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। इस राशि की महिलाए जो कोई बिजनेस करने की सोच रही है, उनके लिए आज का दिन अच्छा है। किसी भी काम को करने में जल्दबाजी न करें ,अन्यथा वह काम दोबारा करना पड़ सकता है। थोड़ा समय ईश्वर की आराधना के लिए निकालने से आपका मन शांत रहेगा।

वृश्चिक — आज का दिन सामान्य रहेगा। इस राशि के इंजीनियर्स के लिए आज का दिन फायदा देने वाला है। करियर में उतार-चढ़ाव से आप परेशान हो सकते हैं लेकिन किसी अनुभवी सीनियर्स की मदद से आपको थोड़ी राहत मिलेगी। आज घर में बच्चों के साथ आपका अच्छा टाइम बितेगा।

धनु — आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। नौकरी कर रहे लोगो को आज पदोन्नती के अवसर मिलेंगे। ऑफिस में अच्छे परफोर्मेंस के लिए आपको सम्मानित किया जा सकता है। आज आपके तय किए काम समय से पूरे होते हुए नजर आयेंगे साथ ही कुछ काम वक्त से पहले पूरे करने की वजह से खुद के लिए खुशी मिलेगी।

मकर — आज का दिन ठीक - ठाक रहेगा। इस राशि की महिलाओं के लिए आज का दिन बहुत ही खास है आप दिन का अधिक समय शॉपिंग में बिता सकती हैं। नौकरी की तलाश कर रहे लोगो को आज किसी कम्पनी से मेल आ सकती है। दाम्पत्य जीवन में आज मधुरता बनी रहेगी। बिजनेस को आगे बढ़ाने का अच्छा मौका है।

कुंभ — आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। लोगों के विचार और आपके बारे में बोली गई बातों के कारण आप मन ही मन परेशान हो सकते है। इस राशि के स्टूडेंट आज अपनी पढाई को लेकर उत्साहित होंगे और ज्यादा समय पढाई में बीतेगा, यह देखकर आपके घरवालों को भी खुशी होगी।

मीन — आज आपका दिन खुशनुमा पल लेकर आया है। आज कोई बुजुर्ग या वरिष्ठ व्यक्ति आपको सही सलाह दे सकता है। आज आपको पुरानी बातें भी याद आ सकती हैं। आज व्यापारिक मामलों में आपकी व्यस्तता बढ़ेगी। आपकी आर्थिक स्थिति पहले से सामान्य होगी। दाम्पत्य जीवन में आपसी ताल मेल बना रहेगा।

पहला कॉलम...

सालेवारा (दावा)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ग्राम सालेवारा में सरपंच संतोष नामदेव द्वारा तिरंगा फहराया गया। जिसमें कार्यकर्ता मेलाराम वर्मा, चंदू प्रधान सहित ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहें। सभी ने एक-दूसरे को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी।

सालेवारा (दावा)। ग्राम सहसपुर के सरपंच अनुज पटेल द्वारा तिरंगा फहराया गया जिसमें सचिव नंदूराम वर्मा, सहायक सचिव रेखा चंदेल उपस्थित रहें।

सरस्वती शिशु मंदिर के छात्र रहे प्रथम

डोंगरगांव (दावा)। जिला स्तरीय क्रीड़ा एवं बौद्धिक प्रतियोगिता पाटेकोहरा में संपन्न हुआ, जिसमें प्रहलाद वर्ग एवं बाल वर्ग में अर्जुनी संकुल प्रथम स्थान तथा कबड्डी में प्रथम स्थान प्राप्त कर प्रांत स्तरीय के लिए चयनित हुए। दिव्यांशी देवराज चैंपियन, व्यक्तिगत गीत याचना प्रथम, निबंध ट्विंकल सोनकर, द्वितीय एकल भजन नलिनी सहारे प्रथम, प्रश्न मंच में खुशी जोशी, नलिनी, प्रेमा प्रथम, एकल अभिनय व एकल भजन मे साक्षी निर्मलकर द्वितीय, चित्रकला नितिन सोनकर प्रथम, रस्सी कूद हेमा साहू प्रथम कुर्सी दौड़, काशी ठाकुर द्वितीय, गेड़ी दौड़ प्रशांत साहू, द्वितीय स्थान पर रहे. प्रबंध शिक्षा समिति के पदाधिकारी एवं प्रधानाचार्य डामन जोशी, खेल प्रभारी अर्चना यदु व तोरण सोनकर, समस्त स्टाफ ज्योति तिवारी, कुलेश्वरी, आशा, राधा, प्रियंका, इंद्रजीत, देवकी, भूपेश्वरी आदि ने उज्जवल भविष्य की कामना की है।

राजीव गांधी को कांग्रेसियों ने दी श्रद्धांजलि

डोंगरगांव (दावा)। आधुनिक भारत के स्वप्नदृष्टा पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्व. राजीव गांधी का 80वां जन्मदिवस 20 अगस्त को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी डोंगरगांव द्वारा मनाया गया। कांग्रेसियों द्वारा राजीव गांधी चौक में पहुंचकर राजीव गांधी की प्रतिमा में माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। साथ ही कांग्रेस कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा सहित उनके जीवन पर गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ताओं ने अपने उद्बोधन में राजीव के जीवन दर्शन पर बात रखी। आयोजन में प्रमुख लोगों में ब्लॉक अध्यक्ष चेतन साहू, वरिष्ठ कांग्रेसी देशराज जैन, जनपद अध्यक्ष टिकेश साहू, सतीश वैष्णव, अजीत जैन, विरेंद्र बोरकर, ललित लोढ़ा, अखिलेश नखत, गणेश साहू, संध्या साहू, श्रुति शुक्ला, वैशाली बोरकर, अरुणा देवांगन, लीलम गोस्वामी, प्रियंक जैन, लेखुराम देवांगन, सोमन साहू, रितेश राजपूत, कुंभ जोशी सहित अन्य कांग्रेसीगण उपस्थित रहे।

श्रीमती अचला सिंह ठाकुर संयोजक शहर मंडल मनोनित

डोंगरगढ़ (दावा)। एक पेड़ मां के नाम लगाने का आव्हान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा किया गया था। जिसे राष्ट्रीय अभियान बनाते हुए भारतीय जनता पार्टी पूरे भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आव्हान पर एक पेड़ मां के नाम अभियान जारी रखा है। इस अभियान के तहत पौधरोपण प्रदेश संगठन ने पदाधिकारी नियुक्त कर श्रीमती अचला सिंह ठाकुर को संयोजक शहर मंडल मनोनित किया और उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लिये वार्डो में शिविर शुरु

राजनांदगांव (दावा)। नगर के सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये नगर निगम द्वारा प्रति माह पेंशन का भुगतान वार्डों में शिविर लगाकर किया जाता है।

इसी कडी में हितग्राहियों को माह जून 2024 का पेंशन भुगतान के लिये वार्डो में 16 अगस्त 2024 से 9 सितम्बर 2024 तक प्रातः 11:30 बजे से दोपहर 4 बजे तक शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत 23 अगस्त को लालबहादुर शास्त्री वार्ड नं. 18 व वर्धमान वार्ड नं. 19 के लिये आनंद विहार कालोनी के सामुदायिक भवन गली नं. 05 में, स्टेडियम वार्ड नं. 23 के लिये पार्षद कार्यालय स्टेडियम रोड में, कौरिनभाठा वार्ड नं. 44 व रामकृष्ण वार्ड नं. 45 के लिये आंगनबाडी सतनामी पारा कौरिनभाठा में, 27 अगस्त को मोहारा वार्ड नं. 47 के लिये पार्षद कार्यालय कुम्हार पारा मोहारा में एवं 28 अगस्त को मोहड वार्ड नं. 49 के लिये पार्षद कार्यालय सामुदायिक भवन मोहड़ में शिविर का आयोजन किया गया है। शेष वार्डो के लिये भी शिविर का आयोजन किया जायेगा।

डोंगरगढ़ का भारत बंद शांतिपूर्ण संपन्न, समर्थन में समस्त व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान बंद रखे

आरक्षण के भीतर क्रीमीलेयर का प्रावधान असंवैधानिक - संयुक्त मोर्चा

डोंगरगढ़(दावा)। अनुसूचित जाति जनजाति में क्रीमी लेयर को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए निर्णय के विरुद्ध डोंगरगढ़ में प्रभावित समुदाय के लोगों ने विशाल रैली निकालकर जबरदस्त प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय स्तर पर किए गए आव्हान पर भारत बंद हेतु अनुसूचित जाति जनजाति संघर्ष मोर्चा के बैनर तले एससी एसटी समुदाय के समस्त नागरिक नागसेन बुद्ध विहार में एकत्रित हुए नागसेन बुद्ध विहार से महारैली का प्रारंभ किया गया। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरोध में प्रदर्शन नारेबाजी के साथ हुआ।

प्रभावित सभी समाज की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपना विरोध जताया। भारत बंद का समर्थन करते हुए समस्त व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान बंद रखे। महारैली नागसेन बुद्ध विहार कालकापारा से प्रज्ञा चौक, संजय नगर, अग्रसेन चौक, महावीर पारा, गोलबाजार, जामा मस्जिद, जयस्तंभ चौक, गौरव पथ, रेलवे चौक, बुधवारी बाजार, गोलबाजार, भगतसिंह चौक, थाना चौक होते हुए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय के समीप पहुंची। सर्वप्रथम डाक्टर बाबा साहब अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया, तत्पश्चात जोरदार नारेबाजी एवं धरना प्रदर्शन किया गया।

आरक्षण के भीतर क्रीमी लेयर का प्रावधान असंवैधानिक

इस धरना प्रदर्शन में अनुसूचित जाति जनजाति संयुक्त संघर्ष मोर्चा के पदाधिकारियों ने सभा को सम्बोधित किया संयोजक डॉ मुन्नालाल नंदेश्वर ने कहा है कि आरक्षण का वर्गीकरण व क्रिमिलेयर का प्रावधान पूरी तरह से असंवैधानिक है सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय एससी एसटी समुदाय को बांटने वाला है केंद्र सरकार संसद का विशेष सत्र बुलाकर अध्यादेश लाकर सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को शुन्य करें, कर्मचारी अधिकारी संघ के प्रदेश महासचिव योगेश चौरे ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय की सभी के द्वारा आलोचना की जा रही है संयुक्त मोर्चा के उपाध्यक्ष भीषम ठाकुर ने कहा कि भारत सरकार जाति जनगणना कर ही नहीं रही है वह सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय अनुसूचित जाति जनजातियों के लिए बेहद खतरनाक है। आदिवासी कंवर समाज के अध्यक्ष रामदास कंवर ने कहा कि हमारे देश में समाज वर्ण व्यवस्था ,जाति व्यवस्था, उच निच ,भेदभाव आज भी बना हुआ है । सुप्रीम कोर्ट को सबसे पहले जाति समाप्त करने का निर्णय लेना चाहिए जिससे कि ऊंच-नीच की भावना ना हो। आदिवासी हल्बा समाज के प्रतिनिधि महेश सुधाकर ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के 1 अगस्त के आरक्षण को लेकर किये गए फैसले के विरोध में अनुसूचित जाति जनजाति के समुदाय में घोर आक्रोश है। यह फैसला सामाजिक असमानता को बढ़ावा देने वाला है। एससी एसटी एसोसिएशन के अध्यक्ष एच के आजाद ने कहा कि हम संविधान के दायरे में रहकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं इस आरक्षण विरोधी फैसले को केंद्र सरकार कानून बनाकर या अध्यादेश लाकर वापस लेवे, संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारी अमिताभ दुफारे ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय का यह फैसला संविधान के अनुच्छेद 15 अनुच्छेद 16 अनुच्छेद 16 (4) अनुच्छेद 341(2) अनुच्छेद 342 (2) के खिलाफ है व फैसला ऐसे जजों ने फैसला लिए है जोकि क्लोजियम सिस्टम से कई पीढ़ी से जज बने हुए हैं।

सभा को सुदर्शन समाज के उमेश हत्थेल, महिला सशक्तिकरण की श्रीमती राधिका जंघेल, ओबीसी महासभा के विप्लव साहू ने इस रैली को संबोधित किया व समर्थन दिया। अंत में संघर्ष मोर्चा के पदाधिकारियों ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को ज्ञापन सौंपा। इस महारैली में प्रीति चमन समुन्द्रे, शुभम खोब्रागडे, मनीष बडोले, धन्नालाल गणवीर, संतोष लाजेवार, रमन शेंडे, डॉ. मनोज रंगारी, श्रीमती सारिका बडौले, श्रीमती प्रतिभा नारनौरे, संजू गजभिये, मीना घरडे, धर्मेन्द्र मडामे, रेखा सहारे, श्रीमती माया भास्कर, श्रीमती सरोज लांजेवार, पदाधिकारियों, प्रणय बंसोड, दीपक उके, संतोष पटौदी, अनिल लांगे, श्रीमती किरण मेश्राम, श्रीमती नलिनी मेश्राम, रामदास कंवर कोषाध्यक्ष मोहनपुर क्षेत्र, नूतन महिला मंडल की सदस्यों एवं एससी एसटी के समस्त प्रतिनिधियों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

आभार जताया प्रदर्शन में भाग लेने वाले समस्त सामाजिक गणों ने

आदिवासी, अनु. जनजाति एवं अनुसूचित जाति वर्ग के समुदायों में आरक्षण को लेकर उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए फैसले के विरोध में आज 21अगस्त को भारत बंद महा अभियान में डोंगरगढ़ के विभिन्न सामाजिक संगठन के प्रतिनिधियों ने अपनी सक्रिय सहभागिता निभाते हुए अपना और अपने समाज का बहुमूल्य समय संवैधानिक अधिकार के लिए दिए। उसके लिए प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष सहयोग करने वाले सभी सम्मानित जनों का आभार जताया गया और प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहां है कि अभी तो ये अंगड़ाई है आगे और लड़ाई है। प्रदर्शन में भाग लेने वालों में सर्व आदिवासी समाज ब्लॉक इकाई डोंगरगढ़, जिला गोंड समाज, जिला गोंडवाना गोंड महासभा, गोंडवाना गोंड राष्ट्रीय महिला विभाग, गोंडवाना यूथ क्लब, जिला कंवर समाज महासभा, जिला कोईतुर गोंड समाज, अखिल भारतीय हल्बा समाज, कंडरा समाज, ओडारबांध महासभा गोंड समाज, पारधी समाज, जिला उराँव समाज, प्रधान गोंड समाज, सोनझारी समाज एवं समस्त मूलवासी समाज, अनुसूचित जनजाति शासकीय सेवक विकास संघ, गोंडवाना अधिकारी कर्मचारी संघ, बौद्ध कल्याण समिति, जिला रविदास समाज सेवा समिति, जिला सतनामी सेवा समिति, छत्तीसगढ़ घासी घसिया समाज, अखिल भारतीय मखियार मेहत्तर समाज, जिला गंधर्व गाड़ा समाज छत्तीसगढ़, बुद्धिस्ट पेंशनर्स/सीनियर सिटीजन संघ, अनुसूचित जाति जनजाति अधिकारी कर्मचारी संघ, बुद्धिस्ट शासकीय सेवक संघ, महिला सशक्तिकरण संघ शामिल रहे।

छुरिया में बंद सफल, रैली निकालकर जताया विरोध

छुरिया (दावा)। अनुसूचित जाति, जनजाति संयुक्त संघर्ष मोर्चा ब्लाक इकाई छुरिया के बैनर तले सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरोध में छुरिया बंद सफल रहा। सुबह से ही स्वस्फूर्ति दुकाने बंद रही। नगर में रैली निकालकर इस फैसले के विरोध में प्रदर्शन किया गया। नये बस स्टैण्ड में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर समाज के प्रमुखों ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को वापस लेने जोर दिया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि इस फैसले से अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग को बड़ा नुकसान होगा। हालांकि एक दिन पूर्व ही अनुसूचित जाति एवं जनजाति संयुक्त संघर्ष मोर्चा के पदाधिकारी बंद को लेकर व्यापारियों से सहयोग की अपील की थी जिसका असर सुबह देखने को मिला। नगर के सभी व्यवसायिक प्रतिष्ठान सुबह से ही बंद थी। आम लोगों को पीने के पानी के लिए भी तरसना पड़ा । बंद को लेकर पुलिस की व्यवस्था भी तगड़ी थी। नये बस स्टैण्ड में सभा पश्चात अनुसूचित जाति, जनजाति संयुक्त मोर्चा ब्लाक इकाई के पदाधिकारियों ने तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर सभा समाप्त किया।

छुईखदान में नहीं हुआ बंद का असर

छुईखदान (दावा)। एससी-एसटी के आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर 21 अगस्त को भारत बंद का ऐलान किया गया था जिसमें आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति ने एससी-एसटी आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरोध में पूरे भारत बंद की घोषणा की थी जिसे लेकर आज छुईखदान पूर्णता खुल रहा यहां किसी भी राजनीतिक दल या सामाजिक संस्थाओं ने व्यवसाईयों के बीच जाकर आह्वान नहीं किया था जिसे लेकर नगर में दो तरफा वातावरण बना रहा कि बंद करें या नहीं करें इसी बीच रात में चेंबर ऑफ कॉमर्स का व्यापार नहीं बंद करने का ऐलान को लेकर छुईखदान के व्यापारी असमंजस में रहे और उन्होंने अंत में निर्णय लिया कि हम दुकानें बंद नहीं करेंगे जिसके कारण आज संपूर्ण व्यापारी संघ चेंबर ऑफ कॉमर्स के आह्वान पर अपनी व्यवसाय को खुला रखें और नगर में किसी प्रकार से बंद का असर नहीं हुआ।

फलदार वृक्षों की अवैध कटाई पर राजस्व विभाग द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई

डोंगरगढ़(दावा)। फलदार वृक्षों की अवैध कटाई पर डोंगरगढ़ एसडीएम द्वारा कार्रवाई करने का मामला सामने आया है। मामला विकासखंड के ग्राम पंचायत मुड़पार का है। एसडीएम के निर्देश पर राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर फलदार वृक्षों की अवैध कटाई में उपयोग करने वाली सामग्री को जप्त कर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

उल्लेखनीय है कि, राजनांदगांव जिले में कलेक्टर के दिशा निर्देश पर वृक्षों की देखभाल के साथ-साथ जनमानस को वृक्ष लगाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। जिसमें वृक्षों की अवैध कटाई को रोकने का आदेश छत्तीसगढ़ शासन द्वारा सभी कलेक्टरों को दिया गया है। इस आदेश का पालन करते हुए

राजनांदगांव कलेक्टर संजय अग्रवाल के द्वारा सभी विकासखंड अधिकारियों को अवैध रूप से वृक्षों की कटाई करने वालों पर कार्यवाही करने का आदेश दिया गया है।

आरोपी के खिलाफ प्रशासन द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई

डोंगरगढ़ राजस्व अनुविभागीय अधिकारी मनोज मरकाम को ग्राम मुड़पार के आम बगीचे में अवैध रूप से फलदार आम के वृक्षों की कटाई की खबर प्राप्त हुई। जिस पर तत्काल एक्शन लेते हुए एसडीएम मनोज मरकाम के द्वारा टीम तैयार कर ग्राम मुड़पार कार्यवाही के लिए भेजा गया। टीम के पहुंचते ही आम बगीचे में अवैध रूप से वृक्षों को काटने वालों में राजस्व टीम को देखकर भगदड़ मच गई। मौके पर पहुंचे पटवारी अनिल वर्मा के द्वारा वृक्षों की कटाई करने वालों से पूछताछ की गई तो पता चला कि यहां वृक्षों की कटाई जमीन मालिक द्वारा करवाई जा रही थी। कटाई करने वाली जगह से एक पेड़ काटने वाली वाली मशीन और एक ट्रैक्टर जप्त किया गया है।

पंचनामा बनाकर जप्त की गई सामग्री

दिनांक 21 अगस्त को ग्राम मुड़पार, प.ह.नं.-26 का माँग निरीक्षण किया गया। यह निरीक्षण तहसीलदार डोंगरगढ़ के मौखिक आदेश के पश्चात् किया गया। निरीक्षण में पहुंचे पटवारी द्वारा मौके पर पाया गया कि ग्राम - मुड़पार में स्थित खसरा नं 344 रकबा-0.223 भूमिस्वामी दानी बाई रामदयाल अन्य-01 के नाम पर दर्ज भूमि (बगीचा) पर स्थित फलदार आम वृक्ष 11 नग की अवैध कटाई मशीन द्वारा कराई जा की थी। मौके पर उपस्थित प्रार्थी के पुत्र कुशम राम, पि. सुरज सिंह जाति-कंवर, उम्र 24 वर्ष के वृक्षों को जप्ति बनाकर उन्हें सुपुर्द किया गया।

मौके पर उपस्थित दानीबाई रामदयाल, ग्राम सरपंच, ग्राम-सचिव, रोजगार सहायक, ग्राम-कोटवार व अन्य व्यक्ति उपस्थित थे। जिसकी उपस्थित में पंचनामा बनाया व पढ़कर सुनाया गया। मौके पर एक ट्रैक्टर ट्रॉली (सीजी-08-एएफ-2205) तथा एक मशीन भी जप्त किया गया।

सरस्वती साइकिल योजना : 34 छात्राओं को विक्रांत ने किया साइकिल वितरण

खैरागढ़ (दावा)। छत्तीसगढ़ सरकार में छात्राओं के लिए चल रही सरस्वती साइकिल योजना से शासकीय हाईस्कूल लिमतरा की छात्राएं लाभान्वित हुई। सरस्वती साईकिल योजनांतर्गत प्रदेश भाजपा कार्यसमिति सदस्य व राजनांदगांव जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह ने 34 छात्राओं को साईकिल वितरण किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विक्रांत सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ में बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से केंद्र व राज्य शासन द्वारा छात्राओं के लिए सरस्वती साइकिल योजना चला रही है। जिससे स्कूल आने जाने में छात्राओं को परेशानी नही होगी। इसी क्रम में जिला भाजपा अध्यक्ष घम्मन साहू ने कहा कि सरस्वती सायकिल योजना के तहत साइकिल प्राप्त करने वाली छात्राओं के लिए शासन से मिले उपहार उनकी आगे की पढाई के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि विद्यालय से दूर रहने वाली और आर्थिक तंगी से जुझ रहे परिवार की बेटियों के लिए यह योजना एक बडा वरदान है। इस योजना के तहत साइकिल प्राप्त करने वाली छात्राएं अपने घरों से आसानी से पढाई के लिए स्कूल पहुंच सकती है। कार्यक्रम के दौरान एक पेड़ माँ के नाम के तहत परिसर में पौधारोपण का कार्यक्रम भी किया गया।

इस दौरान पूर्व मण्डल भाजपा अध्यक्ष विकेश गुप्ता, क्षेत्रीय जनपद पंचायत सदस्य पं शैलेन्द्र मिश्रा, पारख दास कोसरे, डॉ.चन्दू वर्मा, बीआरसी सुजीत चौहान, रामविलास वर्मा, चन्द्रकमल बंजारे, आशीष साहू, उत्तम जंघेल, मन्थिर वर्मा, अनुपमा सिंह सहित बड़ी संख्या में छात्रायें उपस्थित थे।

प्रयास फाउंडेशन के सदस्यों ने आईटीबीपी के जवानों के साथ मनाया रक्षाबंधन पर्व

डोंगरगढ़ (दावा)। मां बमलेश्वरी की नगरी में रक्षाबंधन के अवसर पर प्रयास फाउंडेशन के द्वारा आईटीबीपी को जवानों के साथ रक्षाबंधन उत्सव मनाया गया। जिसमें देश की सेवा में अपना सर्वस्व निछावर करने वाले देश की रक्षा करने वाले हमारे वीर जवानों को बहन माता द्वारा रक्षा सूत्र बांधकर तिलक लगाकर मीठा खिलाकर रक्षाबंधन का उत्सव मनाया गया। जिसमें आइटीबीपी के 40वी बटालियन के कमांडेंट गिरीश अनंत राय दत्ता के मार्गदर्शन में जवानों को रक्षा सूत्र बांधे।

प्रयास फाउंडेशन की बहनों ने कहा कि, बहुत ही खुशी होती है जब घरों से दुर रहते हुए देश की सुरक्षा तंत्र का हिस्सा चाहे वह आर्मी, बीएसएफ, सीआरपीएफ, आईटीबीपी के जवान हो या फिर पुलिस बल के माथे पर चंदन का टीका एवं रक्षा सूत्र अपने भाइयों की कलाई पर बांधी जाती है।

इस राखी के मौके पर किसी की भी कलाई सुनी नही होनी चाहिए ,क्योंकि देश की सुरक्षा के कारण इस पावन त्योहार पर भी वे अपनी बहनों के पास नही जा पाते तो ऐसे अवसर पर विप्र फाउंडेशन की बहनों द्वारा सुरक्षा बलों के साथ मिल कर सामाजिक समरसता एवं भारतीय संस्कृति सभ्यता को प्रदर्शित करने वाली पारंपरिक त्योहार रक्षाबंधन के अवसर पर भारतीय तिब्बती सीमा सुरक्षा बल के जवानों को बहनों ने रक्षा सूत्र बांधकर भारत माता एवं भारतीय संस्कृति की सुरक्षा करने का मनोबल बढ़ाया।

इस अवसर पर नगर की विप्र फाउंडेशन एवं प्रयास फाउंडेशन की संरक्षिका अनुराधा शर्मा, उपाध्यक्ष श्रीमती प्रेमलता व्यास, कोषाध्यक्ष रुचि शर्मा एवं सदस्य श्रीमती राजश्री शर्मा, सोनल शर्मा एवं अन्य बहने उपस्थिति रही बहन अनुराधा शर्मा ने बताया कि प्रतिवर्ष हमारी संस्था के सदस्यों द्वारा सैनिकों को रक्षा सूत्र बांधकर उन्हें पारिवारिक वातावरण प्रदान करते हुए राष्ट्र रक्षा के लिए सदैव मनोबल बढ़ाने का कार्य विगत 5 वर्षों से करते आ रहे हैं आने वाले वर्ष में यह कार्यक्रम सामाजिक उत्सव के रूप में बनाने का संकल्प लिया गया है।

पहला कॉलम...

पोलैंड दौरे के लिए रवाना हुए पीएम नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पोलैंड के लिए रवाना हो गए हैं। पोलैंड के बाद पीएम मोदी यूक्रेन का भी दौरा करने वाले हैं। पिछले 45 साल में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली पोलैंड यात्रा है। पोलैंड के वारसॉ में पीएम मोदी का औपचारिक स्वागत किया जाएगा। यहां वो राष्ट्रपति आंद्रेज सेबेस्टियन डूडा से मुलाकात करेंगे और प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इसके अलावा, पीएम मोदी पोलैंड में रह रहे भारतीय समुदाय के लोगों से भी मुलाकात करेंगे। पोलैंड की यात्रा के बाद पीएम मोदी यूक्रेन की यात्रा करेंगे। 1992 में दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध स्थापित होने के बाद यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री का यूक्रेन का पहला दौरा होगा।

लॉड्ज की गवर्नर डोरोटा रिल ने पीएम मोदी की यात्रा को पोलैंड और क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण बताया है। साथ ही उन्होंने भारत और पोलैंड के संबंधों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पोलैंड भारत को व्यापार और अन्य सहयोग के लिए एक बड़े साझेदार के रूप में देखता है। रिल ने कहा, पोलैंड से कई व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल नियमित रूप से भारत जाते हैं।

अमेरिका में बनी 90 फीट ऊंची भगवान हनुमान की प्रतिमा

टेक्सास। अमेरिका के टेक्सास में प्रभु श्री राम के परम भक्त भगवान हनुमान की 90 फुट ऊंची प्रतिमा स्थापित की गई है। रविवार को इस प्रतिमा का अनावरण किया गया। इस तरह से भगवान हनुमान की यह प्रतिमा अमेरिका की तीसरी सबसे ऊंची मूर्ति हो गई है। प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठा भी की गई है।इसका नाम स्टैच्यू ऑफ यूनियन रखा गया है। मूर्ति को यह नाम इसलिए दिया गया है क्योंकि भगवान हनुमान ने राम और सीता को मिलाने में योगदान दिया था। यह मूर्ति टेक्सास के शुगर लैंड स्थित श्री अष्टलक्ष्मी मंदिर में है। इस परियोजना की परिकल्पना चिन्नाजीयर स्वामीजी ने की है।इससे पहले साल 2020 में डेलावेयर में भगवान हनुमान की 25 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित की गई थी। यह प्रतिमा तेलंगाना के वारंगल से भेजी गई थी। स्टैच्यू ऑफ यूनियन के बारे में वेबसाइट में बताया गया, ÷स्टैच्यू ऑफ यूनियन भगवान हनुमान की उत्तरी अमेरिका की सबसे ऊंची प्रतिमा होगी। यह शक्ति, भक्ति और निस्वार्थ सेवा का प्रतीक है। हनुमान ने राम को सीता से मिलाया और इसलिए इसका नाम स्टैच्यू ऑफ यूनियन रखा गया। यह परियोजना पूरी तरह से परम पावन श्री चिन्नाजीयर स्वामीजी की दृष्टि है।

एयरपोर्ट पर कैंची के गायब होने से 36 फ्लाइट रद्द; 200 से ज्यादा उड़ानों में देरी

तोक्यो। जापान के न्यू चिटोस एयरपोर्ट पर कैंची के गायब होने से शनिवार को अफरा-तफरी मच गई। इस वजह से 36 उड़ानें रद्द कर दी गई और 200 से अधिक उड़ानें देरी से चलीं। सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल के लिए जापान का ये एयरपोर्ट जाना जाता है। शनिवार को एयरपोर्ट के अंदर एक रिटेल आउटलेट ने कैंची गायब होने की सूचना दी। इसके बाद तलाशी शुरू की गई। इस दौरान एयरपोर्ट आने वाले यात्रियों की सुरक्षा जांच कम से कम दो घंटे के लिए रोक दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, सुरक्षा जांच के निलंबन के कारण भारी बैकलॉग हो गया और एयरपोर्ट पर लंबी कतारें लग गईं। कई यात्रियों को एयरपोर्ट से वापस भेज दिया गया। भारी भीड़ को देखते हुए ये कदम उठाए गए। कई प्रभावित यात्रियों ने अपनी निराशा व्यक्त की। हालांकि, गायब कैंची उसी दुकान में पाई गई जहां से गायब हुई थीं। जापानी प्रसारक एनएचके के अनुसार, कैंची मिलने के बाद भी अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की कि ये वहीं गायब कैंची है या नहीं। इस मामले को लेकर पर्यटन मंत्रालय ने जांच करने के आदेश दिए है।

पाकिस्तानी तीर्थयात्रियों की बस दुर्घटनाग्रस्त; 35 की मौत

तेहरान। पाकिस्तान से इराक जा रहे शिया तीर्थयात्रियों की एक बस दुर्घटनाग्रस्त होने से बड़ा हादसा हो गया है। दरअसल, शिया तीर्थयात्रियों से भरी बस सेंट्रल ईरान में दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें 35 लोगों की मौत हो गई है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी इरना के मुताबिक, स्थानीय आपातकालीन अधिकारी मोहम्मद अली मालेकज़ादेह ने बताया कि यह दुर्घटना मंगलवार रात को ईरान के यज़्द प्रांत में हुई। वहीं, पाकिस्तानी अखबार डॉन के मुताबकि ब्रेक फेल होने की वजह से बस दुर्घटनाग्रस्त हुई।अली मालेकज़ादेह ने बताया कि इस दुर्घटना में 18 अन्य लोग भी घायल हुए हैं। दुर्घटना के समय बस में 51 लोग सवार थे। सभी तीर्थयात्री अरबईन की याद में इराक जा रहे थे, जो 7वीं शताब्दी में एक शिया संत की मृत्यु के 40वें दिन मनाया जाता है।

बाबर की खोई हुई फॉर्म हासिल करने पर रहेगी पाकिस्तान की नजर

रावलपिंडी, 21 अगस्त । अगले पांच महीनों में नौ टेस्ट मैच खेलने के लिए तैयार पाकिस्तान के रेड-बॉल क्रिकेट में व्यस्त कार्यक्रम की शुरुआत गीली आउटफील्ड के साथ हुई। रात भर हुई बारिश के कारण बुधवार को यहां बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट की शुरुआत में देरी हो रही है।

पाकिस्तान को उम्मीद है कि आगामी रेड-बॉल मैचों के आधार पर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाने के लिए बांग्लादेश के खिलाफ टीम दो टेस्ट मैचों की सीरीज की चुनौती के लिए तैयार है।

लेकिन रावलपिंडी स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच की शुरुआत गीली आउटफील्ड के चलते देरी हुई। इसके चलते टॉस भी लेट हो गया है।

पाकिस्तान के टेस्ट कप्तान शान मसूद को उम्मीद है कि इस सीरीज से उन्हें सीजन के आगे के मुकाबलों के लिए बेहतर प्रदर्शन करने में मदद मिलेगी। वह एक ऐसी मजबूत टीम बनाना

चाहते हैं जो फाइनल तक जा सके, साथ ही वह युवा बल्लेबाजों को मौका देने की योजना बना रहे हैं।

शान मसूद ने कहा, हमारे दल में 20-25 खिलाड़ी हैं। हमें शुरू में लगा कि मोहम्मद हुरैरा को परखने का यह हमारा आदर्श मौका है। उन्होंने पिछले तीन या चार वर्षों में घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है। हमने इस श्रृंखला में इमाम को आराम दिया है। सैम भी अब अच्छी लय में हैं, उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरी पारी में अपनी क्षमता दिखाई थी। एक टीम के रूप में, आपको निरंतरता का संदेश देना होता है। इसलिए हम खिलाड़ियों का समर्थन करने की कोशिश करेंगे। हम उसे उचित मौका देना चाहते हैं। पाकिस्तान की नजर पूर्व कप्तान और प्रमुख टेस्ट बल्लेबाज बाबर आजम के फॉर्म पर भी होगी, जिनका औसत 2019 से 2022 की अवधि के दौरान 60 से गिरकर, बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से पहले 37.41 पर आ गया है।

पिछले कुछ सीजन में बाबर ने 9 टेस्ट मैचों में सिर्फ एक शतक और तीन अर्धशतक लगाए हैं। रेड-बॉल वाली क्रिकेट में अपनी आखिरी सीरीज में बाबर का औसत 21 रहा, जो 2017-18 के बाद से किसी सीरीज में उनका सबसे कम औसत है।

अपनी फॉर्म खोने के अलावा, टीम में बाबर आजम का कद और अधिकार भी कम हो गया है। उन्होंने टेस्ट और वनडे में अपनी कप्तानी खो दी है और उनके निराशाजनक टी20 विश्व कप अभियान के मद्देनजर टी20 की कप्तानी भी खोने की संभावना है। पाकिस्तान क्रिकेट को उम्मीद है कि आने वाले व्यस्त सत्र में बाबर अपनी फॉर्म वापस हासिल कर लेंगे।

फारूक अहमद बने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के नये अध्यक्ष

नई दिल्ली। बांग्लादेश में हुए आरक्षण आन्दोलन के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। उनकी जगह मोहम्मद युनुस अंतरिम सरकार के मुखिया बने। लेकिन बांग्लादेश में अभी तनाव की स्थिति बनी हुई है। इसी वजह से आईसीसी ने महिला टी20 वर्ल्ड कप 2024 का आयोजन बांग्लादेश की जगह यूएई में करवाने का फैसला किया। वहीं बांग्लादेश की पुरुष क्रिकेट टीम पाकिस्तान के दौरे पर है। इसी बीच बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष नजमुल हसन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। अब उनकी जगह पूर्व क्रिकेटर फारूक अहमद को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड का नया चीफ बनाया गया है। ढाका में हुई बैठक के दौरान फारूक को अध्यक्ष चुना गया है। फारूक अहमद बांग्लादेश के पूर्व चीफ सेलेक्टर भी रह चुके हैं। उन्होंने साल 2003 से 2007 तक और 2013 से 2016 तक इस जिम्मेदारी को निभाया था।

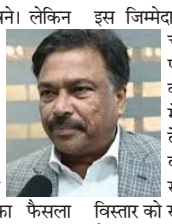

चीफ सेलेक्टर के तौर पर अपने दूसरे कार्यकाल में के बीच में ही उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। क्योंकि वह 3 सदस्यीय सेलेक्शन पैनल के विस्तार को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं थे।

फारूक अहमद ने बांग्लादेश के लिए 7 वनडे मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 105 रन बनाए। उन्होंने बांग्लादेश के लिए पहला वनडे 1988 में और आखिरी वनडे मैच 1999 में खेला था। फारूक को इंटरनेशनल क्रिकेट में ज्यादा मौके नहीं मिले।

बांग्लादेश से शिफ्ट हुआ महिला टी20 विश्व कप

नई दिल्ली । महिला टी20 विश्व कप 2024 का आयोजन बांग्लादेश में होना था लेकिन, वहां राजनीतिक उथल-पुथल और हिंसा का दौर जारी है। इसके कारण आईसीसी को वेन्यू बदलने के लिए मजबूर होना पड़ा और अब इस टूर्नामेंट का आयोजन यूएई में होगा। आईसीसी ने मंगलवार को यह ऐलान किया, हालांकि मेजबानी बांग्लादेश के ही पास है।

प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे और पलायन के बाद बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता बनी हुई है। बांग्लादेश में सेना ने तख्तापलट करते हुए फिलहाल अंतरिम सरकार नियुक्त की है। जून से शुरू हुई हिंसा और अराजकता के कारण महिला टी20 विश्व कप का आयोजन वहां कराना संभव नहीं था। बांग्लादेश में जारी राजनीतिक अस्थिरता और हिंसा का असर इतना गहरा था कि बांग्लादेश की जमीन पर मेजबानी से आईसीसी का बड़ा इवेंट छिन गया है। हालांकि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) अभी भी आईसीसी महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी करेगा लेकिन इस मेगा इवेंट का आयोजन अब यूएई में होगा। आईसीसी ने पुष्टि की है कि टूर्नामेंट अब बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) द्वारा यूएई में आयोजित किया जाएगा, क्योंकि देश में राजनीतिक अस्थिरता के बाद कई देशों ने अपनी-अपनी सरकारों से सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की है।

आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ज्योफ एलार्डिस ने एक बयान में कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि महिला टी20 विश्व कप बांग्लादेश में आयोजित नहीं होगा। हम जानते हैं कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड एक यादगार आयोजन करता।

जय शाह आईसीसी चेयरमैन के रूप में ग्रेग बार्कले की जगह लेंगे

नई दिल्ली। जय शाह क्रिकेट जगत के सबसे ताकतवर लोगों में से एक हैं और बीसीसीआई के महासचिव के तौर पर उनके कार्यकाल ने भारत को सबसे ताकतवर क्रिकेट बोर्ड के तौर पर अपनी पकड़ और मजबूत करने में मदद की है। इस बीच उनसे जुड़ी बड़ी खबर सामने आ रही है। जानकारी के अनुसार जय शाह को जल्द आईसीसी का नया चेयरमैन बनाया जा सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान अध्यक्ष ग्रेग बार्कले ने एक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा की, जबकि शासी निकाय और इसके प्रमुख ब्रॉडकास्ट अधिकार धारक स्टार के बीच 4.46 बिलियन डॉलर का विवाद चल रहा है। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि शाह को नॉमिनेशन के लिए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट की दो अग्रणी टीमों ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड से समर्थन प्राप्त हो चुका है। उनके कम से कम तीन वर्षों तक आईसीसी का अध्यक्ष बने रहने की उम्मीद है। आईसीसी के प्रवक्ता ने बताया, आईसीसी के अध्यक्ष ग्रेग बार्कले ने बोर्ड को पुष्टि की है कि वह तीसरे कार्यकाल के लिए खड़े नहीं होंगे और नवंबर के अंत में अपना वर्तमान कार्यकाल समाप्त होने पर पद से हट जाएंगे। बार्कले को नवंबर 2020 में स्वतंत्र आईसीसी अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था, जिसके बाद उन्हें 2022 में फिर से चुना गया था। आईसीसी अधिकारी ने कहा, वर्तमान निदेशकों को अब 27 अगस्त, 2024 तक अगले अध्यक्ष के लिए नॉमिनेशन प्रस्तुत करना होगा।

आरबीआई गवर्नर के नाम बड़ी उपलब्धि, लगातार दूसरे साल बने दुनिया के टॉप सेंट्रल बैंकर

नई दिल्ली। अमेरिका की 'ग्लोबल फाइनेंस' ने भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास को लगातार दूसरे साल वैश्विक स्तर पर टॉप सेंट्रल बैंकर की उपलब्धि दी है। आरबीआई ने इसकी जानकारी अपने सोशल मीडिया एक्स पोस्ट पर दी। आरबीआई ने एक्स पोस्ट में कहा कि यह घोषणा करते हुए खुशी मिल रही है कि लगातार दूसरे साल 'ग्लोबल फाइनेंस सेंट्रल बैंकर रिपोर्ट कार्ड 2024' में शक्तिकांत दास को 'ए प्लस' की रेटिंग मिली है। वैश्विक स्तर के तीन टॉप केंद्रीय बैंकरों की लिस्ट में शक्तिकांत दास का नाम शीर्ष पर है।

ग्लोबल फाइनेंस पत्रिका ने बताया कि महंगाई पर नियंत्रण, इकोनॉमिक ग्रोथ गोल, मुद्रा स्थिरता और ब्याज दर की मैनेजमेंट के आधार पर बैंकर्स को 'ए' से 'एफ' के पैमाने पर रेटिंग मिलती है। जहां एक तरफ 'ए' उत्कृष्ट प्रदर्शन को दर्शाता है तो वहीं दूसरी तरफ 'एफ' पूरी तरह से विफलता के लिए मिलता है। इस बार ग्लोबल फाइनेंस पत्रिका ने डेनमार्क के क्रिश्चियन केटल थॉमसन, भारत के शक्तिकान्त दास और स्विटजरलैंड के थॉमस जॉर्डन को 'ए प्लस' रेटिंग दी है। ग्लोबल फाइनेंस नाम की पत्रिका वर्ष 1994 में शुरू हुई थी।

इस मैग्जीन में दुनिया के 101 देशों और इलाकों के केंद्रीय बैंक प्रमुखों का मूल्यांकन किया जाता है। इस लिस्ट में यूरोपीय संघ और कुछ दूसरे क्षेत्रीय केंद्रीय बैंक भी शामिल हैं। इस पत्रिका में देखा जाता है कि कौन-कौन से केंद्र बैंक के प्रमुख ने अच्छे तरीके, नए विचार और दृढ़ इच्छाशक्ति से काम किया है। उनके काम के आधार पर ही पत्रिका द्वारा रेटिंग दी जाती है।

आईसीसी रैंकिंग में स्मृति मंधाना का दबदबा, कप्तान हरमनप्रीत रही पीछे

नईदिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने हाल में तीनों ही फॉर्मेट में दमदार प्रदर्शन किया है जिसका असर उनकी आईसीसी रैंकिंग में दिख रहा है. हाल ही में आईसीसी के द्वारा वनडे की टॉप बल्लेबाजों की सूची जारी की है जिसमें मंधाना शीर्ष बल्लेबाजों में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं जबकि श्रीलंकाई कप्तान चमारी अट्टापट्टू को नुकसान उठाना पड़ा है. अट्टापट्टू आयरलैंड के खिलाफ खेली गई वनडे सीरीज में नहीं खेली थी इसी वजह से उन्हें एक स्थान का नुकसान उठाना पड़ा है.

आईसीसी द्वारा जारी की गई हालिया रैंकिंग में स्मृति मंधाना 738 नंबर के साथ तीसरे रैंकिंग पर हैं. उन्हें 1 स्थान का फायदा हुआ है. टॉप 10 में मंधाना शीर्ष रैंक की भारतीय बल्लेबाज हैं. उनके अलावा भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ही एक ऐसी बल्लेबाज हैं जो शीर्ष 10 में शामिल हैं. हरमनप्रीत कौर 9 वें स्थान पर काबिज हैं. पहले स्थान पर इंग्लैंड की नेट सेवियर ब्रंट और दूसरे स्थान पर साउथ अफ्रीका की लौरा वोल्वार्ट हैं. चमारी अट्टापट्टू चौथे स्थान पर हैं. बता दें कि एशिया कप के फाइनल में भारत को हराने में श्रीलंकाई कप्तान की बड़ी भूमिका रही थी. आईसीसी विमेन टी 20 विश्व कप 3 अक्टूबर से 20 अक्टूबर 2024 तक बांग्लादेश में आयोजित होने वाला था लेकिन बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता की वजह से आईसीसी इवेंट को यूएई में शिफ्ट कर दिया है. हालांकि आयोजन अधिकार अभी भी बांग्लादेश के पास ही है. भारतीय टीम के लिहाज से इस विश्व कप में मंधाना का किरदार काफी अहम रहने वाला है. मौजूदा टीम में कप्तान हरमनप्रीत कौर, ऋचा घोष, शेफाली वर्मा और जेमिमा रोड्रिग्स जैसी बल्लेबाज हैं लेकिन ओपनिंग करते हुए अगर मंधाना बेहतर शुरुआत देती हैं टीम के लिए वो काफी अहम और निर्णायक साबित होगा.

बोर्ना कोरिच ने सेबेस्टियन बाएज से पिछले साल विंस्टन-सलेम की हार का बदला लिया

विंस्टन-सलेम (यूएसए)। मैराथन सेमीफाइनल में हार के एक साल बाद, बोर्ना कोरिच ने विंस्टन-सलेम ओपन में उस हार का बदला लिया, क्रोएशियाई ने शीर्ष वरीयता प्राप्त और गत चैंपियन सेबेस्टियन बाएज को 6-3, 6-4 से हरा दिया। ऐसा लगता है कि कॉरिच ने एक साल पहले उस मैच से मिली सीख का इस्तेमाल किया और उसी इवेंट में जोरदार वापसी की।

पिछले साल एटीपी 250 में मिली हार के बारे में कोरिच ने कहा, मैंने उस मैच से सीखा, मैं कल रात वह मैच देख रहा था। एटीपी टूर ने कोरिच के हवाले से कहा, मैं मैच के लिए तैयार था और यह मेरे लिए बहुत बेहतर था कि हम आज खेले जब धूप थी। पिछले साल हम शाम को खेले थे, जो वास्तव में बहुत धीमा था।

27 वर्षीय क्रोएशियाई ने बाएज के साथ अपनी एटीपी हेड-टू-हेड श्रृंखला में 1-2 का सुधार किया। 2023 में उनकी तीन घंटे 19 मिनट की विंस्टन-सलेम भिड़ंत के कुछ ही दिनों बाद, बाएज ने यूएस ओपन के पहले दौर में कोरिच को फिर से हराया।

16वें राउंड में, तीन बार की टूर-स्तरीय टाइटलविनर का अगला मुकाबला 16वीं वरीयता प्राप्त रिंकी हिजिकाटा से होगा।

इससे पहले, अमेरिकी लकी लूजर ज़ाचरी स्वजदा ने अपने करियर की सर्वोच्च रैंकिंग वाली जीत हासिल की जब उन्होंने विश्व नंबर 29 फ्रांसिस्को सेरुंडोलो को 6-4, 6-4 से हराया। 21 वर्षीय स्वजदा पीआईएफ एटीपी लाइव रैंकिंग में 101वें स्थान पर हैं क्योंकि उनका लक्ष्य शीर्ष 100 में पदार्पण करना है। डेविड गोफिन ने पांचवीं वरीयता प्राप्त इतालवी लुसियानो डार्डेरी को 6-2, 6-4 से हराया जबकि 10वीं वरीयता प्राप्त लोरेंजो सोनेगो ने डोमिनिक स्ट्राइकर को 6-4, 6-1 से हराया।

प्रथम पेज का शेष

0 भारत बंद का दिखा मिला-जुला असर ....

प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग तोड़ दी। इसके बाद पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए वाटर कैनन का प्रयोग किया। लेकिन, प्रदर्शनकारियों के नहीं मानने के बाद पुलिस को लाठीचार्ज करनी पड़ी।

समस्तीपुर से यहां प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार, बंद समर्थकों ने समस्तीपुर रेल मंडल के दरभंगा एवं मधुबनी समेत विभिन्न स्थानों पर रेल ट्रैक को जाम कर ट्रेनों का परिचालन बाधित किया। इधर आरक्षण बचाव संयुक्त संघर्ष मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने समस्तीपुर शहर के जिला समाहरणालय के पास मुख्य मार्ग को जाम किया, जिसके कारण समस्तीपुर-दरभंगा और समस्तीपुर-पटना मुख्य मार्ग पर घंटों यातायात बाधित रहा। गया शहर में भी बंद समर्थकों ने जमकर प्रदर्शन किया। छपरा से प्राप्त समाचार के अनुसार सारण जिला मुख्यालय समेत इसके प्रखंड क्षेत्र में भारत बंद का मिला-जुला असर देखने को मिला।

राजस्थान में बंद शांतिपूर्ण एवं इसका मिला जुला असर रहा। राजधानी जयपुर सहित प्रदेश के जोधपुर, कोटा, अजमेर, भरतपुर सहित कई जिलों में बंद के तहत एसी-एसटी से संबंधित कई संगठनों ने रैलियां निकाली और इस दौरान इन स्थानों पर दुकानें बंद रही। रैली एवं प्रदर्शन के मद्देनजर व्यापारिक संगठनों ने भी सहयोग करते हुए अपनी दुकाने बंद रखी। बंद के मद्देनजर कई जिलों में कॉलेज एवं स्कूलें बंद रही और बंद के मद्देनजर लोग अपने घरों से बिना वजह कम ही निकले।

भरतपुर में भी भारत बंद के तहत रैली निकालकर प्रदर्शन किया गया। बंद शांतिपूर्ण रहा और इस दौरान कहीं से कोई अप्रिय खबर नहीं मिली हैं। इसी प्रकार प्रदेश के अन्य कई हिस्सों में बंद शांतिपूर्ण रहा और इसका मिलाजुला असर देखने को मिला। ग्रामीण क्षेत्रों में बंद का असर कम देखने को मिला। भारत बंद आंदोलन उत्तराखंड में बेअसर रहा। कुछ स्थानों पर, सांकेतिक प्रदर्शन के बाद, ऋषिकेश, हरिद्वार, रुड़की, रुद्रपुर, हल्द्वानी सरीखे मैदानी क्षेत्रों में इसका आंशिक प्रभाव रहा।

हरिद्वार में उत्तराखंड भीम आर्मी, बहुजन समाज पार्टी, आजाद समाज पार्टी ने जिला अधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन किया। यहां भीम आर्मी के प्रदेश अध्यक्ष दीपक सैठपुर के नेतृत्व में राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल को दिया गया। इसके अलावा, यहां दलित आरक्षण संघर्ष समिति व नेशनल फेडरेशन दलित आदिवासी आर्गेनाइजेशन के तत्वाधान में हरिद्वार कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी को ज्ञापन देने से पहले विकास भवन के सामने मैदान में विरोध प्रदर्शन किया गया। हल्द्वानी में विभिन्न संगठनों ने प्रदर्शन करते हुए, डॉ अंबेडकर मिशन फाउंडेशन के बैनर तले सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा।

भारत बंद के आह्वान का छत्तीसगढ़ के बस्तर में व्यापक असर देखने को मिला। सर्व आदिवासी समाज के सदस्यों ने सड़कों पर विरोध प्रदर्शन किया तथा शीर्ष अदालत के फैसले को वापस लेने की मांग किया। बस्तर चैंबर आफ कामर्स के समर्थन से व्यवसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे। स्कूल, कॉलेज व अन्य आवश्यक सेवाओं पर बंद का कोई असर नहीं रहा। सुबह से ही आदिवासी समाज के लोग सड़कों पर प्रदर्शन करते नजर आये।

बस्तर में बंद को सफल बनाने के लिए सुबह से ही एसटी,एससी और ओबीसी वर्ग के लोग सड़कों पर उतर आये थे। संभाग मुख्यालय जगदलपुर में समाज के लोग दुकानें बंद कराते देखें गए। इसके अलावा नेशनल हाइवे में गाड़ियों को भी रोक दिया गया था। सड़क के दोनों ओर लम्बी लम्बी कतारे देखने को मिला। चारपहिया निजी वाहन और मोटरसाकिल के अलावा स्वास्थ्य से जुड़ी वाहनों को छोड़ा जा रहा था। वहीं सड़क के दोनों तरह बसें और ट्रकों की लंबी कतार लग गई। बस्तर बंद को देखते हुए भारी संख्या में पुलिस बल भी जगह जगह तैनात किया गया था।

इधर बस्तर बंद के दौरान यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बसें नही चलने से यात्री बस स्टैंड में भटकते नजर आये। दुकाने बंद होने से घरेलू सामान समेत रोजमर्रा की चीजें नहीं मिलने से भी लोग परेशान दिखे। अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में भी भारत बंद का मिलाजुला असर रहा।

0 वॉरसा पहुंचे पीएम मोदी ने भारतवंशियों को संबोधित किया ....

पोलिश-भारतीय विरासत को भी श्रद्धांजलि अर्पित की। पीएम मोदी ने मोंटे कैसीनो युद्ध स्मारक के पास वलीवडे-कोल्हापुर शिविर के स्मारक पट्टिका पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसका उद्घाटन नवंबर 2017 में किया गया था।

यह स्मारक कोल्हापुर के महान शाही परिवार को श्रद्धांजलि

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, यह स्मारक कोल्हापुर के महान शाही परिवार को श्रद्धांजलि है। यह शाही परिवार द्वितीय विश्व युद्ध की भयावहता के कारण विस्थापित पोलिश महिलाओं और बच्चों को आश्रय देने में सबसे आगे था। महाराष्ट्र के कोल्हापुर के पास वलीवडे गांव में 5,000 से अधिक पोलिश लोग रहते थे। ये लोग एकजुट होकर अपनी मातृभूमि पर लौटने से पहले कई वर्षों तक काम करते रहे। द्वितीय विश्व युद्ध के चरम पर होने के वक्त इनमें से अधिकांश लोग पोलिश शिविरों से भागकर जमीन या समुद्र के रास्ते वहां पहुंचे थे।

0 केमिकल फैक्ट्री में विस्फोट से अब तक 15 की मौत....

गाड़ियों को बचाव कार्य के लिए तैनात किया गया है।

सीएम ने जताया दुख

जिला कलेक्टर ने एजेंसी को बताया यूनिट में फंसे 13 लोगों को बचाया गया। राज्य के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने घटना पर दुख प्रकट करते हुए मृतकों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की हैं। एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि सीएम ने आश्वासन दिया कि सरकार मरने वाले श्रमिकों के परिवारों के साथ खड़ी रहेगी।

0 केंद्र सरकार का बड़ा फैसला: महाराष्ट्र के....

सर्वोच्च श्रेणी है। वीआईपी सुरक्षा श्रेणी का वर्गीकरण हाई लेवल 'जेड प्लस' से शुरू होता है। इसके बाद 'जेड', 'वाई प्लस', 'वाई' और 'एक्स' आते हैं।

0 खडगे-राहुल जम्मू-कश्मीर के दो दिवसीय....

जम्मू-कश्मीर में गठबंधन में लोकसभा चुनाव लड़ा था। कांग्रेस ने जम्मू संभाग में दो लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ा और दोनों पर हार गयी, जबकि नेशनल कांफ्रेंस ने कश्मीर में तीन सीटों पर उम्मीदवार उतारे और दो पर जीत हासिल की।

सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस के शीर्ष नेता कल शाम को जम्मू जायेंगे तथा पार्टी कार्यकर्ताओं और नेतृत्व से बातचीत करने के साथ ही चुनाव रणनीति को अंतिम रूप देंगे।

इजरायल ने मंजूर किया युद्धविराम प्रस्ताव, ब्लिंकन बोले- हमास भी इसे स्वीकारे; नहीं तो यह आखिरी मौका

एपी, तेल अवीव। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने सोमवार को इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ बैठक के बाद कहा कि इजरायल ने गाजा में युद्धविराम और बंधकों की रिहाई में आ रही रुकावटों को दूर करने के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। उन्होंने हमास से भी ऐसा करने का आह्वान किया है। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि प्रस्ताव के मसौदे में हमास द्वारा बताई गई चिंताओं का समाधान किया गया है या नहीं।

ब्लिंकन आगे की बातचीत के लिए मिस्त्र और कतर जाएंगे। तीनों मध्यस्थ गाजा में युद्ध को समाप्त करने की कोशिश में लगे हैं। ताजा दौर की वार्ता से अमेरिका को काफी उम्मीदें हैं। दोहा में गुरुवार और शुक्रवार को दो दिन वार्ता चली, अब आगे की वार्ता काहिरा में अगले हफ्ते शुरू होगी। मध्यस्थों ने वार्ता को सही दिशा में बताया है। हालांकि, हमास ने दोहा वार्ता के ताजा प्रस्ताव में इजरायल की शर्तों को मानने का आरोप लगाते हुए इसकी आलोचना की है।

वहीं, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन गाजा युद्ध शुरू होने के बाद से पश्चिम एशिया की अपनी नौवीं यात्रा पर रविवार को इजरायल पहुंच गए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि वर्तमान गाजा युद्धविराम और बंधकों की रिहाई को लेकर इजरायल और हमास के पास संभवतः यह अंतिम मौका है।

गाजा युद्धविराम वार्ता को उसके अंजाम तक पहुंचाने की कोशिश में अमेरिका लगा हुआ है। विदेश मंत्री ब्लिंकन मंगलवार को काहिरा रवाना हो जाएंगे।

परसाई को याद करना आग से गुजरना है - डॉ. दादूलाल जोशी

छत्तीसगढ़ प्रगतिशील लेखक संघ का आयोजन

राजनांदगांव (दावा)। प्रगतिशील लेखक संघ राजनांदगांव इकाई द्वारा परसाई जी के जन्म शताब्दी पर स्थानीय सृजन संवाद भवन त्रिवेणी परिसर, मुक्तिबोध स्मारक राजनांदगांव में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संतोष्ठी की अध्यक्षता आलोचक प्रो. थानसिंह वर्मा ने किया। संगोष्ठी के प्रमुख वक्ता डॉ. दादूलाल जोशी ने अपने संबोधन में कहा कि परसाई को याद करना आग की दरिया से गुजरना है, ऐसा उन्होंने इसलिए कहा कि आजादी के बाद नेहरू के विकास का मॉडल तथा समाजवाद का स्वप्न टूट रहा था और भारत में पूंजीवाद तथा सांप्रदायिक फॉसीवाद अपना पैर जमा रहा था। आजादी के दौर का आदर्श और मूल्य का विघटन हो रहा था उसे परसाई जी ने बहुत सूक्ष्मता से देखा और बहुत तल्खी के साथ उस पर व्यंग्य किया है। उन्होंने कहा परसाई जी अपने समय के ही नहीं बल्कि आज भी हमारे बीच एक शिक्षक के रूप में अपनी रचनाओं के माध्यम से उपस्थित हैं। प्रगतिशील लेखक संघ के अध्यक्ष प्रभात तिवारी ने अपने आलेख में परसाई जी की रचनाओं में विषय की विविधता और उसमें निहित यथार्थ को उदघाटित किया। उन्होंने 'अकाल उत्सव' निबंध में किस तरह किसान अपने फसल को बचाने के लिए पूजा करता है तो दूसरी ओर व्यापारी तथा पूँजीपति वर्ग अवर्षा के लिए पूजा करते हैं, अकाल की प्रतीक्षा करते है। परसाई जी ने धर्म की राजनीति, अर्थव्यवस्था, कर्मकाण्ड, अंधविश्वास का विरोध किया है।

कथाकार कुबेर साहू ने कहा परसाई जी की दृष्टि बहुत व्यापक थी, ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है जहां पर परसाई जी की दृष्टि नहीं गई होगी, परसाई जी की दृष्टि की मशीन एक्सरे मशीन की तरह दूर तक जाती थी यह उनकी गहन अध्ययनशीलता का प्रमाण है। परसाई जी जहां भी असंगत दिखता था उसका विरोध करते थे। यह चिंता का विषय है कि आज का मनुष्य इतना जड़ क्यों हो गया है।

डॉ. शंकर मुनि रॉय ने परसाई जी से पहले भी व्यंग्य की परंपरा रही है लेकिन परसाई जी का व्यंग्य उनसे अलग है। परसाई जी के व्यंग्य में करूणा है। वे कहा करते थे कि जिस साहित्य में करूणा नहीं है, वह साहित्य नहीं है। उन्होंने 'वैष्णव की फिसलन' निबंध में धर्म को धंधे में कैसे बदल दिया जाता है उसकी व्याख्या की। युगल किशोर तिवारी ने कहा परसाई जी के व्यंग्य रचनाओं को समझने के लिए व्यापक अध्ययन तथा विकसित दृष्टि आवश्यक है।

अंत में अध्यक्षीय उदबोधन में प्रो. थानसिंह वर्मा ने 'परसाई जी और आज के समय' पर अपना विचार व्यक्त करते हुए कहा कि परसाई जी ने अपने समय के समाज की विद्रुपताओं को देखकर जो कुछ लिखा है वह आज भी प्रासंगिक है, वे दूर दृष्टा थे। कथाकार महेश कटारे ने यह ठीक ही कहा है कि परसाई जी संपाती की दृष्टि रखते है। परसाई जी ने अपने समय की राजनीति, धर्म, संप्रदाय, समाज में व्याप्त अंधविश्वास, अशिक्षा, अज्ञानता और इन सबके पीछे की जो शक्तियाँ हैं उन शक्तियों का चेहरा बेनकाब किया है। परसाई जी अपनी बात सूत्र रूप में कहते हैं और यह सूत्र लक्ष्य को भेदने वाले होते हैं। उन्होंने न्याय व्यवस्था और देश में धर्म, साम्प्रदायिकता से संबंधित कुछ उदाहरण दिये जैसे 'झूठ बोलने के लिए सुरक्षित जगह अदालत है, वहाँ सुरक्षा के लिए भगवान और न्यायाधीश हाजिर होते हैं', 'दुनिया में कहीं गाय की पूजा नहीं होती इसलिए वह दूध देने के काम आती है, यहाँ गाय पूजीं जाती है इसीलिए दंगे के काम आती है।'

कार्यक्रम के आरंभ में प्रो. वर्मा ने कबीर के निर्गुण 'रहना नहीं देश बिराना रे...' गाकर सुनाया। कार्यक्रम में कैलाश श्रीवास्तव, आत्माराम कोशा, मुन्ना बाबू यादव, गिरीश ठक्कर, जयेश रामटेके, हरेन्द्र कंवर, डॉ. गजेन्द्र बघेल, कार्तिक साहू, राजकुमार चौधरी, ओमप्रकाश साहू, महेन्द्र बघेल, पवन यादव पहुना उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रवीण साहू ने तथा आभार ज्ञापन हरेन्द्र कंवर ने किया।

महिला सुरक्षा संगठन फाउंडेशन द्वारा सुरक्षा कार्यक्रम आयोजित

राजनांदगांव (दावा)। महिला सुरक्षा संगठन फाउंडेशन छत्तीसगढ़ जिला के पदाधिकारी एवं सदस्य के माध्यम से कार्यक्रम किया गया। भारत के कोलकाता में रहने वाली वह बेटी न छोटे कपड़े पहनी थी, न रात को बाहर घूम रही थी, न मॉडल थी, न हीरोइन, न कोई डांसर।

बल्कि, वह एक डॉक्टर थी जिसे समाज में भगवान का दर्जा दिया जाता है, उसका रेप हो गया। अब कहाँ गए वह कुंठित लोग जो लड़कियों के पेशे तो कभी कपड़े तो कभी चाल और व्यवहार को दोषी बताते है रेप के लिए, जिस पर आज हमारे जिला कार्यकारिणी अध्यक्ष श्रीमती कांति मौर्य के साथ जिला के टीम के साथ आज उपस्थित पूरे सदस्य थे प्रधान आरक्षक डोमेश्वरी साहू, खिलेश्वरी साहू, सीमा साहू, निर्मला सिन्हा, निर्मला साहू, ममता, रानी, उर्वशी साहू, पुष्पलता, सेरूवा, मीना देवांगन, वर्षा मौर्य, गीतांजलि मौर्य, साधना साहू, उषा साहू और जिस पर अन्य संगठन के बहने उपस्थित थे।

अंडर -19 क्रिकेट ट्रॉयल 23 अगस्त को

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा जारी सत्र 2024-25 के लिए विभिन्न आयु वर्ग की चयन प्रक्रिया की तिथियों के तहत जिला क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा जिले की टीम (अंडर-19) के गठन हेतु आगामी 23 अगस्त 2024 दिन शुक्रवार को चयन प्रक्रिया का आयोजन दिग्विजय स्टेडियम में किया जायेगा।

चयन प्रक्रिया सुबह 9 बजे से प्रारंभ होगी। अंडर - 19 आयु वर्ग के लिए आयु सीमा 1 सितम्बर 2006 या उसके बाद जन्म हुआ हो निर्धारित की गई है। चयन प्रक्रिया में शामिल होने हेतु खिलाड़ियों का ऑनलाईन पंजीयन आवश्यक है। जिन खिलाड़ियों का पंजीयन नही हुआ है, वे ट्रॉयल दिनांक को आवश्यक दस्तावेज (पिछले 6 वर्षो की अंक सूची, जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड सभी की मूल प्रति व 1 पासपोर्ट साईज फोटो) के साथ उपस्थित होकर अपना पंजीयन कराकर चयन प्रक्रिया में शामिल हो सकता है। उक्त चयन प्रक्रिया में खिलाड़ियों का चयन एसोसिएशन द्वारा नियुक्त चयनकत्ताओं द्वारा किया जायेगा। जिला क्रिकेट एसोसिएशन राजनांदगांव के सचिव योगेश बागड़ी ने बताया कि आगामी क्रिकेट सत्र के लिए विभिन्न आयु वर्गो की चयन प्रक्रिया सत्र शुरू होने के पहले आयोजित की जा रही है, ताकि विभिन्न आयु वर्ग (अंडर-14, 16 व अंडर-19) के खिलाड़ियों को क्रिकेट की बारिकियां सिखने व फिटनेस हेतु प्राप्त समय मिल सके। उक्त आयोजित चयन प्रक्रिया से खिलाड़ियों का चयन कर सघन प्रशिक्षण शिविर लगाया जावेगा। शिविर के दौरान आयोजित अभ्यास मैचों में प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ियों का चयन कर जिले के टीम (अंडर-19) का गठन किया जावेंगा। जो छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा आगामी सत्र में आयोजित अंतर जिला क्रिकेट टुर्नामेंट में भाग लेंगे। उक्त चयन प्रक्रिया में शामिल होने हेतु खिलाड़ियों को स्वयं की क्रिकेट कीट व सफेद ड्रेस के साथ आना होगा, आवश्यक दस्तावेजों के साथ न आने पर खिलाड़ियों को चयन प्रक्रिया में शामिल नही किया जावेगा। ट्रॉयल दिनांक को खराब मौसम होने की स्थिति में चयन प्रक्रिया संबंधित जानकारी मो. - 9399645345 पर ली जा सकती है, ताकि खिलाड़ियों को असुविधा का सामना न करना पड़े। उक्त जानकारी जिला क्रिकेट एसोसिएशन राजनांदगांव के मीडिया प्रभारी लक्ष्मण लोहिया ने दी।

ज्योतिष आचार्य ज्ञानेंद्र देवांगन की सेवाएँ अब राजनांदगांव में

राजनांदगांव (दावा)। इंदौर के प्रतिष्ठित ज्योतिष महाविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर और विद्वान आचार्य ज्ञानेंद्र देवांगन ने अपनी अद्भुत ज्योतिषीय, रमल विद्या और टैरो कार्ड पद्धति का प्रयोग कर अनगिनत लोगों को जीवन की दिशा दिखाने का काम किया है।

आचार्य जी की सेवाएं अब प्रतिदिन जिलेवासियों को मिल रहा हैं। आचार्य ज्ञानेंद्र देवांगन का नाम आज हर उस व्यक्ति की जुबां पर है, जो अपने जीवन के किसी भी प्रकार के संकट या समस्या का समाधान चाहते हैं। उनकी वास्तु शास्त्र में गहरी निपुणता ने कई घरों और व्यावसायिक स्थलों में सकारात्मकता का संचार किया है। उनके द्वारा दी गई सलाह से लोग न केवल मानसिक शांति प्राप्त कर रहे हैं बल्कि अपने जीवन के महत्वपूर्ण निर्णय भी सफलतापूर्वक ले पा रहे हैं। जो भी व्यक्ति जीवन के किसी भी पहलू में दुविधा या समस्याओं का सामना कर रहा है, वह आचार्य ज्ञानेंद्र से संपर्क कर अपनी परेशानियों का हल पा सकता है। आर.के. नगर चौक मनोकामना भवन के आगे ज्योतिष केंद्र स्थित हैं, जहाँ वे रोजाना उपलब्ध रहते हैं।

लोधी क्षत्रिय जिला इकाई द्वारा प्रतिभा सम्मान एवं कैरियर गाइडेंस समारोह संपन्न

डोंगरगढ़ (दावा)। लोधी क्षत्रिय एम्पलाइज़ एसोसिएशन छत्तीसगढ़ के जिला इकाई द्वारा जिला स्तरीय लक्ष्य प्रतिभा सम्मान एवं कैरियर गाइडेंस समारोह रविवार को दिलीप सिंह मंगल भवन खैरागढ़ में अतिथियों द्वारा रानी अवंतीबाई लोधी, लोधेश्वर महादेव एवं स्वामी ब्रह्मानंद की तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्वलीत एवं राज्य गीत गाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। प्रतिभा सम्मान समारोह में उत्कृष्ट 10 वीं 12 वीं के प्रतिभावान मेधावी बच्चों एवं समाज के सेवानिवृत शिक्षकों का सम्मान अतिथियों द्वारा स्मृति चिन्ह भेंटकर किया गया।

जिला स्तरीय लक्ष्य प्रतिभा सम्मान एवं कैरियर गाइडेंस समारोह में सम्मिलित हुए विष्णु लोधी
समाज के सेवानिवृत्त शिक्षकों एवं प्रतिभावान बच्चों का सम्मान

विष्णु लोधी कार्यक्रम में उपस्थित होकर विद्यार्थियों का हौसला बढ़ाया कहा प्रतिभा सम्मान समारोह से बच्चों के हौसला अफजाई में मिल का पत्थर साबित होगा। विष्णु लोधी ने जिला लोधी समाज एवं लक्ष्य के पुरी टीम के साथ-साथ मार्गदर्शक डॉ लिंकेश्वर वर्मा, डॉ शिव भजन जंघेल, डॉ आशुतोष कचलरिया, इंजीनियरिंग शशिकांत वर्मा, कृषि विशेषज्ञ सौरभ जंघेल आप सभी को सफल आयोजन एवं सफल मार्गदर्शक के साथ-साथ शिक्षकों, अभिभावकों, विद्यार्थीयों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज विद्यार्थी एवं वरिष्ठ जन उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय देहदान दिवस पर 15 लोगों ने लिया देहदान संकल्प

राजनांदगांव (दावा)। देहदान सेवा समिति के क्षेत्रीय संयोजक पुनारद दास साहू ग्राम रातापायली के निवास पर आयोजित कार्यक्रम में एक संत सहित क्षेत्र के 15 लोगों ने देहदान का संकल्प पत्र जमा किया।

कार्यक्रम में संत ओंकार साहेब कबीर आश्रम इरईकला पूर्व में देहदान कर चुके संत विवेक साहेब संत विनय साहेब सहित देहदान सेवा समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यगण एवं देहदानीगण उपस्थित रहे। ज्ञात हो पुनारद दास का पूरा परिवार देहदान कर चुके है। श्री साहू के लेख देहदान आवश्यकता और महत्व के माध्यम से संतगण भी प्रभावित होकर देहदान का संकल्प ले रहे है।

ग्राम सुरगी एवं धामनसरा में शासकीय उचित मूल्य की दुकान संचालन के लिए आवेदन आमंत्रित

राजनांदगांव (दावा)। राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम सुरगी एवं धामनसरा में शासकीय उचित मूल्य की दुकान संचालित करने के लिए 27 अगस्त तक आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं।

शासकीय उचित मूल्य की दुकान संचालित करने के इच्छुक जिले में स्थित वृहत्ताकार आदिम जाति बहुउद्देशीय सहकारी समिति (लेम्पस), प्राथमिक कृषि साख समिति, वन सुरक्षा समिति, महिला स्वसहायता समूह, अन्य उपभोक्ता सहकारी समिति से निर्धारित तिथि तक आवश्यक दस्तावजों के साथ कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व राजनांदगांव में प्रस्तुत कर सकते हैं। इस संबंध में विस्तृत जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

शा. कन्या प्राथमिक शाला में धूमधाम से मना रक्षाबंधन का पर्व

बालोद (दावा)। शासकीय कन्या प्राथमिक शाला क्रमांक 1, बालोद में रक्षाबंधन का पर्व बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर शाला में अध्ययनरत सभी छात्राओं को शाला विकास समिति के उपाध्यक्ष श्रीमती किरण साहू द्वारा ऊंन बटन धागा एवं मोती से राखी बनाने की विधि सिखाई गई। इसके बाद, शाला की छात्राओं ने विधिवत तिलक और आरती के साथ नारियल भेंट कर छात्रों को राखी बांधी और मिठाई खिलाई। छात्रों ने भी शगुन के रूप में अपनी बहनों को 1 और चॉकलेट प्रदान कर उनकी रक्षा करने का वचन दिया। यह कार्यक्रम शाला प्रबंधन समिति की अध्यक्ष श्रीमती हेमलता साहू, उपाध्यक्ष श्रीमती किरण साहू और सहायक शिक्षक श्री कीर्तन लाल पटेल के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शाला प्रबंधन समिति की अध्यक्ष श्रीमती हेमलता साहू ने रक्षाबंधन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रक्षा बंधन, जिसे रक्षासूत्र या राखी पर्व के रूप में भी जाना जाता है, हिंदू धर्म में भाई-बहन के प्रेम, सुरक्षा और कर्तव्य का प्रतीक पर्व है। इस दिन बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती है और उसकी लंबी उम्र और सफलता की कामना करती है।

इसके बदले में भाई अपनी बहन की रक्षा का संकल्प लेता है। धार्मिक उदाहरणों में, महाभारत से यह प्रसंग विशेष रूप से जाना जाता है कि जब भगवान श्रीकृष्ण की उंगली से रक्त बह रहा था, तब द्रौपदी ने अपनी साड़ी का एक टुकड़ा फाड़कर कृष्ण की उंगली पर बांध दिया। इस प्रेम और स्नेह के बदले में श्रीकृष्ण ने कठिन समय में द्रौपदी की रक्षा करने का वचन दिया और उसे निभाया भी। इसी प्रकार, रक्षा बंधन का यह पवित्र धागा भाई-बहन के अनमोल रिश्ते को दर्शाता है। शाला विकास समिति की उपाध्यक्ष श्रीमती किरण साहू द्वारा बताया गया की रक्षा बंधन को न केवल पारिवारिक पर्व के रूप में मनाया जाना चाहिए, बल्कि इसे समाज और पर्यावरण की रक्षा से भी जोड़ा जा सकता है। आजकल पर्यावरण की समस्याएं बढ़ रही हैं, इसलिए हमें इस पर्व को और भी सार्थक बनाना चाहिए। उन्होंने निवेदन किया कि प्रत्येक वर्ष विद्यालय में रक्षा बंधन का पवं ''फ्रेंडली रक्षाबंधन'' की भावना के साथ मनाया जाए। इसका उद्देश्य न केवल भाई-बहन के प्रेम को बढ़ावा देना है, बल्कि पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारियों को भी समझना है। प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करना हमारी जिम्मेदारी है, इसलिए हमें प्लास्टिक या रासायनिक पदार्थों से बनी राखियों की जगह पर्यावरण मित्र (इको-फ्रेंडली) राखियों का उपयोग करना चाहिए। बच्चे स्वयं राखी बनाएं, इससे न केवल उनकी सृजनात्मकता में वृद्धि होगी, बल्कि पर्यावरण के प्रति उनका जागरूक होना भी सुनिश्चित होगा। प्राकृतिक सामग्रियों से बनी राखियां, जैसे कपड़े, धागे, बीज, या सूखे फूलों से बनी राखियां न केवल पर्यावरण को नुकसान से बचाएंगी, बल्कि यह भी सिखाएंगी कि हम अपने संसाधनों का समझदारी से उपयोग कैसे कर सकते हैं। स्वनिर्मित राखियां बच्चों में आत्मनिर्भरता और सृजनात्मकता को प्रोत्साहित करती हैं।

साथ ही, इससे बच्चों को यह एहसास होता है कि हम अपने हाथों से सुंदर चीजें बना सकते हैं जो प्रकृति के लिए हानिकारक नहीं हैं। प्रधान पाठक श्री एस.के.आसिफ रिजवी ने इस आयोजन के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम बच्चों में आपसी प्रेम और सद्भावना को प्रोत्साहित करते हैं। किसी भी त्योहार को शाला में पहले से मनाने का महत्वपूर्ण उद्देश्य बच्चों को भारतीय संस्कृति, परंपराओं और त्योहारों के महत्व से परिचित कराना है।

जब किसी त्योहार का आयोजन पहले से किया जाता है, तो बच्चे उस त्योहार की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सामाजिक पृष्ठभूमि को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं। इस प्रक्रिया से उन्हें न केवल त्योहारों की परंपराओं को सीखने का अवसर मिलता है, बल्कि वे उनके मूल्यों और भावनाओं को भी आत्मसात कर सकते हैं। बच्चों में अनुशासन, संगठनात्मक कौशल और टीमवर्क की भावना भी विकसित होती है, क्योंकि ऐसे कार्यक्रमों में उन्हें योजनाबद्ध तरीके से शामिल किया जाता है। इससे वे अपने समय का प्रबंधन करना और जिम्मेदारियों का निर्वहन करना भी सीखते हैं। सहायक शिक्षक श्री कीर्तन लाल पटेल द्वारा बताया गया कि किसी भी त्योहार को शाला में मनाने का उद्देश्य बच्चों को सांस्कृतिक धरोहर के प्रति जागरूक बनाना और उनके व्यक्तिगत तथा सामाजिक विकास को प्रोत्साहित करना है।

सुकुलदैहान में प्रथम क्रिएटिविटी क्लब प्रशिक्षण का आयोजन

राजनांदगांव (दावा)। ग्राम-सुकुलदैहान, ब्लॉक - राजनांदगांव जिला- राजनांदगांव, छत्तीसगढ़ में प्रथम क्रिएटिविटी क्लब प्रशिक्षण का आयोजन किया गया प्रथम एजुकेशन फाऊंडेशन एक गैर सरकारी संस्था है जो पूरे भारत में शिक्षा से वंचित बच्चों और युवाओं को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान और कौशल विकास प्रशिक्षण देने का कार्य कर रही है।

यह संस्था समुदायों को सशक्त बनाने और युवाओं विद्यार्थियों के बीच क्रिएटिविटी को बढ़ावा देने के लिए प्रयास कर रहे हैं क्रिएटिविटी कार्यक्रम के अंतर्गत स्कूल में खेल और नृत्य के दो मुख्य विषयों के साथ 45 स्कूल एवं समुदाय में फिटनेस क्लब स्थापित करना है यह क्लब 10 से 14 वर्ष के सभी छात्र-छात्राओं के लिए खेल और नृत्य संबंधित सामग्री उपलब्ध करवा कर गतिविधियों संचालित करेगा। प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन द्वारा कौशल विकास के क्षेत्र में टू व्हीलर मैकेनिक, फोर व्हीलर मैकेनिक, हेल्थ केयर, हॉस्पिटैलिटी, प्लंबिंग, सोलर इलेक्ट्रीशियन, ड्राइ वाल फाल्स सीलिंग, वेल्डिंग, ब्यूटी पार्लर, मल्टीफंक्शनल ऑफिस असिस्टेंट आदि प्रकार के कोर्स संचालित होते हैं अंत में सभी युवाओं को प्रमाण पत्र वितरित किया गया।

नेहरु महाविद्यालय में हर्षोल्लास से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

डोंगरगढ़ (दावा)। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ में प्रभारी प्राचार्य डॉ. श्रीमती ई.व्ही रेवती के दिशा निर्देशन में 78वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान से हुआ।

साथ ही शहीदों को महाविद्यालय परिवार द्वारा श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। अंग्रेजी विभागाध्यक्ष एवं एन.सी.सी प्रभारी गुलशन सिन्हा के कुशल नेतृत्व में एन.सी.सी के छात्र-छात्राओं द्वारा परेड में अपनी महत्वपूर्ण सहभागिता देते हुए राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गई। एनएसएस प्रभारी हेमूराम पदमे एवं महिला इकाई प्रभारी नीलम चतुर्वेदानी के दिशा निर्देशन में एनएसएस के छात्र-छात्राओं ने उत्साह पूर्वक कार्यक्रम में अपनी सहभागिता दी। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. श्रीमती ई.व्ही. रेवती द्वारा स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा गया कि आज हम जिस स्वतंत्र वातावरण में जीवन यापन कर रहे हैं ,यह हमारे देश के शहीदों के संघर्ष और बलिदान का ही प्रतिफल है। हमारे युवा छात्र-छात्राओं को इनसे प्रेरणा लेकर अपनी ऊर्जा सकारात्मक दिशा में लगाना चाहिए, जिससे देश -हित के कार्य किए जा सकें।

डॉ. नीता राजपूत द्वारा आजाद वतन की आजाद दिशा में गूंज रहा जय गान कविता प्रस्तुत किया गया। साथ ही एन.सी.सी कैडेट्स मेघा वर्मा एवं भूतपूर्व छात्रा प्रेरणा वैदे द्वारा एम.ए अंग्रेजी ए वतन ए वतन गीत की प्रस्तुति दी गई। स्नातक एवं स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष की परीक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। साथ ही एक वृक्ष मां के नाम अभियान के तहत महाविद्यालय प्रांगण में वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम में सहा.प्राध्यापक डॉ. प्रदीप कुमार जाम्बुलकर, डॉ आशा चौधरी, डॉ.आर. आर. कोचे, डॉ. एम.एल.नंदेश्वर, नितेश कुमार तिरपुड़े, जी.के.यादव, बेद प्रकाश साहू, श्रीमती सोनाली लोया, ओमप्रकाश वर्मा, अविनाश सिंह, नितिन शांडिल्य, संजय तिवारी, बी.एस. मांडावी, के.जी. सोनकर, विवेक श्रीवास, सुशील सोनवानी, संदीप गजभिये, डॉ. येशुकृति हजारे, नीलम सिन्हा, डॉ. नौशीन अंजुम, श्रीमती तूलिका चक्रवर्ती, एवलाल मेश्राम, अनिमा मिंज, मनीषा भेडिया, गौरव तिवारी, डॉ. सपना परिहार, अंकिता प्रसाद, पुर्वेश कुमार बांधव, डॉ. राजेश्वरी ठाकुर, डॉ .निवेंद कुमार शर्मा, श्रीमती देव देवांगन, डॉ गोकुल प्रसाद, शिव मालेकर, मंजू धनकर, मनीष भास्कर, चित्रा खोब्रागढे, शैलेंद्र यादव, श्रीमती शबाना खान, श्रीमती प्रीति सहारे, महेश कोटांगले सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एनसीसी केयर टेकर गुलशन सिन्हा द्वारा द्वारा किया गया।

विधायक निवास में मना पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की जयंती दिवस

खैरागढ़ (दावा)। अमलीपारा खैरागढ़ विधायक निवास में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी का जन्मदिवस स्थानीय कांग्रेसियों द्वारा मनाया गया। स्व. राजीव गांधी की तैल चित्र में माल्यार्पण खैरागढ़ विधायक व अन्य कांग्रेसी द्वारा किया तथा राजीव गांधी को याद करते हुए राजीव गांधी अमर रहे के नारे कांग्रेसियो द्वारा लगाए गए।

इस अवसर पर संगोष्ठी सभा आयोजित की संगोष्ठी सभा को संबोधित करते हुए विधायक यशोदा नीलांबर वर्मा ने कहा कि भारत देश के पूर्व प्रधानमंत्री मंत्री स्व. राजीव गांधी के द्वारा देश में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से भारत को शुधीर्ण करने का कार्य किया था। उपस्थित कांग्रेसियों को विधायक यशोदा नीलांबर वर्मा ने स्व. राजीव गांधी के पथ चिन्हों पर में चलने का आवाहन किया। संकोष्टि सभा नीलांबर वर्मा, पं. मिहिर झा, विधायक प्रतिनिधि मनराखन देवांगन, सहित अन्य कांग्रेसी संबोधित कर स्व. राजीव गांधी को याद किया। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ग्रामीण अध्यक्ष आकाशदीप सिंह गोल्डी, शहर अध्यक्ष भीखमचंद छजेड़, नीलांबर वर्मा, पं. मिहिर झा, मनराखन देवांगन, गुलाब चोपड़ा, विल्लव साहू, डॉ. अरुण भारद्वाज, एवं बड़ी संख्या में कांग्रेसी उपस्थित रहे।

नांदगांव बंद का शहर में रहा मिला जुला असर

० पुलिस की रही चाक-चौबंद व्यवस्था
० शहर में निकली अजा-अजजा संयुक्त संघर्ष मोर्चा की रैली....
० कलेक्ट्रेट समीप हुई सभा, जुटे हजारों लोग
० बंद के दौरान ज्यादातर दुकानें खुली रही

राजनांदगांव (दावा)। कोटा पर कोटा के विरोध में भारत बंद आह्वान के तहत बुधवार को अनुसूचित जाति/जनजाति संयुक्त संघर्ष मोर्चा द्वारा राजनांदगांव बंद का आयोजन किया गया था जिसका शहर में मिला-जुला असर देखा गया। हालांकि संघर्ष मोर्चा द्वारा स्टेट हाईस्कूल से निकाली गई रैली में शहर के लोगों को दुकाने बंद करने का आह्वान किया गया। इससे कुछ लोगों ने अपनी दुकानें अधखुली व पूरी तरह बंद रखी, वही शहर के कामठी लाईन स्थित खंडेलवाल होटल को रैली के गुजरते समय बंद रखने का निवेदन किया गया। इसके बाद भी होटल खुली रही।

बता दे कि चेम्बर आफ कामर्स ने इस बंद का समर्थन नहीं दिया था। इसके चलते शहर के ज्यादातर व्यवसायियों की दुकानें खुली रही। शहर के मुख्य मार्केट गोल बाजार क्षेत्र गुड़ाखू लाईन, शनि मंदिर रोड, हलवाई लाइन, सिनेमा लाईन, सदर बाजार रोड, आजाद चौक क्षेत्र, जयस्तंभ चौक रोड की प्रायः सभी दुकानें खुली देखी गई।

शहर में निकली मोर्चा की रैली

बता दें कि नांदगांव बंद के एक दिन पहले अनुसूचित जाति जनजाति संयुक्त संघर्ष मोर्चा द्वारा शहर में बाईक रैली निकाली गई। वही बुधवार को शहर में लगभग 10 बजे निकली संघर्ष मोर्चा की रैली में हजारों लोग जुटे। रैली के शहर के मुख्य मार्गो में गुजरते समय दुकानदारों से अपनी दुकानें बंद किए जाने की अपील भी की गई। इस दौरान दुकानदारों ने कुछ अनहोनी घटना न हो इसके चलते अपनी दुकाने बंद कर दी। जिसे बाद दोपहर 12 बजे के बाद खोल दी। शहर के व्यस्ततम चौक पर स्थित मानस मंदिर होटल भी दोपहर बाद पूरी तरह खुला रहा। वैसे इस बंद से आम जनता को किसी प्रकार दिक्कते नहीं हुई। बस-ट्रेनें आम दिनों की तरह अपने रूटों पर चली। उक्तानुसार देखा जाए तो अजा-अजजा संयुक्त संघर्ष मोर्चा का राजनांदगांव बंद का शहर में मिलाजुला असर देखा गया। हालांकि मोर्चा द्वारा निकाली गई रैली में हजारों लोगों की भीड़ उपस्थित रही। रैली का स्टेट हाईस्कूल मैदान से निकलकर शहर के मुख्य मार्गों में भ्रमण करते हुए मानव मंदिर चौक, गुरूद्वारा रोड से होकर सीधे कलेक्ट्रेट के समीप पहुंची जहां आम सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान रैली के साथ-साथ शहर में पुलिस का चौक-चौबंद व्यवस्था रही जिससे किसी प्रकार अप्रिय घटना घटित नहीं हुई।

सौंपा गया ज्ञापन

बता दे कि भारत बंद के दौरान वाट्सअप ग्रुप में किसी भीम सेना प्रमुख द्वारा जबरदस्ती किए जाने व किसी दुकानदार द्वारा सहयोग नहीं किए जानमाल की क्षति के समाचार वायरल होने से लोगों में भय का वातावरण निर्मित हो गया था। चेम्बर आफ कामर्स ने उक्त वायरल समाचार को भी एक मुद्दा मानते हुए जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन से व्यापारियों की सुरक्षा मांगी थी। इन सब बातों का भी संघर्ष मोर्चा के नांदगांव बंद पर असर हुआ। बहरहाल संघर्ष मोर्चा का राजनांदगांव बंद शांति पूर्व माहौल में सम्पन्न हुआ। इस दौरान शहर के चौक चौराहों व अन्य स्थानों में पुलिस की तगड़ी व्यवस्था रही। रैली के पश्चात संघर्ष मोर्चा के द्वारा कलेक्ट्रेट पहुंचने पर आबेडकर चौक में आमसभा का आयोजन किया गया। जिसे संघर्ष मोर्चा के डॉ. के.एल. टांडेकर सहित बौद्ध भंते व सर्वजाति समाज के प्रमुख लोगों ने सम्बोधित किया। इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व उर्जा मंत्री धनेश पाटिला सहित सर्वसमाज के लोगों की उपस्थिति रही। सभा समाप्ति के बाद संघर्ष मोर्चा द्वारा राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के नाम संयुक्त कलेक्टर के हाथों ज्ञापन सौंपा गया। संघर्ष मोर्चा के डॉ. टांडेकर ने नांदगांव बंद के दौरान अपनी दुकानें व कारोबार बंद रखकर बंद को समर्थन देने वाले सभी छोटे-बड़े व्यवसायियों का आभार प्रदर्शन किया है।

नगर अध्यक्ष हीरा निषाद पर एफआईआर

० जैन समाज को लेकर की गई अभद्र टिप्पणी
० एक ही दिन में तीन बार चक्काजाम

डोंगरगांव (दावा)। नगर में उस समय स्थिति विपरीत हो गई, जब स्वयं नगर पंचायत अध्यक्ष ने बंद का समर्थन नहीं करने पर एक दुकानदार के सामने जैन समाज के प्रति अनर्गल और अभद्र टिप्पणी कर दी. जिसके बाद से लगातार माहौल बिगड़ता चला गया. वहीं इस मामले को लेकर जैन समाज के सामाजिक बंधुओं के साथ बच्चे और महिलाएं भी इस आंदोलन में शामिल हुए और नगर पंचायत अध्यक्ष व प्रशासन के विरोध में जमकर नारे लगाए.

दरअसल यह पूरा मामला बुधवार सुबह डोंगरगाँव के कुछ व्यापारियों ने अपनी दुकान खोलना प्रारंभ ही किया था कि भारत बंद के समर्थन में एसटी-एससी समुदाय के कुछ लोगों के साथ नगर पंचायत अध्यक्ष हीरा निषाद के साथ दुकानों को बंद करवाने पहुंचे थे. इसी बीच एक व्यापारी के साथ विवाद की स्थिति बन गयी और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हीरा निषाद ने जैन समाज के इस व्यापारी के समक्ष सामाजिक रूप से अनर्गल और अभद्र बात कह दी. जिसे जैन समाज के लोगों ने इसे धार्मिक आस्था पर प्रहार का मामला बताया और जैन समाज के लोगों और पदाधिकारियों तक यह अनर्गल बात पहुंचने पर आंदोलन का रूप ले लिया और एसटी-एससी भारत बंद का माहौल जैन समाज के आक्रोश आंदोलन का मोड़ ले लिया.

प्रातः से भारत बंद के समर्थन में एसटी-एससी आंदोलन नगर में प्रारंभ किया गया था, जिसमें हॉटल, पानठेला से लेकर कोई भी दुकान नहीं खुली थी और बगैर पूर्व सूचना के एसटी-एससी आंदोलनकारी अचानक श्रीराम व्दार के पास चक्काजाम कर दिया जिसे घंटों बाद पुलिस प्रशासन की मदद से खोला गया और इस चक्काजाम के खुलने के बाद ये आंदोलनकारी शहर में एक दुकानों के खुलने से उन्हें बंद करवाने निकल पड़े थे, जिसमें कुछ दुकानदारों के साथ काफी विवाद भी सामने आया लेकिन आंदोलन में हीरा निषाद के आने के बाद एक दुकान को बंद करवाने के दौरान शहर में एक बड़ा विवाद सामने आ गया.

बता दें कि समाज के नाम पर अनर्गल टिप्पणी करने के बाद डोंगरगांव नगर के श्रीराम द्वारा के पास सभी सामाजिक लोग शामिल हुए जिसमें जैन समाज की महिलाओं, बच्चों के साथ ही अन्य समाज के लोग भी नगर अध्यक्ष के अनर्गल वार्तालाप की निंदा की जिसमें मुस्लिम समाज के लोग भी शामिल हुए. आक्रोश के चलते एक बार फिर सभी दुकानों को बंद कर मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर नगर पंचायत अध्यक्ष हीरा निषाद को सामने लाने और माफी मांगने की मांग पर अड़े रहे. जबरदस्त आक्रोश और रैली को देखते हुए स्थानीय प्रशासन और पुलिस के द्वारा लगातार समझाईश देते रहे और अंत में आंदोलन को बढ़ता देख हीरा निषाद को डोंगरगांव थाने में बैठाया गया. वहीं जैन समाज के लोग भी बड़ी संख्या में पहुंचकर एफआईआर की मांग करने लगे. दिनभर चले इस घटनाक्रम के बाद दोपहर 3 बजे समाज का एक डेलिगेशन बात करने थाने के अंदर गए और एफआईआर की प्रक्रिया प्रारंभ की गई. हॉलाकि इस मामले में लगायी गई धाराओं को लेकर समाज में अब भी असंतोष व्याप्त है लेकिन एफआईआर की कार्यवाही होने के बाद समाज के सभी लोग वापस लौट गए.

इधर नगर अध्यक्ष पर एफआईआर दर्ज होने के बाद और जैन समाज के वापस लौटने के बाद एसटी-एससी समाज के आंदोलनकारी थाने पहुंचकर पक्षपातपूर्ण कार्यवाही का आरोप लगाते हुए हीरा निषाद को छोडने की मांग करने लगे उनका कहना है कि हीरा निषाद उन्हें सामाजिक रूप से सहयोग कर रहे थे जिस पर पुलिस ने आंदोलनकारियों को बताया कि एफआईआर उनकी व्यक्तिगत टिप्पणी की वजह से की गई है न कि एसटी-एससी आंदोलन को लेकर लेकिन आंदोलनकारी अपनी मांग पर अड़े रहे और अंत में एक बार फिर से पुलिस थाने के समीप चक्काजाम कर दिया गया. जिसके बाद उन्हें डोंगरगांव पुलिस व्दारा समझाईश देकर रवाना किया गया है.

इस मामले में पुलिस द्वारा आरोपी नगर पंचायत अध्यक्ष हीरा निषाद पर भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के 196, 299 तथा 302 जो धार्मिक तथा सामाजिकता पर अभद्र टिप्पणी करने से संबंधित धाराएं लगाई गई है और न्यायालय में पेश किया गया है.

श्री दासीश्याम जयंती महोत्सव में श्री श्याम के दीवानों के भजन में बिखरा जलवा

० श्री दासी श्याम प्रभु के भजनों में सुध-बुध बिसरा कर झूमे लोग
० आज शहर मे श्री दासी श्याम प्रभु की निकलेगी भव्य शोभायात्रा

राजनांदगांव (दावा)। शहर में बुधवार 21 अगस्त से आयोजित श्री दासी श्याम प्रभु के त्रि-दिवसीय जयंती आयोजन का धूमधाम के साथ आगाज हुआ। श्री दासीश्याम प्रभु जयंती महोत्सव के पहले दिन आयोजित भजन कार्यक्रम में उपस्थित समस्त श्रद्धालुजन सुमधुर भजनों का लाभ लिया और अपने श्री गुरू मां के अरदास व प्रार्थना के भजनों में झुमने-नाचने लगे। इस दौरान श्रद्धालु भक्तजन लोक-लाज छोड़कर श्री दासी श्याम प्रभु की भक्ति में रमे रहे। भजनों की मस्ती में भक्त जन एकलीन होकर अपनी प्यारी श्री गुरू मां को नाच-नाच कर रिझाने में लगे रहे। इस दौरान श्री शक्ति धाम का दृश्य अलौकिक बना रहा। बता दें कि श्री दासी श्याम प्रभु के शक्तिधाम दरबार को छोटे बच्चों ने अपने हाथों से श्रृंगारित किया है, जिसकी अनुपम छटा देखते ही बन रही है।

आज निकलेगी भव्य शोभायात्रा

श्याम के दिवाने भक्त जनों ने बताया कि जयंती के दूसरे दिवस पर 22 अगस्त गुरुवार को रामाधीन मार्ग श्री श्यामकुटी से श्री दासीश्याम प्रभु की भव्य शोभा यात्रा निकलेगी जो रामाधीन मार्ग से तिरंगा चौक, भारती प्रेस, भारत माता चौक, कामठी लाईन, श्री सत्यनारायण मंदिर, श्री गायत्री मंदिर जीई रोड से होते हुए स्टेशन पारा के शक्तिधाम जाएगी। शोभा यात्रा में कई स्थानों पर उनकी आरती पूजा के साथ-साथ भव्य आतिशबाजी भी की जाएगी।

श्री दासी श्याम प्रभु की भव्य शोभायात्रा के दौरान शोभायात्रियो वह भक्त जनों में चाय-बिस्कुट, पान, ठण्डा, चिप्स, काजू-बदाम और मेवे के साथ पेड़े एवं मिठाईयों का प्रसाद वितरित किया जाएगा।

रजत जयंती व स्वर्ण जयंती

बताया गया कि इसी वर्ष माह नवम्बर के कार्तिक की ग्यारस के उत्सव पर श्री श्यामकुटी द्वारा श्री खाटु श्याम प्रभु से शक्ति के मिलन को हुए 25 वर्ष होने पर रजत जयंती तथा श्री श्यामप्रभु की स्थापना के 50 वें वर्ष होने पर स्वर्ण जयंती यह दोनों जयंती एक साथ मनाई जायेगी। यह महोत्सव 5 दिवसीय होगा। जिसमें श्री श्यामकुटी के बच्चों के द्वारा लिखित गुरू वंदना, गुरू भजनों की पुस्तक के साथ-में भक्तगणन अपने बच्चों का जातजडुड़ा (मुडंन) तथा बच्चों के शादी होने के पश्चात गठजोड़ें की जात भी शक्तिधाम में दी जाती है। बताया गया कि 23 अगस्त को चार नये विवाह हुए भक्तों द्वारा गठजोड़ें की जात दी जाएगी। इस दौरान पूरा माहौल श्री दासी श्याम प्रभु के रंग में रंगा रहेगा।

चौपाटी में घूमने और जिम करने वाले स्थान पर शौचालय निर्माण

० ग्रामवासियों ने रानी तराई-महराजपुर रोड पर किया चक्काजाम
० तेज रफ्तार वाहनों पर अंकुश लगाए जाने व स्पीड ब्रेकर बनाए जाने की मांग

राजनांदगांव (दावा)। कांग्रेस नेता व पूर्व पार्षद अशोक फडणवीस ने बताया कि रानीसागर सर्किट हाऊस के पास बने चौपाटी के अंदर रेत बिछाकर वाकिंग सेंटर बनाया गया है साथ ही ओपन जिम भी सुबह-सुबह बुजुर्ग, महिला युवा बच्चें पैदल चलते उस स्थान पर निगम ने लगे जीम के सामानों को उखाड़कर शौचालय निर्माण करवा रही है सर्किट हाउस या ओपन आडोटेरियम के आस-पास शौचालय का निर्माण कर सकती थी चौपाटी के अंदर निर्माण से लोगों में रोष है मुझे समझ नहीं आता निगम प्रशासन को थोड़ी भी सोच है की नही किस स्थान पर क्या बनना चाहिए लगी सामग्री को नुकसान पहुंचा कर जनता के पैसे का दुरुपयोग करना कहां तक उचित है। निगम कहता है कि हाईटेक शौचालय निर्माण किया जा रहा है जिसका उपयोग आम लोगों को नहीं होना है, ऐसे स्थान को चुना जाना कहां तक उचित है। आक्सीजोन क्षेत्र में लोग घूमने आते है। निगम तत्काल निर्माण कार्य रोके कही अन्य स्थान का चयन करें किसने बुद्धि दी है यह समझ से परे है।

रोजगार गारंटी में फर्जी मस्टर रोल भरकर पैसा आहरण का आरोप

राजनांदगांव (दावा)। जिले के घुमका क्षेत्र के ग्राम बछेराभाठा में सरपंच द्वारा रोजगार गारंटी योजना में फर्जी मस्टर रोल बनाकर तथा पैसों का आहरण कर शासकीय राशि का गबन करने का आरोप लगाया गया है। ग्रामवासियों ने उक्त संबंध में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर सरपंच दुवासु वर्मा सहित रोजगार सहायक व मेट के खिलाफ जांच व दोषी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

ज्ञापन में कहा गया है कि सरपंच दुवासु वर्मा द्वारा स्वयं के दिवस की फर्जी हाजिरी बछेराभाठा समुदाय के लिए स्ट्रोम वाटर, ड्रेन स्टीम जीर्णोद्धार कार्य पुलिया में अपनी पत्नी रामकली वर्मा का 42 दिवस की हाजिरी तथा अपने पुत्र भूपेंद्र कुमार वर्मा का ठोस व तरल अपशिष्ट प्रबंधन इकाई वर्क शेड निर्माण कार्य में 30 दिवस की हाजिरी तालाब निर्माण कार्य में भरा गया। इसके अलावा रोजगार गारंटी में सन् प्रसाद वर्मा पंच के द्वारा अपने पुत्र धनंजय वर्मा के नाम से 3 दिवस की हाजिरी भरा गया है। इस तरह रोजगार गारंटी कार्य में अपने लोगों के नाम से फर्जी हाजिरी भर कर पैसा आहरण किया गया और शासन की उक्त राशि का गबन कर लिया गया है। ग्राम बहेराभांठा के ग्रामवासियों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर सरपंच के खिलाफ जांच की मांग करते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

एससी-एसटी समुदाय ने किया चक्काजाम के साथ डोंगरगांव बंद

० सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर हुआ विरोध दर्ज
० डोंगरगांव बंद को मिला व्यापारियों का समर्थन दुकानें रही बंद

डोंगरगांव (दावा)। नगर में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति संघर्ष मोर्चा ब्लॉक इकाई डोंगरगांव के तत्वावधान में भारत बंद के समर्थन में डोंगरगांव नगर को बंद किया गया. आंदोलनकारी प्रात-काल से ही खुलने वाली हॉटलों को बंद करवाते हुए स्टेट हाईवे पर चक्काजाम कर दिया, जिससे पहली यात्री बस के साथ ही स्कूली बच्चों की बसें भी फेल रही.

कार्यक्रम बुद्धविहार बोधिटोला से रैली निकालकर नगर भ्रमण करते हुए पुराना बस स्टैंड में सभा को संबोधित किया गया. कार्यक्रम में बौद्ध समाज, सर्वआदिवासी समाज, सतनामी समाज ओबीसी वर्ग के लोग बड़ी संख्या में आंदोलन में शामिल हुए. सभा को संबोधित करते हुआ बौद्ध समाज के प्रमुख वीरेंद्र बोरकर, सर्वआदिवासी समाज के ब्लाक अध्यक्ष चंद्रशेखर उइके ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय के 01 अगस्त के आरक्षण को लेकर दिए गए फैसले के विरोध में अनु.जाति, जनजाति के समुदायों में घोर असंतोष एवं आक्रोश व्याप्त है. इन वर्गों ने न्यायालय के फैसले को असंवैधानिक बताया तथा न्यायालय का फैसला सामाजिक असमानता को बढ़ाने वाला है. समाज का मानना है कि सर्वोच्च न्यायालय ने अनु.जाति एवं आदिवासी वर्गों में उपवर्गीकरण तथा क्रीमीलेयर की अवधारणा लाकर आरक्षण को खत्म करने की दूरगामी पहल की है.इस फैसले के विरोध में स्थानीय स्तर पर आदिवासी समाज एवं अनुसूचित जाति वर्ग के लोग सडकों पर उतरकर रैली सभा एवं राष्ट्रीय स्तर के बंद को सफल बनाने संविधान के दायरे में रहकर पुरजोर विरोध किया गया.सर्वोच्च न्यायालय के आरक्षण विरोधी फैसलें को कानून बनाकर अथवा अध्यादेश लाकर वापस लेने सरकार पर दबाव बनाने 21 अगस्त को भारत बंद का स्थानीय अनु.जाति, जनजाति संघर्ष मोर्चा समिति डोंगरगांव ने समर्थन किया है. सभा समाप्ति के पश्चात रैली को आगे बढ़ते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंचकर एसडीएम डोंगरगांव श्रीकांत कोराम को ज्ञापन दिया गया.

नथमल कोटड़िया जिला सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष निर्वाचित

राजनांदगांव (दावा)। विगत दिनों जिला सराफा एसोसियेसन की बैठक हुई जिसमें सर्व सम्मति से लगातार दूसरी बार नथमल कोटड़िया को जिला सराफा एसोसियेसन का अध्यक्ष चुना गया।

मार्गदर्शक-अनिल बरडिया, अध्यक्ष नथमल कोटड़िया, कार्यकारी अध्यक्ष- मनोज बैद, उपाध्यक्ष-कोमल गोलछा, राजेश सोनी (राजेश ज्वेलर्स), सचिव शिव नारायण अग्रवाल, कोषाध्यक्ष गणेश ओस्तवाल, सह-सचिव बंटी बल्देव सोनी, सलाहकार समिति हिंदूराव पवार, अशोक कोचर, पारस सोनी, संजय चौगुले, विशेष आमंत्रित बालचंद भंसाली, ज्ञानचंद नवलखा, कार्यकारिणी समिति- दिलीप गोलछा, शंकर मदन सोनी, धीरज बैद, दीपक नवलखा, टीकम सोनी, अशोक सोनी, विजय जडिया, राजकुमार बैद, विजय बैद (विक्की बैद), आशीष बैद (अंगूठी ज्वे.) मुकेश बाफना, राजेश सोनी (सुमीत ज्वे.), जुगल सोनी (ऋषभ ज्वे.) निलेश गिड़िया, शिव सोनी, ललित नखत, मलय कोटडिया, बंटी सोनी (माँ ज्वे) अखराज सोनी, सतीश पारख, श्रेयांश गोलछा, एसटीजे, नलिन कोठारी, राहुल बैद, गगन बोहरा, अनिल बैद, ललित मुणोत, धनेश (गोल्डी) बरडिया, अनिल कोटडिया, राजेश कसार, अमित पंजवानी, श्रेयांश बाफना, अंशुल चोपड़ा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक दीपक कुमार बुद्धदेव द्वारा स्वस्तिक ऑफसेट एण्ड स्क्रीन प्रिंटर्स, बल्देवबाग रोड, राजनांदगांव से मुद्रित कर प्रकाशित। सम्पादक दीपक कुमार बुद्धदेव।
* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। * किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र राजनांदगांव रहेगा। फोन नं. - 07744-406631 e-mail : dainikdawa_rjn@yahoo.com